जन-जन की वाणी...

हिन्दी दैनिक

सोन वर्षा वाणी

औरंगाबाद, आरा एवं रांची से प्रकाशित

Page 11

खेल

पेरिस ओलंपिक : अभिनव बिंद्रा ने मौजूदा समय के खिलाड़ियों के लिए कही अहम बात

Page 10

देश

राहुल गांधी के हिन्दुओं पर दिए बयान पर नाराज संत समाज, दिल्ली में आज हिन्दु...

शुक्ल पक्ष, पूर्व फाल्गुनी, विक्रम संवत् 2081

• औरंगाबाद • बुधवार • 10 जुलाई 2024 • वर्ष 26 • अंक 210 • पृष्ठ 12

मूल्य ₹ 2.00

सोना चांदी

सोना	चांदी
10 ग्राम 24 कैरेट	1 किलो चांदी
₹73,200	₹94,500

आज का इतिहास

- 1806 : भारतीय सिपाहियों ने ईस्ट इंडिया कंपनी के खिलाफ विद्रोह किया जब वे वेल्लोर किले में थे और 200 ब्रिटिश सैनिकों को मार डाला या घायल कर दिया।
- 1800 : फोर्ट विलियम कॉलेज भारत के ब्रिटिश गवर्नर-जनरल लॉर्ड वेलेस्ली द्वारा कलकत्ता में बंगाली, हिंदी और भारतीय उपमहाद्वीप के अन्य स्थानीय भाषाओं को बढ़ावा देने के लिए स्थापित किया गया।

न्यूज बाइट्स

सीए इंटरमीडिएट सितंबर परीक्षाओं के लिए पंजीकरण शुरू

पटना (नि. सं.) । चार्टर्ड एकाउंटेंट (सीए) के इंटरमीडिएट कोर्स के लिए सितंबर में आयोजित की जाने वाली परीक्षाओं के लिए पंजीकरण की प्रक्रिया 'द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया' द्वारा 7 जुलाई से शुरू कर दी गई है। परीक्षा फॉर्म भरने के लिए आईठसीएआई की आधिकारिक वेबसाइट icai.org पर विजिट करना होगा। फॉर्म भरे जाने की आखिरी तारीख 20 जुलाई है।

हाथरस हादसा : एसडीएम-सीओ समेत छह अफसर सस्पेंड

लखनऊ/ हाथरस (ए.) । हाथरस हादसे के 7 दिन बाद यूपी सरकार ने पहला एक्शन लिया। एसडीएम, सीओ समेत 6 अफसरों को सस्पेंड कर दिया है। सरकार ने एसआईटी की रिपोर्ट के बाद यह कार्रवाई की। एसआईटी ने सोमवार रात सीएम योगी को 900 पेज की रिपोर्ट सौंपी थी। सरकार ने एसडीएम रविंद्र कुमार, सीओ आनंद कुमार के अलावा इंस्पेक्टर आशीष कुमार, तहसीलदार सुशील कुमार और चौकी इंचार्ज कचौरा मनवीर सिंह और पारा चौकी इंचार्ज बृजेश पांडे को सस्पेंड किया।

केजरीवाल के खिलाफ प्रोडक्शन वारंट, 12 जुलाई को अदालत में पेशी

नई दिल्ली (ए.) । दिल्ली की एक विशेष अदालत ने आबकारी नीति कथित घोटाला मामले में मंगलवार को प्रोडक्शन वारंट जारी कर आरोपी मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को 12 जुलाई को अदालत में पेश होने का निर्देश दिया हैं। विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा की अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से श्री केजरीवाल के खिलाफ दायर पूरक आरोप पत्र का संज्ञान लेते हुए प्रोडक्शन वारंट जारी किया।दिल्ली की सत्ताधारी आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक आबकारी नीति मामले में केंद्रीय जांच एजेंसी ईडी और सीबीआई की गिरफ्तारी के बाद न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल में बंद हैं। ईडी ने 21 मार्च और सीबीआई ने 26 जून 24 को आरोपी मुख्यमंत्री केजरीवाल को गिरफ्तार किया था। सीबीआई ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के मुकदमे में मार्च से न्यायिक हिरासत में बंद आरोपी मुख्यमंत्री केजरीवाल को अदालत की अनुमति के बाद 25 जून को पूछताछ और फिर 26 जून को गिरफ्तार किया था। विशेष अदालत ने उसी दिन सीबीआई की गुहार पर उन्हें इस केंद्रीय जांच एजेंसी की तीन दिनों की हिरासत में भेज दिया था।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बख्तियारपुर में योजनाओं का किया निरीक्षण

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को विकास की गति को तेजी से बढ़ाने का दिया निर्देश

- मुख्यमंत्री ने बख्तियारपुर के विभिन्न स्थानों पर चल रही योजनाओं का निरीक्षण किया।
- घनसुरपुर में गंगा चैनल का पुनर्निर्माण और जीर्णोद्धार के लिए मुख्यमंत्री ने दिए निर्देश।
- गंगा घाट एवं पाथ-वे के संदर्भ में भी उन्होंने निरीक्षण किया और इसके सौंदर्यीकरण के लिए निर्देश दिए।

निज संवाददाता | पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को बख्तियारपुर के विभिन्न जगहों पर चलाई जा रही योजनाओं का निरीक्षण किया और तेजी से कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिये। मुख्यमंत्री ने सबसे पहले बख्तियारपुर प्रखंड के घनसुरपुर स्थित गंगा चैनल के प्रस्तावित लिंक का निरीक्षण किया। इस योजना के संबंध में जल संसाधन विभाग के अपर मुख्य सचिव चैतन्य प्रसाद ने मुख्यमंत्री को बताया कि घनसुरपुर में पुराने चैनल को मुख्य धारा से जोड़ा जायेगा। घनसुरपुर से सीढ़ी घाट होते हुए रामनगर तक कराए जाने वाले जीर्णोद्धार तथा सुरक्षात्मक कार्यों, वृक्षारोपण, पार्क निर्माण आदि के संबंध में भी उन्होंने मुख्यमंत्री को जानकारी दी। इसके बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बख्तियारपुर इंजीनियरिंग कॉलेज के पास निर्माणाधीन रेलवे ओवर ब्रिज का निरीक्षण किया और निर्माण कार्य तेजी से पूर्ण करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि इस योजना के पूर्ण होने से बख्तियारपुर इंजीनियरिंग कॉलेज का चार लेन सड़क से सीधा संपर्क स्थापित होगा और बख्तियारपुर इंजीनियरिंग कॉलेज तक आना-जाना आसान हो जायेगा।

इसके बाद मुख्यमंत्री ने बख्तियारपुर सीढ़ी घाट के पास निर्माणाधीन गंगा घाट एवं पाथ-वे का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेरा यहां बचपन बीता है। मैं इसी घाट पर स्नान करता था। इस घाट पर लोग धार्मिक कार्य करते रहे हैं। इसका सौंदर्यीकरण और निर्माण कार्य बेहतर ढंग से करें, ताकि यहां आनेवाले लोगों को सुविधा हो। मुख्यमंत्री ने राधाकृष्ण मंदिर, ठाकुरबाड़ी, सीढ़ी घाट में पूजा-अर्चना कर राज्य की सुख-शांति की कामना की। मुख्यमंत्री ने पंडित शीलभद्र याजी मेमोरियल ट्रस्ट स्थित पंडित शीलभद्र याजी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर अपनी श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने बख्तियारपुर स्थित गणेश हाईस्कूल (10 2 स्तरीय) विद्यालय भवन के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि निर्माण कार्य तेजी से और बेहतर ढंग से पूर्ण करें। उन्होंने चहारदीवारी को और ऊंचा करने तथा नीचे की जमीन में मिट्टी भराकर उसे समतल करने के निर्देश दिये। उन्होंने पौधारोपण भी कराने को कहा, ताकि परिसर अच्छा दिखे और पर्यावरण के लिये भी यह अनुकूल रहेगा।

सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का बटन दबाकर की शुरुआत

मुख्यमंत्री ने बख्तियारपुर सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का भी निरीक्षण किया और बटन दबाकर ट्रीटमेंट प्लांट की शुरुआत की। बख्तियारपुर नगर निकाय के अंतर्गत आनेवाले आठ नालों के पानी का इस सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट में शुद्ध किया जायेगा। बख्तियारपुर इंजीनियरिंग कॉलेज से निकलने वाले सीवरेज के पानी का भी इस प्लांट में शोधन होगा। इससे बख्तियारपुर नगर निकाय के सभी 27 वार्डों के नागरिक लाभान्वित होंगे। शोधित पानी को बगल में निर्मित पोखर में गिराया जायेगा, इससे जल संरक्षण भी होगा।

राष्ट्रपति ने राष्ट्रीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान के दीक्षांत समारोह में कहा

विज्ञान वरदान है लेकिन इससे मानवता के लिए चुनौतियां भी हो रही हैं पैदा : राष्ट्रपति

एजेंसी | नयी दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंगलवार को कहा कि विज्ञान वरदान है लेकिन इसके साथ-साथ उसके अभिशाप का खतरा भी सदैव बना रहता है, क्योंकि तकनीकी विकास से क्षमता तो बढ़ रही हैं लेकिन इससे मानवता के लिए चुनौतियां भी पैदा हो रही हैं।

श्रीमती मुर्मु ने ओडिशा के भुवनेश्वर में राष्ट्रीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान (नाइसर) के 13वें स्नातक दीक्षांत समारोह में कहा कि नाइसर की यात्रा अभी कुछ वर्षों की ही है, लेकिन इतने कम समय में ही इसने शिक्षा जगत में अपना महत्वपूर्ण स्थान बना लिया है। यह अच्छी बात है कि संस्थान विज्ञान की तार्किकता और परंपरा के मूल्यों को एकजुट कर आगे बढ़ रहा है।

राष्ट्रपति ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि सार्थक शिक्षा और ज्ञान वही है जो मानवता के कल्याण और उत्थान के लिए इस्तेमाल किया जाए। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि वे जहां भी कार्य करेंगे, अपने क्षेत्र में उत्कृष्टता के सर्वोच्च स्तर को प्राप्त करेंगे। उन्होंने उम्मीद जताई कि विद्यार्थी अपने कार्यक्षेत्र में उपलब्धियों के साथ-साथ अपने सामाजिक कर्तव्यों का भी पूरी जवाबदेही के साथ निर्वहन करेंगे। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी ने सात सामाजिक पाप परिभाषित किए हैं, जिनमें से एक है दयारहित विज्ञान, यानी मानवता के प्रति संवेदनशीलता के बिना विज्ञान को बढ़ावा देना पाप-कर्म के समान है। उन्होंने विद्यार्थियों को सलाह दी कि उन्हें गांधी जी के इस संदेश को सदैव याद रखना चाहिए।

श्रीमती मुर्मु ने विद्यार्थियों से कहा कि वे अपने व्यक्तित्व में हमेशा विनम्रता और जिज्ञासा की भावना बनाए रखें। उन्होंने कहा कि उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे अपने ज्ञान को एक सामाजिक उद्यम के रूप में देखें और इसका उपयोग समाज और देश के विकास के लिए करें।

राष्ट्रपति ने कहा कि विज्ञान, वरदान है लेकिन इसके साथ-साथ उसके अभिशाप का खतरा भी सदैव बना रहता है। आज विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में बहुत तेजी से परिवर्तन हो रहे हैं। नए तकनीकी विकास मानव-समाज को क्षमताएं प्रदान कर रहे हैं, लेकिन साथ ही, वे मानवता के लिए नई चुनौतियां भी पैदा कर रहे हैं, जैसे सीआरआईएसपीआर - सीएएस9 ने जीन एडिटिंग को बहुत आसान बना दिया है। यह तकनीक कई असाध्य बीमारियों के समाधान की दिशा में एक बहुत बड़ा कदम है, हालांकि इस तकनीक के उपयोग से नैतिक और सामाजिक मुद्दों से जुड़ी समस्याएं भी उत्पन्न हो रही हैं। इसी तरह, जेनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में प्रगति के कारण डीप फेक की समस्या और कई नियामक चुनौतियां सामने आ रही हैं।

श्रीमती मुर्मु ने कहा कि मौलिक विज्ञान के क्षेत्र में प्रयोग और शोध के परिणाम आने में अक्सर बहुत समय लगता है। कई बार कई वर्षों तक निराशा झेलने के बाद सफलता मिली है। उन्होंने छात्रों से कहा कि वे कभी-कभी ऐसे दौर से भी गुजर सकते हैं, जब उनके धैर्य की परीक्षा होती है, लेकिन उन्हें कभी निराश नहीं होना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को हमेशा यह याद रखने की सलाह दी कि मौलिक शोध में विकास अन्य क्षेत्रों में भी बेहद लाभदायक साबित होता है।

प्रसिद्ध अर्थशास्त्री और विनोबा भावे विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति का निधन

रांची (नि.सं.)। प्रसिद्ध अर्थशास्त्री डॉ रमेश शरण के असामयिक निधन पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने दुख व्यक्त किया है और इसे झारखंड के लिए अपूरणीय क्षति बताया है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट लिखा है मैं डॉ रमेश शरण के निधन से व्यक्तिगत रूप से काफी मर्माहत हूं, यह झारखंड के लिए बहुत बड़ी क्षति है। उन्होंने लिखा है कि मैं मरांग बुरु से उनकी आत्मा की शांति एवं उनके परिजनों को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना करता हूं। प्रसिद्ध अर्थशास्त्री डॉ रमेश शरण का कोलकाता के अस्पताल में 69 वर्ष की उम्र में निधन हुआ, उनका अंतिम संस्कार आज रांची के मुक्तिधाम में होगा। उन्हें लंग्स में इंफेक्शन था, जिसकी वजह से वे पिछले सात-आठ दिन से बीमार थे।

आरक्षण कानून रद्द होने से बिहार में लटकी डॉक्टरों की बहाली, कोटा को लेकर असमंजस

निज संवाददाता | पटना

पटना उच्च न्यायालय द्वारा 20 जून को पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण कोटा 50% से बढ़ाकर 65% करने के बिहार सरकार के फैसले को रद्द करने के बाद बिहार के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में डॉक्टरों की बहाली का इंतजार और लंबा हो गया है। 6 जून को लोकसभा चुनाव के लिए आदर्श आचार संहिता हटाए जाने के तुरंत बाद, स्वास्थ्य विभाग ने 9 सरकारी मेडिकल कॉलेजों में 1,339 संकाय पदों का विज्ञापन जारी किया था। जिसे अब संशोधित करना होगा। और पूर्व के कोटा फॉमूले के मुताबिक जारी करना होगा। अधिकारियों ने कहा कि आरक्षण कोटा में कोई भी बदलाव राज्य कैबिनेट की मंजूरी के बाद ही किया जा सकता है, जिसने जनवरी और मई के बीच राज्य के जाति-आधारित सर्वेक्षण के निष्कर्षों के आधार पर 50% से 65% किया था। जिसका डेटा पिछले साल 2 अक्टूबर को जारी किया गया था। पटना हाईकोर्ट के आदेश के लगभग 20 दिन बाद भी, बिहार कैबिनेट ने अभी तक अपना निर्णय रद्द नहीं किया है। सामान्य प्रशासन विभाग के एक अधिकारी ने कहा, कि राज्य सरकार ने हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की है। स्वास्थ्य विभाग ने जून के तीसरे सप्ताह में 1,339 संकाय पदों का विज्ञापन दिया था, जिनमें से ज्यादातर एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर थे। तब भर्ती के लिए आरक्षण रोस्टर बीसी, ईबीसी, एससी और एसटी को 65% आरक्षण के आधार पर तैयार किया गया था।

पटना हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति हरीश कुमार की खंडपीठ ने बिहार में पदों और सेवाओं में रिक्तियों का आरक्षण (संशोधन) अधिनियम, 2023 और बिहार (शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश में) आरक्षण (संशोधन) अधिनियम, 2023 को रद्द कर दिया। और अनुच्छेद 14, 15 और 16 के तहत समानता का उल्लंघन बताया है। आपको बता दें बिहार विधानमंडल ने 2023 में दोनों अधिनियमों में संशोधन किया था, नौकरियों और उच्च शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण 50% से बढ़ाकर 65% कर दिया था। राज्य में जाति-आधारित सर्वेक्षण के निष्कर्षों के आधार पर, राज्य सरकार ने अनुसूचित जाति के लिए कोटा 16% से बढ़ाकर 20%, अनुसूचित जनजाति के लिए 1% से 2%, अत्यंत पिछड़ा वर्ग के लिए 18% से 25% और पिछड़ा वर्ग के लिए कोटा 12% से 18% कर दिया था।

ई-शिक्षा कोष पोर्टल पर आएगी मध्याह्न भोजन की रिपोर्ट

पटना(नि.सं.)। स्कूलों में कितने बच्चों ने मध्याह्न भोजन किया है, इससे संबंधित रिपोर्ट अब प्रतिदिन ई-शिक्षा कोष पोर्टल पर आएगी। पोर्टल पर प्रतिदिन रिपोर्ट नहीं भेजने वाले प्रधानाध्यापकों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसको लेकर मध्याह्न भोजन योजना के निदेशक मिथिलेश मिश्र ने सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों को सोमवार को निर्देश दिया है। जिलों को लिखे पत्र में स्पष्ट किया गया है कि ई-शिक्षा कोष पोर्टल पर शिक्षकों और छात्र-छात्राओं की उपस्थिति दर्ज की जा रही है पर मध्याह्न भोजन खाने वाले बच्चों की संख्या इस पोर्टल पर नहीं आ रही है। अतः निर्देश दिया जाता है कि उक्त व्यवस्था को लागू कराना सुनिश्चत करें। जिला शिक्षा पदाधिकारियों को कहा गया है कि जिन स्कूलों से उक्त रिपोर्ट पोर्टल पर नहीं आ रही है, उनकी पहचान कर वहां के प्रधानाध्यापक-प्रभारी प्रधानाध्यापक पर कड़ी कार्रवाई करें।

गौतम गंभीर बने भारत के नए हेड कोच, राहुल द्रविड़ की ली जगह

एजेंसी | नई दिल्ली

पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर को भारतीय टीम का हेड कोच नियुक्त किया गया है। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने सोशल मीडिया पर इस बात की जानकारी दी। गंभीर अब राहुल द्रविड़ की जगह लेंगे। टी20 वर्ल्ड कप 2024 के बाद राहुल द्रविड़ का कार्यकाल समाप्त हो गया था। ऐसे में बोर्ड को नए कोच की तलाश थी। इस पद के लिए पहले ही इंटरव्यू हो चुके थे। जय शाह ने एक्स पर लिखा, 'मुझे गौतम गंभीर को भारतीय क्रिकेट टीम के नए हेड कोच के रूप में स्वागत करने हुए बेहद खुशी हो रही है। आधुनिक क्रिकेट तेजी से विकसित हुआ है और गौतम ने इस बदलते समय को करीब से देखा है। अपने पूरे करियर में कठिनाइयों का सामना करने और विभिन्न भूमिकाओं में शानदार प्रदर्शन करने के बाद, मुझे विश्वास है कि गौतम भारतीय क्रिकेट को आगे बढ़ाने के लिए एक सही व्यक्ति हैं।

कर्मचारी राज्य बीमा निगम द्वारा आश्रित हितलाभ का किया गया भुगतान

निज संवाददाता | पटना

कर्मचारी राज्य बीमा निगम बिहार क्षेत्र के क्षेत्रीय निदेशक संजय कुमार द्वारा सादे समारोह में बिहार राज्य पथ परिवहन निगम में मेसर्स आरएमएस टेक्नो सॉल्यूशन (इंडिया) प्रा. लि. के माध्यम से बीमित वीरेन्द्र साह बस चालक के पद पर संविदा पर नियुक्त थे जिनकी मृत्यु रोजगार चोट के दौरान होने के उपरांत उनकी आश्रिता पत्नी आभा देवी एवं पुत्र राजन कुमार व अमित कुमार तथा पुत्री रौशनी कुमारी व पूजा कुमारी को आश्रित हितलाभ प्रदान हितलाभ प्रदान प्रदान किया गया और संवेदना व्यक्त की गयी। प्रदान किया गया और संवेदना व्यक्त की गयी।

स्व. वीरेन्द्र साह की मृत्यु कार्य के दौरान रोजगार चोट के कारण हुई थी। वे परिवार में अकेले कमाने वाले थे। स्व. वीरेंद्र साह की मृत्यु कार्य के दौरान रोजगार चोट के कारण हुई थी। वे परिवार में अकेले कमाने वाले थे व परिवार पूर्णतः आर्थिक रूप से उन पर निर्भर था। नियोजक द्वारा दुर्घटना रिपोर्ट भेजे जाने के पश्चात इसकी जांच की गयी तथा ईएसआईसी द्वारा आश्रितों के लिए मासिक पेंशन स्वीकृत किया गया, क्योंकि उनकी मृत्यु कार्य के दौरान दुर्घटना में हुई थी। उल्लेखनीय है कि कार्यस्थल पर कार्य के दौरान या कार्यस्थल जाने या वहां से घर जाने के दौरान किसी दुर्भाग्यपूर्ण घटना या दुर्घटना में ईएसआईसी में बीमित कर्मचारी की मृत्यु हो जाने पर उनके आश्रित परिवारजनों को ईएसआई योजना में वेतन का 90% तक मासिक आश्रित पेंशन दिया जाता है।

19 से 22 जुलाई के बीच टीयर 3 की परीक्षा

पटना (नि.सं.)। बिहार लोक सेवा आयोग की ओर से रद्द हुई शिक्षक भर्ती परीक्षा 19 से 22 जुलाई के बीच होगी। इस परीक्षा का आयोजन प्रदेश के 27 जिलों में बनाए गए परीक्षा केंद्रों पर किया जाएगा। वहीं, इस परीक्षा के लिए एडमिट कार्ड अभ्यर्थी आज 9 जुलाई से आयोग की आधिकारिक वेबसाइट www.bpsc.nic.in पर जा कर अपने डैशबोर्ड में लॉगिन कर डाउनलोड कर सकते हैं। 19, 20 और 21 जुलाई को एक ही शिफ्ट में परीक्षा होगी। पहले शिफ्ट की परीक्षा दोपहर 12:00 से लेकर 2:30 बजे तक होगी। वहीं, 22 जुलाई को दो शिफ्ट में एग्जाम लिया जाएगा। इसके लिए पहले शिफ्ट की परीक्षा सुबह 9:30 बजे से लेकर दोपहर 12 बजे तक और दूसरे शिफ्ट की परीक्षा दोपहर 2:30 बजे से लेकर शाम 5 बेस तक आयोजित किया जाएगा।

सरकारी विद्यालयों में हर दिन होगी आईसीटी लैब में पढ़ाई

- ज्यादातर सरकारी विद्यालयों में स्थापित आईसीटी लैब का उपयोग नहीं हो रहा है।

निज संवाददाता | पटना

बिहार के सरकारी विद्यालयों में स्थापित आईसीटी (इनफॉर्मेशन कम्यूनिकेशन टेक्नोलॉजी) लैब में अब हर दिन छात्र-छात्राओं की पढ़ाई होगी। इसे लेकर शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ ने सभी जिलों को निर्देश दिया है। सभी आईसीटी लैब को संचालित करने के लिए विज्ञान शिक्षकों को पहले ही प्रशिक्षित किया जा चुका है। निर्देश के मुताबिक, प्रारंभिक विद्यालयों के आईसीटी लैब की कक्षा में प्रतिदिन कम से कम 50 विद्यार्थी शामिल होंगे। दूसरी ओर, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों के आईसीटी लैब में चलने वाली कक्षा में प्रतिदिन कम से कम 100 छात्र-छात्रा बैठेंगे।

तत्काल लैब शुरू करने का निर्देश

निरीक्षी अधिकारियों की रिपोर्ट के आधार पर शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव ने त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश जिलों को दिया है। इसमें जिला शिक्षा अधिकारियों से यह पूछा गया है कि आईसीटी लैब में विद्यार्थियों की होने वाली गतिविधि को रुटीन में क्यों नहीं शामिल किया गया है, इसे रुटीन में शामिल कराएं। साथ ही यह निर्देश दिया गया है कि हर हाल में इसी सप्ताह से साप्ताहिक मूल्यांकन का कार्य शुरू किया जाये और इसकी रिपोर्ट संबंधित प्राधिकार तक पहुंचायी जाये।

अपर मुख्य सचिव के निर्देश के मुताबिक आईसीटी लैब में पढ़ाई करने वाले छात्र-छात्राओं की प्रगति का प्रत्येक मंगलवार को साप्ताहिक मूल्यांकन किया जाएगा। आईसीटी लैब वाले सभी सरकारी स्कूलों के प्रधानाध्यापकों को निर्देश दिया गया है कि छात्र-छात्राओं के बीच लैब में पढ़ाई करने के लिए प्रोत्साहित करें। विभाग के निरीक्षी पदाधिकारियों ने विद्यालयों के निरीक्षण के क्रम में पाया है कि ज्यादातर सरकारी विद्यालयों में स्थापित आईसीटी लैब का उपयोग नहीं हो रहा है। अधिकतर जिलों के ज्यादातर विद्यालयों के रुटीन में भी आईसीटी लैब को शामिल नहीं किया गया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केवीआईसी का नया कीर्तिमान

खादी एवं ग्रामोद्योग का कारोबार पहली बार 1.5 लाख करोड़ रुपये के पार

विशेष संवाददाता | नई दिल्ली

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय के अंतर्गत खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने वित्त वर्ष 2023-24 में उत्पादन, बिक्री और नए रोजगार सृजन में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। केवीआईसी के अध्यक्ष मनोज कुमार ने आज यहां वित्त वर्ष 2023-24 के अस्थायी आंकड़े जारी करते हुए कहा कि पिछले सभी आंकड़ों को पार करते हुए वित्त वर्ष 2013-14 की तुलना में बिक्री में 399.69 प्रतिशत (लगभग 400 प्रतिशत), उत्पादन में 314.79 प्रतिशत (लगभग 315 प्रतिशत) और नए रोजगार सृजन में 80.96 प्रतिशत (लगभग 81 प्रतिशत) की वृद्धि हुई है। वर्ष 2013-14 की तुलना में वित्त वर्ष 2022-23 में बिक्री में 332.14 प्रतिशत, उत्पादन में 267.52 प्रतिशत और नए रोजगार सृजन में 69.75 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

श्री कुमार ने कहा कि केवीआईसी के इस उल्लेखनीय प्रदर्शन ने 2047 तक 'विकसित भारत' की कल्पना को साकार करने और भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार केवीआईसी उत्पादों की बिक्री वित्त वर्ष 2023-24 में 1.55 लाख करोड़ रुपये को पार कर गई है। वित्त वर्ष 2022-23 में बिक्री का आंकड़ा 1.34 लाख करोड़ रुपये था। 'मोदी सरकार' के पिछले दस वित्त वर्षों में ग्रामीण क्षेत्रों में कारीगरों द्वारा बनाए गए स्वदेशी खादी और ग्रामोद्योग उत्पादों की बिक्री जो वित्त वर्ष 2013-14 में 31154.20 करोड़ रुपये थी, वह वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़कर 155673.12 करोड़ रुपये के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है, जो अब तक की सबसे बड़ी उपलब्धि है। वित्त वर्ष 2023-24 में केवीआईसी के प्रयासों से ग्रामीण क्षेत्रों में 10.17 लाख नए रोजगार सृजित हुए हैं, जिससे ग्रामीण भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत हुई है।

केवीआईसी के अध्यक्ष ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि का श्रेय पूज्य बापू की प्रेरणा, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी और देश के सुदूर गांवों में काम करने वाले करोड़ों कारीगरों के अथक प्रयासों को दिया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के खादी के समर्थन से लोगों का खादी उत्पादों पर विश्वास बढ़ा है। युवाओं के लिए खादी फैशन का 'नया स्टेटस सिंबल' बन गया है। बाजार में खादी और ग्रामोद्योग उत्पादों की मांग तेजी से बढ़ रही है, जो उत्पादन, बिक्री और रोजगार के आंकड़ों में दिखाई देती है। उन्होंने आगे कहा कि पिछले दस वर्षों में खादी और ग्रामोद्योग के उत्पादन को बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में बड़े बदलाव और निर्णय लिए गए हैं, जिनके सकारात्मक परिणाम मिल रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि ये आंकड़े इस बात का सबूत हैं कि देश के लोगों का भरोसा 'मेक इन इंडिया', 'वोकल फॉर लोकल' और 'स्वदेशी उत्पादों' पर बढ़ा है।

खादी एवं ग्रामोद्योग उत्पादों का उत्पादन वित्त वर्ष 2013-14 में जहां 26,109.08 करोड़ रुपये था, वह वित्त वर्ष 2023-24 में 314.79 प्रतिशत की उछाल के साथ 108,297.68 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जबकि वित्त वर्ष 2022-23 में उत्पादन 95956.67 करोड़ रुपये था। लगातार बढ़ता यह उत्पादन इस बात का पुख्ता सबूत है कि खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग ने ग्रामीण क्षेत्रों में ऐतिहासिक कार्य किया है।

संक्षिप्त समाचार

स्टेट हाईवे पर खड़ी कार में ट्रक ने मारी टक्कर

डुमरिया। डुमरिया प्रखंड अंतर्गत स्टेट हाईवे 69 पर स्थानीय आईटीआई कॉलेज के समीप सोरहर नदी पर बना उपरी पुल के पास खड़ी कार में विपरीत दिशा से आ रहे एक ट्रक ने टक्कर मार दी, जिससे कार क्षतिग्रस्त हो गयी। हालांकि कार में सवार सभी लोग सुरक्षित रहे। वहीं कार में सवार लोगों ने बताया कि हमलोग गया से आ रहे थे। शादी-विवाह के सिलसिले में भदवर थाना क्षेत्र के एक गांव में जा रहे थे। कुछ कार्य बस पुल के समीप खड़ा हुए ही थे कि विपरीत दिशा से आ रहे एक ट्रक ने टक्कर मार दी, इससे हम लोगों की गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गयी है।

हड़ताल पर गए स्वास्थ्यकर्मी, काम ठप

बाराचट्टी। संविदा पर नियुक्त एनएचएस व एएनएम सरकार द्वारा दिन में तीन बार एफआरएस से उपस्थित बनाने के आदेश का विरोध करते हुए सोमवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बाराचट्टी पर सोमवार को एनएचएम व एएनएम कर्मियों ने प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि एनएचएम कर्मियों के ऊपर सरकार के द्वारा जो दमनकारी नियम थोपा जा रहा है उसका हम लोग पुरजोर विरोध करते हैं एवं एक ही संस्थान में दो तरह के नियम के विरोध में हम लोग पूर्ण रूप से कार्य का बहिष्कार करते हैं। कर्मियों ने कहा कि सरकार से हमारे मुख्य मांगे हैं कि समान काम के लिए समान वेतन दिया जाए, संविदा कर्मियों को नियमित किया जाए, तथा समय पर बेचन का भुगतान हो। उन्होंने कहा कि जब तक हमारी मांगे पूरी नहीं होगी हम लोग कार्य का पूर्ण बहिष्कार करेंगे। लोगों ने कहा कि हम लोगों के द्वारा काफी तन्मयता से कार्य किया जा रहा है।

लाइव गायन में कलाकारों ने दी प्रस्तुति, हुए पुरस्कृत

टिकारी। क्षेत्र के बहेलिया बिगहा मुहल्ले में संचालित द एक्सपर्ट म्यूजिक क्लासेस द्वारा लाइव गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में स्थानीय कलाकारों ने एक से बढ़कर एक गायन की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के आयोजक रवि कुमार ने बताया कि प्रतियोगिता के बाद निर्णायक मंडल द्वारा सफल प्रतिभागियों के नामों की घोषणा की गई। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कोमल आर्या व सुदीप्त राय, द्वितीयपूजाश्री और प्रतिभा कुमारी एवं तृतीयाजागृति मिश्रा, मौसम कुमारी और शिल्पी ने प्राप्त की। इसी प्रकार बालक वर्ग सागर मिश्रा, प्रथम,प्रशांत सिंह, द्वितीय तथाऋषि सिंह और कुशाग्र कुमार तृतीय स्थान प्राप्त किया। जबकि कविता मेंजागृति मिश्रा, प्रथम,राखी मिश्रा, द्वितीय औरोही नयन मिश्रा तृतीय स्थान पर रहे। उन्होंने बताया कि सभी सफल प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता को सफल बनाने में निर्णायक मंडल के सदस्य मनीष कुमार, सुधीर सिन्हा, रविसागर मिश्रा के अलावे आकाश मिश्रा, छाया सिन्हा, सान्या, अमर कुमार, आनंद कुमार, निशांत कुमार, सन्नी, राहुल आदि का सहयोग रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में शहर के प्रसिद्ध चिकित्सक डा. नवल किशोर सिंह व डा. पार्थो मौजूद थे।

शिक्षक नहीं, सिर्फ उनकी शिकायत पहुंचेगी मुख्यालय

गया। जिला शिक्षा पदाधिकारी समेत जिला मुख्यालय स्थित शिक्षा विभाग के अन्य कार्यालयों में शिक्षक अपनी-अपनी शिकायत व समस्या को लेकर आते-जाते रहते हैं। जिससे कार्यालयों में अनावश्यक भीड़ हो जाती है और कार्यों के निष्पादन में व्यवधान उत्पन्न होता है। शिक्षा विभाग ने प्रखंड स्तर पर शिक्षक दरबार का आयोजन कर उनकी समस्याओं व शिकायतों को निवारण करने को कहा है। अब जिला मुख्यालय में शिक्षक नहीं पहुंचेंगे बल्कि उनकी शिकायतों को अग्रसारित करके भेजा जाएगा। डीईओ ने सभी बीईओ को इस बात निर्देश जारी किए हैं। हरेक सप्ताह शनिवार को विद्यालय अवधि के बाद शिक्षक दरबार का आयोजन कर उनकी समस्याओं को सुनते हुए उसपर विधि सम्मत कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। बीईओ यह सुनिश्चित करेंगे कि उनके स्तर से समाधान ना होने वाली समस्या व शिकायत ही जिला मुख्यालय पहुंचें। जिलास्तर पर भी हरेक सप्ताह शिक्षक दरबार लगाने का प्रावधान किया गया है। समय से मिले सेवानिवृत्ति का देय लाभ जिलास्तर पर किसी भी शिक्षक व शिक्षकेत्तर कर्मी की सेवानिवृति का देय लाभ लंबित नहीं हो और समय पर वेतन भुगतान हो। यह सुनिश्चित करना सभी बीईओ की व्यक्तिगत जिम्मेवारी होगी। निर्देशित किया गया है कि शिक्षक व कर्मियों का स्थानान्तरण और पदस्थापन के आवेदन को एकत्रित करते हुए उसे प्रखंड स्तर पर समेकित कर अभ्यावेदन के साथ सूचि जिला कार्यालय को भेजेंगे, ताकि शिक्षक व कर्मियों को ट्रांसफर व पोस्टिंग का अनुरोध लेकर जिला मुख्यालय नहीं आना पड़े। किसी भी शिक्षक को जिला व प्रखंड मुख्यालय नहीं बुलाया जाएगा। शिक्षकों का कार्य विद्यालय में शिक्षण कार्य करना है। जिला और प्रखंड मुख्यालय का चक्कर लगाना नहीं।

सीएसपी सेंटर से 50 हजार कैश और लैपटॉप चोरी, शटर काट कर अंदर घुसे चोर

नालंदा। नालन्दा के कतरीसराय थाना क्षेत्र के छाछुबिगहा मोड़ पर ग्राहक सेवा केंद्र में शटर काट कर अज्ञात चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया। कतरीसराय के छाछुबिगहा मोड़ के समीप साईं बाबा मंदिर के समीप श्री साईं मार्केट में आठ वर्ष से संचालित इंडियन बैंक के ग्राहक सेवा केंद्र से 50 हजार रुपए नगद, 2 लैपटॉप, 1 डीवीआर, 1 स्क्रीन एलसीडी, 1 बायोमीट्रिक मशीन की चोरी कर ली गई है। सीएसपी संचालक प्रण्य वत्स ने बताया कि प्रतिदिन के तरह संध्या 6 बजे के आसपास सीएसपी बंद कर मैं शनिवार को घर चला गया था। रविवार के कारण सीएसपी बंद था। सोमवार को जैसे ही मैं सीएसपी खोलने पहुंचा तो देखा कि सीएसपी केंद्र का शटर कटा हुआ है। जब शटर खोल कर अंदर गया तो पता चला कि नगद समेत अन्य सामानों की चोरी कर ली गई है। घटना की सूचना तत्काल स्थानीय पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंचे कतरीसराय थानाध्यक्ष जांच में जुट गए। थानाध्यक्ष सत्यम तिवारी ने बताया कि सीएसपी संचालक के लिखित शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस कार्रवाई में जुट गई है। बहुत जल्द ही मामलें का उद्भेदन कर लिया जाएगा।

खड़े ट्रक में पीछे से दूसरे ट्रक ने मारी टक्कर, 2 की मौत

1 जख्मी, बालू लोड ट्रक नवादा से जा रही थी बख्तियारपुर

निज संवाददाता। नालंदा

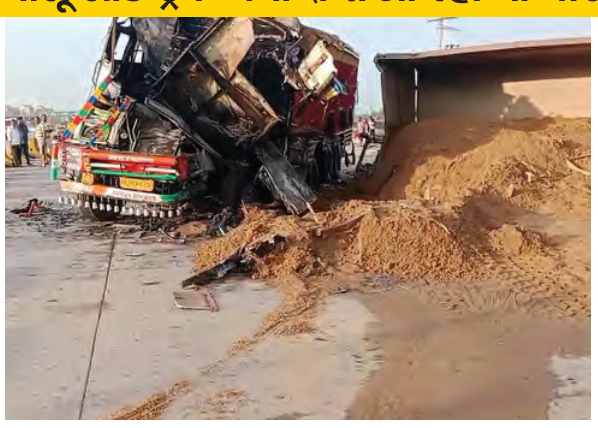

नालंदा में NH-20 पर मंगलवार की अहले सुबह हुए एक भीषण सड़क हादसे में 2 लोगों की मौत हो गई है। मामला वेना थाना क्षेत्र अंतर्गत पैठना टोल प्लाजा पावर हाउस गेट के पास की है। मृतकों की पहचान नवादा के मुफ्फसिल थाना क्षेत्र निवासी जंगलबेलदारी विगहा निवासी वीरेंद्र कुमार और रोहित कुमार(19) के रूप में की गई है। वहीं, इस घटना में चालक ब्रजेश कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे इलाज के लिए बिहारशरीफ सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है।

खड़े ट्रक में टक्कर के बाद हुआ हादसाः घटना के संबंध में बताया जाता है कि मंगलवार की अहले सुबह पावर हाउस गेट के पास सड़क किनारे बालू लोड ट्रक खड़ी थी। वहीं, बिहारशरीफ की ओर से आ रही तेज गति से ट्रक ने खड़े ट्रक में पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर के बाद ट्रक की केबिन में आग लग गई। जब तक ट्रक में लगे आग को बुझाया जाता तब तक चपेट में आकर एक उपचालक की झुलस कर जबकि दूसरा उपचालक बाहर सड़क पर आकर गिर गया। इससे उसका हाथ कट गया और उसकी भी मौत घटनास्थल पर ही हो गई।

ट्रक के उड़े परखच्चेः ट्रक पर बालू लोड था, जो नवादा से चल कर बख्तियारपुर जा रही थी। करीब 2 घंटे की मशक्कत के बाद दमकल की गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। टक्कर इतनी जबरदस्त हुई कि ट्रक के परखच्चे उड़ गए।

क्या बोले थानाध्यक्षः वहीं, इस मामले में वेना थाना अध्यक्ष मनोज कुमार ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची। अग्निशमन विभाग के कर्मियों के सहयोग से आग पर काबू पाया गया। इसके बाद गंभीर रूप से घायल ट्रक चालक को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं, दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए बिहारशरीफ सदर अस्पताल भेज दिया गया है। घटना के संबंध में मृतकों के परिजनों को इसकी सूचना दे दी गई। आवेदन मिलने पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल, पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है।

गया में 2 दिनों के अंदर 4 चोर गिरफ्तार

शुक्रवार की रात की चोरी की घटना का खुलासा हुआ था

निज संवाददाता। गया

गया पुलिस ने बेलागंज थाना क्षेत्र के साहो बिगहा में बीते शुक्रवार की रात की चोरी की घटना का खुलासा किया है। दावा किया है कि जिला पुलिस चोरी की वारदात का खुलासा दो दिनों के अंदर किया है। वारदात को अंजाम देने वाले 4 अपराधियों और 1 अन्य व्यक्ति को भी गिरफ्तार किया है। यही नहीं पुलिस ने चोरी किए गए सामान सहित एक ऑटो को भी बरामद किया है। इस बात की जानकारी डीएसपी विधि व्यवस्था खुर्शीद आलम ने दी। उन्होंने बताया कि बेलागंज के साहो बिगहा(शेखपुरा) में शुक्रवार की देर रात एक गोदाम में चोरों ने ताला तोड़ कर वहां रखे डीजे के उपकरण सहित अन्य मूल्यवान वस्तुओं की चोरी की थी। वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर DSP लॉ एंड ऑर्डर खुर्शीद आलम के नेतृत्व में पुलिस अधिकारियों, तकनीकी शाखा के अधिकारियों की विशेष टीम बनाई गई थी। टीम के सहयोग से बेलागंज क्षेत्र के पनारी दरियापुर में शनिवार की अहले सुबह अशोक पासवान के घर छापेमारी की गई। अशोक पासवान को उसके घर से चोरी के सामानों के साथ गिरफ्तार किया गया। उसकी निशानदेही पर घटना में शामिल क्षेत्र के गिरधारी बिगहा के अभिषेक कुमार, प्रवीण कुमार और दरियापुर से इंदल पासवान को गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा चोरी की इस वारदात में शामिल रहे विधि विरुद्ध बालक को भी निरुद्ध किया गया। सभी गिरफ्तार आरोपियों ने चोरी की घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने जहानाबाद के टेहटा सड़क किनारे से चोरी में इस्तेमाल ऑटो बरामद किया है। बरामद किया गया ऑटो की चोरी पूर्व में हो चुकी थी।

नालंदा सड़क हादसे में महिला की मौत, बेटा घायल

निज संवाददाता। नालंदा

नालंदा सड़क हादसे में घायल महिला की इलाज के दौरान मंगलवार को मौत हो गई। मामला बिहार थाना क्षेत्र के नकटपुरा गांव स्थित बिहारशरीफ-बरबीघा स्टेट हाईवे का है। मृतका की पहचान बिहार थाना क्षेत्र के बनौलिया मोहल्ला निवासी स्वर्गीय आजाद की पत्नी शबनम(37) के रूप में की गई है। घटना सोमवार के दिन हुई थी। सड़क हादसे में महिला के बेटे की स्थिति नाजुक बनी हुई है। घटना के संबंध में मृतका के परिजन ने बताया कि शबनम कुमारी अपनी बहन के यहां से मिलकर घर लौट रही थी। सड़क पार करने के दौरान नकटपुरा गांव के पास अज्ञात वाहन ने कुचल दिया। इससे मां बेटे गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें स्थानीय लोगों की मदद से इलाज के लिए बिहारशरीफ सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से बेहतर इलाज के लिए दोनों को हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई। जबकि शबनम का बेटा अरमान अब भी इलाजरत है। महिला के पति की मौत कोरोना काल में ही हो चुकी है। वह मंगलवार को रोजी-रोटी कमाने के लिए दिल्ली जाने वाली थी। यही वजह है कि वह अपने बेटे के साथ रिश्तेदार से मिलने गई थी। सड़क पार करने के दौरान मां-बेटे जख्मी हो गया। वहीं इस मामले में बिहार थाना अध्यक्ष रामाशंकर सिंह ने बताया कि मौत की पुष्टि के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम करा कर परिजनों को सौंप दिया है।

गया में ड्रग्स डिपार्टमेंट और ब्रांड प्रोटेक्शन की रेड

ब्रांडेड कंपनियों के नकली प्रोडक्ट बरामद, दवा एजेंसियों के खिलाफ दिया गया आवेदन

निज संवाददाता। गया

गया शहर के फतेह बहादुर शिवाला रोड में बड़े स्तर पर बिजनेस कर रही बड़ी-बड़ी दवा एजेंसियां भी बेख़ौफ़ होकर लोगों की जान से खिलवाड़ कर मोटी कमाई कर रहे हैं। वो धड़ल्ले से नकली दवा बेच रही हैं। इस बात का खुलासा सोमवार को ड्रग्स डिपार्टमेंट के अधिकारियों और ब्रांड प्रोटेक्शन कंपनी की रेड में हुआ है। रेड के दौरान बड़े स्तर पर देश की नामचीन दवा कंपनियों के नकली प्रोडक्ट बरामद किए गए। ब्रांड प्रोटेक्शन कंपनी ने बरामद की गई नकली दवाइयां ड्रग्स डिपार्टमेंट को सुपुर्द कर दी है। साथ ही दवा एजेंसियों के खिलाफ आवेदन भी दिया है।

भारी मात्रा में नकली दवा बरामदः शहर के फतेह बहादुर शिवाला रोड स्थित शहर की बड़ी दवा मंडी में नकली प्रोडक्ट के कारोबार के रोकथाम के लिए सक्रिय ब्रांड प्रोटेक्शन प्राइवेट लिमिटेड पटना की कंपनी ने मयंक फार्मा, न्यु सुरभि एजेंसी फार्मा, एमपुल फार्मा हाउस में छापामारी की। इस दौरान एलकेएम, सिपला हिमालया कम्पनी की दवाइयां पैन - 40 टेबलेट कैमोरल फोर्ट, डिटॉल, एंटीसेप्टिक, लीव - 52, कीटों सीप शैम्पू और टेल्मा- 40Mg और अन्य भारी मात्रा में नकली दवा बरामद की। ब्रांड प्रोटेक्शन कंपनी के एमडी सैयद मुस्तफा हुसैन ने बताया कि पहले से सूचना मिल रही थी कि गया के दवा मंडी के कुछ दवा एजेंसी में नकली दवा का कारोबार तेजी से फल फूल रहा है। इस सूचना के आधार पर असिस्टेंट ड्रग इंस्पेक्टर विजय कुमार के सहयोग से छापामारी कर भारी मात्रा में नकली दवा बरामद की गई है। छापामारी में ब्रांड प्रोटेक्शन कंपनी के अधिकारी अंजनी कुमार, सादुल्लाह, मजाज अहमद ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने बताया दवा कि सैंपल इकट्ठा कर दवा एजेंसी के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

लूट की ऑटो और मोबाइल के साथ 2 अभियुक्त गिरफ्तार, भाड़े पर ऑटो बुक कर ले जा रहे थे अभियुक्त

निज संवाददाता। नालंदा

♦ 2 नाबालिग की तलाश में पुलिस

नालंदा की एकंगरसराय पुलिस ने दो सड़क लुटेरों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार अभियुक्त हिलसा थाना क्षेत्र के पकड़िया बीघा गांव निवासी जयप्रसाद का बेटा राहुल कुमार और रोशन कुमार है। दोनों आपस में सहोदर भाई है। हिलसा डीएसपी 2 इस्लामपुर गोपाल कृष्ण ने बताया कि 23 जून की रात 8 बजे एकंगरसराय थाना क्षेत्र के जहानाबाद रोड निवासी राहुल कुमार द्वारा अज्ञात अपराध कर्मियों पर सीएनजी ऑटो, मोबाइल और नगद लूटने का आरोप लगाकर एकंगरसराय थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। इसमें वादी द्वारा बताया गया था कि 2 अज्ञात अपराध कर्मियों द्वारा औंगारी जाने के लिए साढे 400 रुपए में ऑटो एकंगरसराय से बुक किया गया था। जब वह दोनों सवारियों को लेकर औंगारी जा रहा था। तभी औंगारी के महाराजगंज पुल के पास एक और अज्ञात अपराधकर्मी ऑटो पर धुरगांव जाने के लिए सवार हो गया। इसकी एवज में 50 रुपए देने की बात कही गई। धुरगांव जाने के क्रम में अतरामचक मोड़ के पास तीनों अपराधकर्मियों द्वारा ऑटो चालक के साथ मारपीट कर घायल कर दिया। मोबाइल रुपए और CNG लूट कर भड़रापोखर की ओर भाग निकले। कांड दर्ज कर पुलिस मामले की तहकीकात में जुट गई। इसके बाद तकनीकी, वैज्ञानिक और मानवीय अनुसंधान के आधार पर मास्टरमाइंड रोशन कुमार और राहुल कुमार को हिलसा थाना क्षेत्र से पकड़ लिया गया। कांड का सफल खुलासा किया गया। इस कांड में दो नाबालिग की भी संलिप्तता पाई गई है। कांड में प्रयुक्त मोटरसाइकिल और लूटे गए वादी का आधार कार्ड ड्राइविंग लाइसेंस मोबाइल को जब्त किया गया है। इस कांड में पकड़ा गया अभियुक्त रोशन कुमार के खिलाफ हिलसा थाना और अन्य थानों में कई संगीन मामले दर्ज है। छापेमारी टीम में एकंगरसराय इंस्पेक्टर श्रीकांत कुमार, इस्लामपुर इंस्पेक्टर सम्राट दीपक, एकंगरसराय थाना अध्यक्ष अखिलेश कुमार झा, अनुसंधान करता प्रभाकर कुमार झा, दारोगा ओम प्रकाश सिंह, प्रशिक्षु दारोगा कंचन कुमारी, चंदा कुमारी, सोनित तिवारी और सशस्त्र पुलिस बल शामिल रही।

जुलूस को ले 10 तक पूरा करें लाइसेंस की प्रक्रिया

निज संवाददाता। गया

गया कर्बला परिसर में सोमवार को मुहर्रम को लेकर वॉलेंटियर ऑफ कर्बला एवं लाइसेंसधारियों की बैठक हुई। अध्यक्षता सदर एसडीओ किसलय श्रीवास्तव एवं कर्बला के खादिम सैयद शाह शब्बीर आलम कादरी ने संयुक्त रूप से किया। सर्वप्रथम एसडीओ किसलय श्रीवास्तव ने कहा कि आपसी भाईचारे, शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण के साथ इस पर्व को मनाएं, साथ ही सुरक्षा में प्रशासन का सहयोग करें। उन्होंने कहा कि पर्व को लेकर सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था होगी। आप सभी 10 जुलाई तक लाइसेंस की प्रक्रिया को पूरा कर लें। लाइसेंस के लिए कम से कम आठ से 10 सदस्य के नाम, पता, मोबाइल नंबर सहित सभी कागजात थाना में जमा कर दें। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी कैमरे से जुलूस की निगरानी होगी।

असामाजिक तत्व व हुड़दंग मचाने वालों पर पुलिस की पैनी नजर रहेंगी। उन्होंने अफवाह फैलाने वाले लोगों से बचने और किसी प्रकार का परेशानी होने पर प्रशासन को सूचित करने की बात कहीं। जुलूस में डीजे बजाना पूरी तरह से प्रतिबंध एसडीओ ने कहा कि जुलूस में डीजे बजाना पूरी तरह प्रतिबंध है। उल्लघंन करने वालों पर कार्रवाई होगी। टाउन एएसपी पीएन साहू ने कहा कि असामाजिक तत्व और हुड़दंग मचाने वाले लोगों पर 107 के तहत कार्रवाई की जा रही है।

ट्रक ने सड़क पार कर रही महिला को कुचला,1 की मौत 2 घायल

निज संवाददाता। नालंदा

नालंदा में मंगलवार की सुबह सड़क हादसे में एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। वहीं, बाइक सवार 2 व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। मामला बिन्द थाना क्षेत्र अंतर्गत कुंभारी पुल के पास की है। मृतका की पहचान बिन्द थाना क्षेत्र के बिन्द निवासी स्वर्गीय दामोदर पासवान की पत्नी पार्वती देवी(62) के रूप में की गई है। जबकि घायलों की पहचान बिन्द निवासी सुधीर मांझी और फूलों मांझी के रूप में की गई है। घटना के संबंध में मृतका के परिजन ने बताया कि पार्वती देवी सड़क पार कर रही थी। इसी बीच तेज रफ्तार ट्रक जो रहुई की तरफ से सरमेरा की ओर जा रही थी। उसने कुचल दिया। वहीं, भागने के क्रम में मोटरसाइकिल सवार को भी टक्कर मारते हुए ट्रक चालक गाड़ी समेत मौके से फरार हो गया। इस हादसे में महिला की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि बाइक सवार दोनों व्यक्ति को इलाज के लिए बिन्द प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में स्थानीय लोगों की मदद से भर्ती कराया गया। जहां से बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। महिला खेत में काम को लेकर सड़क के दूसरी ओर जा रही थी। जबकि बाइक सवार बिहारशरीफ कोर्ट किसी काम से आ रहा था। वहीं, इस घटना की जानकारी जैसे ही महिला के घर वालों को मिली परिजनों की चीख पुकार मच गई। परिवार वालों की चित्कार से गांव का माहौल गमगीन हो गया। इस हादसे के बाद थोड़े समय के लिए आवाजाही पूरी तरह से बाधित हो गया। वहीं, इस मामले में बिन्द थाना अध्यक्ष रोशन कुमार ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए बिहारशरीफ सदर अस्पताल भेज दिया गया है। अज्ञात वाहन की पहचान में पुलिस जुट गई है। आवेदन मिलने पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी।

मंत्री ने पौधरोपण कर वन महोत्सव की शुरुआत की, प्रेम कुमार ने कहा- 17 फीसदी वन क्षेत्र करने का लक्ष्य

निज संवाददाता। नालंदा

पहाड़ों पर ड्रोन-हेलीकॉप्टर से बीजों का छिड़काव

बिहार सरकार के वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री प्रेम कुमार सोमवार को नालंदा के जिला मुख्यालय बिहार शरीफ पहुंचे। जहां उन्होंने पौधरोपण कर 75वें वन महोत्सव की शुरुआत की। साथ ही साथ उन्होंने नालंदा जिला अंतर्गत तीन पैक्सों में 25,00 मीट्रिक टन भंडार क्षमता के गोदाम का भी शिलान्यास किया। मंत्री प्रेम कुमार ने कहा कि बिहार में हम लोग 4 करोड़ 28 लाख पौधे लगाने जा रहे हैं। जब बिहार दो हिस्सों में बंट गया था। तब बिहार में मात्र 7 फीसदी ही वन क्षेत्र था। 2005 में जब हम लोगों की सरकार आई तो 7 फीसदी से वन क्षेत्र को आज बढ़ा कर 15 फीसदी तक कर दिया गया है। 17 फीसदी का लक्ष्य हमलोगों ने रखा है। जंगल के अंदर, जंगल के बाहर, नेशनल हाईवे, स्टेट हाईवे, सड़को के किनारे हम लोग पौधे लगा रहे हैं। उत्तरी बिहार में जो पहाड़ बिन पेड़ों के हैं। उन पहाड़ों पर भी बीजों के छिड़काव के माध्यम से वन क्षेत्र को बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। ड्रोन और हेलीकॉप्टर के माध्यम से यह कार्य किया जा रहा है। आज जलवायु परिवर्तन के कारण पूरी दुनिया पर्यावरण संकट से जूझ रही है। प्रधानमंत्री जी का भी नारा है एक पेड़ मां के नाम, वहीं मुख्यमंत्री जी ने जल जीवन हरियाली पर जोर दिया है।

लालू यादव हवा हवाई बातें करते हैंः राजद सुप्रीमो लालू यादव के बयान पर मंत्री प्रेम कुमार ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि लालू यादव हवा हवाई बातें करते रहते हैं। उनकी बातों में कोई दम नहीं है। 18वीं लोकसभा का जो गठन हुआ है। एनडीए की सरकार जो बनी है। यह सरकार अपनी कार्यकाल पूरी करेगी। 23 तारीख को बजट भी आने जा रहा है। जिसमें देश के विकास के लिए कई योजनाएं लाई जाएगी और यह सरकार चलेगी। और यह जो सपना देख रहे हैं। वह कभी पूरा होने वाला नहीं है। देश की जनता नरेंद्र मोदी के साथ खड़ी है। इस मौके पर भाजपा, जदयू के जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता मौजूद रहें।

अंग्रेजों का बनाया पुल टूटने से दो दशक से आवागमन बाधित, बिजली के खंभे के सहारे पार कर रहे लोग

निज संवाददाता

दिनारा (रोहतास)। प्रखंड क्षेत्र के भानपुर साइफन में रेहीं गांव के पास अंग्रेजों का बनाया पुल 20 वर्ष पहले टूट जाने से आसपास के लोगों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही किसानों को दूसरी तरफ खेती करने में भी काफी फजीहत झेलनी पड़ रही है। वहीं बड़का लाट, ढालोचक गांव के बच्चों को टूटे पुल पर रखे बिजली के खंभे के सहारे साइफन पार कर पढ़ने के लिए विद्यालय जाना पड़ता है, जिससे हर समय खतरा बना रहता है। बड़े बुजुर्ग एवं महिलाओं को भी प्रखंड मुख्यालय तक आने के लिए इस बिजली के खंभे का सहारा लेकर साइफन पार करना पड़ता है। बरसात के दिनों में जब साइफन में पानी भर जाता है, तो स्थिति और भयावह हो जाती है। अभिभावक अपने छोटे बच्चों को साइफन में गिरने के भय से स्कूल भेजना बंद कर देते हैं। वहीं बड़े बच्चे, महिला एवं वृद्धजन किसी तरह जान जोखिम में डाल बिजली के खंभे पर चढ़ साइफन पार करने को मजबूर होते हैं। रेही, बड़का लाट, सखुआ, जिगना, रामपुर, बराढ़ी कला, मठिया आदि गांव के किसानों की दो से तीन सौ एकड़ खेती नहर की दूसरी तरफ होने के कारण खेतों तक ट्रैक्टर, हार्वेस्टर ले जाने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। खेत में फसल कटने पर बोझ लाना या धान, गेहूं हार्वेस्टिंग के बाद घर या बाजार तक ले जाना अत्यंत कठिन हो जाता है, क्योंकि अनाज का बोरा या फसल का बोझा लेकर बिजली के खंभे पर पार करना अत्यंत जोखिम भरा कार्य है और कभी भी अप्रिय घटना घटित हो सकती है। स्थानीय लोगों ने बताया कि वर्षों से जनप्रतिनिधियों से यहां पुल के निर्माण के लिए मांग की जा रही है, लेकिन अभी तक कोई सुनवाई नहीं हुई। इस क्षेत्र के आधा दर्जन से अधिक गांव की खेती की सुविधा को देखते हुए ब्रिटीश सरकार के समय में साइफन के साथ पुल का निर्माण किया गया था, लेकिन 20 वर्ष पूर्व यह पुल कटाव के कारण टूट गया। जिसके चलते इस क्षेत्र के किसानों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सत्यनारायण सिंह, किसान, रेहीं बरसात के दिनों में साइफन में जब पानी भर जाता है, उस स्थिति में बिजली के खंभे पर साइफन पार कर उस पार खेती के लिए जाना अत्यंत भयावह होता है। फिर भी हम लोग जान-जोखिम में डालकर मजबूरन खेती के लिए जाते रहते हैं। केदार सिंह, किसान, रेहीं साइफन पुल के निर्माण को लेकर स्थानीय लोगों ने सांसद, विधायक तथा अन्य नेताओं से अनेक बार मांग की, लेकिन यहां के लोगों की इस समस्या की ओर आजतक किसी ने ध्यान नहीं दिया।

बिजली चोरी की शिकायत पर छापामारी करने पहुंची थी टीम ग्रामीणों ने बनाया बंधक

- अभद्र व्यव्हार को लेकर दिया गया आवेदन
- पुलिस की टीम ने अधिकारियों को कराया मुक्त
- छापामारी टीम में महिलाएं भी थीं शामिल

निजसंवाददाता

सासाराम(रोहतास)। सासाराम मुफस्सिल थाना के दुर्गापुर गांव में मंगलवार को छापामारी करने गई बिजली विभाग की टीम को ग्रामीणों ने बंधक बना लेने का मामला प्रकाश में आया है। जानकारी के अनुसार, स्थानीय बिजली विभाग के अभियंताओं के साथ पटना से आई बिजली विभाग की टीम गांव में बिजली चोरी के खिलाफ छापामारी करने गई थी। छापामारी टीम में महिला अधिकारी भी शामिल थी। इसी क्रम में ग्रामीणों ने बिजली विभाग की टीम को बंधक बना लिया। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने अधिकारियों को ग्रामीणों के कब्जे से मुक्त करा दिया। पुलिस टीम ने अपने संरक्षण में अधिकारियों की टीम को थाना लेकर आई।

मुफस्सिल थाना के अधिकारियों के अनुसार बिजली विभाग के करवंदिया के कनीय अभियंता विश्वभर केसरी के द्वारा के द्वारा ग्रामीणों के खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने व अभ्रद व्यवहार करने का आरोप लगाते हुए लिखित आवेदन दिया गया है। इसके आधार पर प्राथमिकी दर्ज की जाएंगी।

सुरक्षित मातृत्व के लिए 71 गर्भवती महिलाओं ने कराई जांच

निज संवाददाता

राजपुर(रोहतास)। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व योजना के तहत मंगलवार को पीएससी में क्षेत्र के 71 प्रेग्नेंट महिलाओं ने प्रसव पूर्व जांच कराया। जानकारी देते हुए प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डा सतीश कुमार सिंह ने बताया कि दो बजे तक ओपीडी में कुल 170 पेशेंट का इलाज हुआ,जिसमें 71 प्रेग्नेंट महिलाओं का प्रसव पूर्व स्वास्थ्य जांच हुआ।अस्पताल आई सभी गर्भवती माताओं का डा उदय चौधरी व डा राकेश कुमार के नेतृत्व में ब्लड शुगर लेवल, वजन, हीमोग्लोबिन, ब्लड प्रेशर, गर्भ में पल रहे बच्चे की स्थिति आदी की जांच किया गया। ज्यादतर गर्भवती माताओं का हीमोग्लोबिन व ब्लड प्रेशर की स्थिति कमजोर पाया गया।जांच के उपरांत सभी को उपलब्ध आवशयक दवाइ,विटामिन प्रदान करते हुए सुरक्षित मातृत्व के लिए खान पान व रहन सहन का उचित सलाह प्रदान किया गया। मौके पर पीएचसी मैनेजर संदीप कुमार, एकाउंटेंट बिनोद द्विवेदी,जीएनएम रीमा कुमारी,एएनएम मालती,बाडा, नवीन गौतम, सुरक्षा कर्मी मुन्न पाण्डेय, बिनोद यादव,समेत अन्य मौजूद रहे।

बिहार सरकार

उत्पाद न्यायालय, अनुमण्डल लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी–सह–पीठासीन पदाधिकारी, औरंगाबाद।
(मद्यनिषेध कोर्ट–1)

अतिआवश्यक सूचना

प्रेस विज्ञप्ति

एतद् द्वारा निम्नलिखित वादों में वाहन मालिकों/भूमि मालिकों/संबंधितों को सूचित किया जाता है कि बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद संशोधित अधिनियम, 2018 के अन्तर्गत पुलिस/उत्पाद विभाग द्वारा अवैध शराब के परिवहन के आरोप में आपके वाहन/भूमि/सामग्री को जप्त कर अधिहरण हेतु समर्पित प्रस्ताव के आलोक में अधोहस्ताक्षरी के न्यायालय में अधिहरण वाद संधारित है।

ज्ञातव्य हो कि बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद (संशोधन)नियमावली 2022 के नियम 12(क) के तहत वाहन स्वामी से प्रपत्र IV में आवेदन प्राप्त कर कलक्टर या उनके द्वारा प्राधिकृत पदाधिकारी द्वारा आदेशित शास्ति/वाहन का नवीनतम बिमित मूल्यांकन का 50 प्रतिशत पेनाल्टी के भुगतान पर जप्त वाहनएवं नियम 12(ख) के तहतभू–स्वामी से प्रपत्र V में आवेदन प्राप्त कर कलक्टर या उनके द्वारा प्राधिकृत पदाधिकारी द्वारा आदेशित शास्ति के भुगतान पर जप्त/सील परिसर को छोड़ने का प्रावधान है।

उत्पाद अधिहरण वाद में सुनवाई की तिथि–22.07.2024 को निर्धारित की गयी है।

अधिहरण हेतु वाहन/भूमि की सूची निम्न प्रकार है :–

क्र0 सं0	उत्पाद अधिहरण वाद संख्या	थाना काण्ड सं0/उत्पाद संख्या	वाहन स्वामी/भूमि स्वामी का पूर्ण पता	जप्त वाहन का निबंधन सं0/भूमि का खाता, प्लॉट संख्या	सुनवाई की तिथि
1	वाद सं0– 61/2023	दाउदनगर थाना काण्ड संख्या 126/21	वाहन मालिक धर्मेद्र भगत, पिता–अर्जुन भगत, सा0–भखरूआ मोड़, पो0+थाना–दाउदनगर, जिला–औरंगाबाद।	Reg no- BR26B-3520 Chassis no- MD2DHDJZZPCG52920 Engine no- DJGBPG09428	22.07.2024
2	वाद सं0– 64/2023	दाउदनगर थाना काण्ड संख्या 557/21	वाहन मालिक छोटु कुमार, पिता–महेन्द्र पासवान, सा0–पसवॉ सिपहा, थाना–दाउदनगर, जिला–औरंगाबाद।	Reg no- BR01BD-6158 Chassis no- MAT607161BPH61783 Engine no- 4751DT14GYYP38837	22.07.2024
3	वाद सं0– 66/2023	माली थाना काण्ड संख्या 41/23	वाहन मालिक राजीव कुमार, पिता–केदार सिंह, सा0–मथिया जिरात, थाना–छतौनी, जिला–मोतीहारी	Reg no- BR05P-7638 Chassis no- MAJ1XXMRJ1CE12920 Engine no- CE12920	22.07.2024
4	वाद सं0– 67/2023	दाउदनगर थाना काण्ड संख्या 42/23	भूमि मालिक बड़कू यादव, पिता सिपाही यादव, सा0–अंछा टोला, ठाकुर बिगहा, थाना–दाउदनगर, जिला–औरंगाबाद	मौजा–दाउदनगर/50, खाता नं0–148, प्लॉट नं0–486, रकवा–0.½ डी0	22.07.2024
5	वाद सं0– 68/2023	एन.टी.पी.सी. खैरार थाना काण्ड संख्या 50/23	भूमि मालिक प्रभु रजवार, पिता शिव रजवार, सा0–खदहा, थाना–एन.टी.पी.सी. खैरा, जिला–औरंगाबाद	मौजा–केरका/55, खाता नं0–52, प्लॉट नं0–1513, रकवा–5'X6' कमरा	22.07.2024
6	वाद सं0– 69/2023	ओबरा थाना काण्ड संख्या 77/23	भूमि मालिक लालु कुमार, पिता स्व0 जुगेश सिंह, सा0–जगेया, थाना–ओबरा, जिला–औरंगाबाद	मौजा–जगेया/489, खाता नं0–04, प्लॉट नं0–264, रकवा–0.½ डी0	22.07.2024
7	वाद सं0– 72/2023	एन.टी.पी.सी. खैरार थाना काण्ड संख्या 50/23	भूमि मालिक प्रभु रजवार, पिता शिव रजवार, सा0–खदहा, थाना–एन.टी.पी.सी. खैरा, जिला–औरंगाबाद	मौजा–केरका/55, खाता नं0–52, प्लॉट नं0–1513, रकवा–5'X6' कमरा	22.07.2024
8	वाद सं0– 73/2023	ओबरा थाना काण्ड संख्या 111/23	वाहन मालिक फिजुल, पिता कमरूदीन, सा0– वार्ड नं0 06, भुत बंगला रूद्रपुरम उतराखण्ड	Reg no- UK04CA-4007 Chassis no- MC233HRC0BC051191 Engine no- E483CDBC524389	22.07.2024
9	वाद सं0– 74/2023	दाउदनगर थाना काण्ड संख्या 302/23	वाहन मालिक महेन्द्र सिंह, पिता शिवराज सिंह, सा0–784 गाबरीया बावड़ी, नियर कालिका देवी टेन्ट हाउस, थाना–नन्दपुरा, जिला–कोटा (राजस्थान)	Reg no- RJ16GC-1158 Chassis no- MAT466416B5J14716 Engine no- 11H63176608	22.07.2024
10	वाद सं0– 75/2023	ओबरा थाना काण्ड संख्या 257/23	मालिक लक्ष्मी चौधरी, पिता रामदयाल चौधरी, सा0+थाना–ओबरा, जिला–औरंगाबाद	साईकल	22.07.2024
11	वाद सं0– 76/2023	एन.टी.पी.सी. खैरा थाना काण्ड संख्या 64/22	भूमि मालिक सुनिता कुंवर, पति स्व0 सुदामा चौहान, सा0–खैरा, थाना–एन.टी.पी.सी. खैरा, जिला–औरंगाबाद	मौजा–केरका /55, खाता नं0–126, खेसरा नं0–462, रकवा–10'X10'	22.07.2024
12	वाद सं0– 77/2023	ओबरा थाना काण्ड संख्या 271/22	वाहन मालिक राकेश कुमार, पिता कृष्णनन्दन शर्मा, सा0+थाना–बिक्रम, जिला–पटना	Reg no- BR01GA-6252 Chassis no- MB1KADJC99EZA9199 Engine no- BXH586126	22.07.2024
13	वाद सं0– 78/2023	नरारीकला खुर्द थाना काण्ड संख्या 72/23	वाहन मालिक शशि कुमार शर्मा, पिता रामेश्वर शर्मा, सा0–तोरनी, थाना–करहगर, जिला–कैमुर (भभुआ)	Reg no- BR24X-1641 Chassis no- ME4JC65AEJT081907 Engine no- JC65ET2127837	22.07.2024
14	वाद सं0– 81/2023	ओबरा थाना काण्ड संख्या 272/22	वाहन मालिक याचना अग्रवाल, पिता मयंक अग्रवाल, सा0–शारदा भवन, लाल टंकी चौक रायगढ, थाना–रायगढ, जिला–रायगढ़	Reg no- CG11AX-2912 Chassis no- ------- Engine no- PB3A5537	22.07.2024
15	वाद सं0– 82/2023	ओबरा थाना काण्ड संख्या 339/23	वाहन मालिक विपिन यादव, पिता परन यादव, सा0–पकहा, पो0–करमा भगवान, थाना+जिला–औरंगाबाद	Reg no- BR26V-9608 Chassis no- MD2B68BX6NRB12284 Engine no- DHXRNB96617	22.07.2024
16	वाद सं0– 83/2023	ओबरा थाना काण्ड संख्या 159/23	वाहन मालिक भगवान सिंह, पिता स्व0 ज्ञानी सिंह, सा0–तेजपुरा, थाना–ओबरा, जिला–औरंगाबाद	Reg no- PB10CD-5017 Chassis no- ME4JC366J7803833 Engine no- --------------	22.07.2024
17	वाद सं0– 85/2023	खुदवॉ थाना काण्ड संख्या 70/23	वाहन मालिक मिथिलेश कुमार, पिता मदन सिंह, सा0+पो0–खुदवॉ, थाना–ओबरा, जिला–औरंगाबाद	Reg no- BR01CU-0491 Chassis no- MBLHA10BSGHA35225 Engine no- HA10EUGHA37577	22.07.2024
18	वाद सं0– 86/2023	खुदवॉ थाना काण्ड संख्या 48/23	वाहन मालिक गजेन्द्र कुमार, पिता अरूण कुमार सिंह, सा0–सी0 294 शाहपुर, राज्य–मध्य प्रदेश	Reg no- MP04MH-9624 Chassis no- 07B9C19237 Engine no- 07B08M41865	22.07.2024
19	वाद सं0– 87/2023	ओबरा थाना काण्ड संख्या 177/22	वाहन मालिक जय प्रकाश सिंह, पिता रामवृक्ष सिंह, सा0–बंशी बिगहा, पो0–जयपुर, थाना–हसपुरा, जिला–औरंगाबाद	Reg no- BR26Q-4241 Chassis no- MD2A76AY4JRH33203 Engine no- PFYRJH36684	22.07.2024
20	वाद सं0– 88/2023	खुदवॉ थाना काण्ड संख्या 66/23	वाहन मालिक मिथलेश कुमार सिंह, पिता सुरेन्द्र सिंह, सा0–परिहारा, थाना–खुदवॉ जिला–औरंगाबाद	Reg no- BR01AG-1376 Chassis no- 07EAYC03664 Engine no- 07EASM25860	22.07.2024
21	वाद सं0– 91/2023	ओबरा थाना काण्ड संख्या 93/21	वाहन मालिक संतोष कुमार सिंह, पिता सरयु प्रसाद सिंह, सा0–अमरपुर अनकुपा कुटुम्बा, थाना–हिरापुर, जिला–धनबाद (झारखण्ड)	Reg no- JH10AC-7724 Chassis no- MA1TA2MJNB2L40913 Engine no- MJB4K92000	22.07.2024
22	वाद सं0– 92/2023	ओबरा थाना काण्ड संख्या 267/21	वाहन मालिक कमलेश राम, पिता महेन्द्र राम, सा0–तेतराही टोला अम्बा बिगहा, थाना–हसपुरा, जिला–औरंगाबाद	Reg no- BR1AP-5833 Chassis no- ----------- Engine no- UTF74C58394	22.07.2024
23	वाद सं0– 94/2023	एन.टी.पी.सी. खैरा थाना काण्ड संख्या 21/23	भूमि मालिक राधाकृष्णा जमादार उर्फ राधाकृष्ण चौहान, पिता दिनानाथ जमादार उर्फ दिनानाथ चौहान, सा0–नरायणपुर, थाना–एन.टी.पी.सी. खैरा, जिला–औरंगाबाद	मौजा–केरका /55, खाता नं0–126, खेसरा नं0–494, रकवा–04'X06'	22.07.2024
24	वाद सं0– 95/2023	ओबरा थाना काण्ड संख्या 276/23	वाहन मालिक गुडु कुमार सिंह, पिता स्व0 कन्हाई सिंह, सा0–पाठक बिगहा, थाना–हरिहरगंज, जिला–पलामू (झारखण्ड)	Reg no- JH09H-5613 Chassis no- MA6AB6G767HH638776 Engine no- 3HG64897	22.07.2024
25	वाद सं0– 97/2023	दाउदनगर थाना काण्ड संख्या 501/23	वाहन मालिक का नाम व पता जिला परिवहन कार्यालय औरंगाबाद से मांग की गयी उनके द्वारा रजिस्ट्रेशन Not Font अंकित किया गया	Reg no- JH01L-0874 Chassis no- 04D16CO3267 Engine no- 04D15M02608	22.07.2024
26	वाद सं0–100/2023	दाउदनगर थाना काण्ड संख्या 74/23	भूमि मालिक सिपाही यादव, पिता दीपक यादव, सा0–उचकुन्धा, थाना–दाउदनगर, जिला–औरंगाबाद	मौजा–उचकुन्धा /61, खाता नं0–120, प्लॉट नं0–465, रकवा–0.02	22.07.2024
27	वाद सं0–101/2023	नरारीकला खुर्द थाना काण्ड संख्या 20/23	भूमि मालिक इन्दल पासवान, पिता ब्रहमदेव पासवान, सा0–सोहदा, थाना–नरारीकला खुर्द, जिला–औरंगाबाद	मौजा–सोहदा केशोपुर /202, खाता नं0–133, प्लॉट नं0–961, रकवा–0.0–	22.07.2024
28	वाद सं0–102/2023	खुदवॉ थाना काण्ड संख्या 76/23	भूमि मालिक शिवकुमार चौहान, पिता राधे चौहान, सा0–कलेन, थाना–खुदवॉ, जिला–औरंगाबाद	खाता नं0–239, प्लॉट नं0–2236, रकवा–0.5 डी0	22.07.2024
29	वाद सं0–103/2023	ओबरा थाना काण्ड संख्या 93/23	वाहन मालिक शिवनन्दन रजक, पिता रामखेलावन रजक, सा0–मनोरथा, पो0–नरेन्द्रखाप, थाना–कुटुम्बा, जिला–औरंगाबाद	Reg no- BR26N-1429 Chassis no- MD634CE65H2H39263 Engine no- CEHH2039177	22.07.2024
30	वाद सं0–104/2023	ओबरा थाना काण्ड संख्या 72/23	वाहन मालिक सुजीत कुमार शर्मा, पिता बाबुलाल, सा0– हाउस नं0 307, गली नं0 03, शक्ति नगर थाना–बी गढ़, जिला– हरियाणा	Reg no- HR13C-2969 Chassis no- 07B16F15379 Engine no- 07B15E15568	22.07.2024
31	वाद सं0–105/2023	ओबरा थाना काण्ड संख्या 376/23	वाहन मालिक रवि कुमार, पिता दुखन प्रसाद, सा0+थाना–ओबरा, जिला–औरंगाबाद	Reg no- JH03AB-6251 Chassis no- MD634AE92L2G000599 Engine no- AE9GL2500532	22.07.2024
32	वाद सं0–107/2023	माली थाना काण्ड संख्या 59/23	वाहन मालिक राजु प्रसाद, पिता सोनु राम, सा0–टेढबंगला, थाना–डिहरी, जिला–रोहतास	Reg no- BR24PA-3603 Chassis no- MBX0003BFXG879732 Engine no- R9F2076980	22.07.2024
33	वाद सं0–108/2023	माली थाना काण्ड संख्या 75/23	1 वाहन मालिक सोसल कुमार, पिता विजय पासवान, सा0–मदरपुरा, पो0–दोसमा, थाना–फेसर, जिला–औरंगाबाद 2 दिनेश सिंह, पिता नागदेव सिंह, सा0–गंगहर, पो0–चरण, थाना–माली, जिला–आरंगाबाद	1 Reg no- BR26PA-5789 Chassis no- MBX0003BFXK931720 Engine no- R9J2105905 2. Reg no- BR26M-7856 Chassis no- MD2A76AY5HRM94932 Engine no- PFYRHM33105	22.07.2024
34	वाद सं0–110/2023	माली थाना काण्ड संख्या 102/23	वाहन मालिक प्रमोद कुमार सिन्हा, पिता हिरा लाल भूषण, सा0–कम्हरपट्टी प्रभात नगर, थाना+जिला–धनबाद (झारखण्ड)	Reg no- JH10J-8582 Chassis no- MD2DSDXZZMAL65225 Engine no- DXEBML66994	22.07.2024
35	वाद सं0–111/2023	दाउदनगर थाना काण्ड संख्या 97/23	भूमि मालिक ओमपाल कुमार, पिता मनोज सिंह, सा0–हिच्छन बिगहा, थाना–दाउदनगर, जिला–औरंगाबाद	मौजा–शमशेर नगर, खाता नं0–02, प्लॉट नं0–1447, रकवा–0.36 डी0	22.07.2024
36	वाद सं0–112/2023	एन.टी.पी.सी. खैरा थाना काण्ड संख्या 78/23	भूमि मालिक छोटू कुमार चौधरी, पिता अवधेश चौधरी, सा0–मंगावार, थाना–एन.टी.पी.सी. खैरा जिला–औरंगाबाद	मौजा– मंगावार/58, खाता नं0–15, प्लॉट नं0–29, रकवा–5'X6'झोपड़ी	22.07.2024
37	वाद सं0–113/2023	ओबरा थाना काण्ड संख्या 118/21	भूमि मालिक सुधीर सिंह, पिता भूनेश्वर सिंह, सा0–गोड़तार, थाना–ओबरा, जिला–औरंगाबाद	मौजा– गोड़तार/339, खाता नं0–13, प्लॉट नं0–575, रकवा–0.06डी0	22.07.2024
38	वाद सं0–114/2023	एन.टी.पी.सी. खैरा थाना काण्ड संख्या 87/23	वाहन मालिक नरेश शर्मा, पिता दिवाकर शर्मा, RZ-223,RZ-BLK, VILLAGE/TOWN/CITY-RAVINAGAR EXTN, PS-DELHI, STATE -DELHI-110018	Reg no- DL12CA-0125 Chassis no- MA1TA2HAN92F42127 Engine no- HA94F19946	22.07.2024
39	वाद सं0–31/2023	दाउदनगर थाना काण्ड संख्या 447/21	वाहन मालिक एम0डी0 सलीम, पिता एम0डी0 अनीश, सा0–कलेर, पो0+थाना–कलेर, जिला–अरवल	Reg no- BR26D-0516 Chassis no- MD2A14AZ8ERD61014 Engine no- JBZRED31627	22.07.2024
40	वाद सं0–08/2024	दाउदनगर थाना काण्ड संख्या 02/22	भूमि मालिक अखिलेश कुमार, पिता नरेश चौधरी, सा0–अफीम कोठी, थाना–दाउदनगर जिला–औरंगाबाद	मौजा– दाउदनगर/50, खाता नं0–595, प्लॉट नं0–1138, रकवा–1.5डी0	22.07.2024
41	वाद सं0–11/2024	ओबरा थाना काण्ड संख्या 373/23	वाहन मालिक गुलाम सरवर, पिता हसीम कुरैसी, सा0–दुरूखी, थाना–खजकला, जिला–पटना	Reg no- BRO1PE-2726 Chassis no- MBX0000ZFRD689 Engine no- 2314924	22.07.2024
42	वाद सं0–12/2024	ओबरा थाना काण्ड संख्या 373/23	वाहन मालिक का नाम एंव पता जिला परिवहन कार्यालय औरंगाबाद से मांग की गयी उनके पत्रांक–958, दिनांक 25.06.2024 के द्वारा प्रतिवेदित किया गया है कि नाम एवं पता से संबंधित सॉफटवेयर में कोई डाटा नही पाया गया।	Reg no- BR1AA-6309 Chassis no- MDHA10EEAHA17238 Engine no- HA10EAAHA069	22.07.2024
43	वाद सं0–13/2024	दाउदनगर थाना काण्ड संख्या 324/23	भूमि मालिक अनिल चौधरी, पिता स्व0 सिघासन चौधरी, सा0–विषुन बिगहा, थाना–दाउदनगर जिला–औरंगाबाद	मौजा– संसा, खाता नं0–621, प्लॉट नं0–981, रकवा–0.04डी0	22.07.2024
44	वाद सं0–14/2024	दाउदनगर थाना काण्ड संख्या 241/23	भूमि मालिक छोटू कुमार, पिता ईश्वर राम, सा0–पचकठवा, थाना–दाउदनगर जिला–औरंगाबाद	खाता नं0–49, प्लॉट नं0–1076, 1087, रकवा–0.5डी0	22.07.2024
45	वाद सं0–15/2024	एन.टी.पी.सी. खैरा थाना काण्ड संख्या 111/23	वाहन मालिक विजय चौहान, पिता राजकुमार चौहान, सा0–महुअरी, थाना–नवीनगर, जिला–औरंगाबाद	Reg no- BR26M-4342 Chassis no- MD2A15BY9HRB64157 Engine no- JZYRHB14134	22.07.2024
46	वाद सं0–17/2024	माली थाना काण्ड संख्या 99/23	वाहन मालिक चन्दन चौधरी, पिता स्व0 नारायण चौधरी, ग्राम–बसन्तपुर, पो0–करवन्दीया, थाना–सासाराम, जिला–सासाराम	Reg no- BR24R-9314 Chassis no- MBLHA10BSFHG29517 Engine no- HA10EVFHG31553	22.07.2024
47	वाद सं0–19/2024	दाउदनगर थाना काण्ड संख्या 450/22	भूमि मालिक सम्पत चौधरी, पिता स्व0 जवाहर चौधरी, सा0–तरार, थाना–दाउदनगर, जिला–औरंगाबाद	खाता नं0–137, प्लॉट नं0–3030, रकवा–13 डी0	22.07.2024
48	वाद सं0–20/2024	ओबरा थाना काण्ड संख्या 390/22	भूमि मालिक सुरेश सिंह, पिता स्व0 श्यामनारायण सिंह, सा0–अतरौली टोला लोकन बिगहा, थाना–ओबरा जिला–औरंगाबाद	मौजा– सदीपुर/325, खाता नं0–28, प्लॉट नं0–1001, रकवा–0.32 डी0	22.07.2024
49	वाद सं0–21/2024	दाउदनगर थाना काण्ड संख्या 333/23	भूमि मालिक सुशीला देवी, पति जयप्रकाश सिंह, सा0–मायापुर, थाना–दाउदनगर, जिला–औरंगाबाद	खाता नं0–04, प्लॉट नं0–383,	22.07.2024
50	वाद सं0–23/2024	दाउदनगर थाना काण्ड संख्या 473/20	भूमि मालिक 1 मन्टु चौरसीया, पिता स्व0 पनालाल चौरसिया, 2 सुनैना देवी, पति मन्टु चौरसीया, सा0–मुंशी मोहल्ला वार्डन–03, थाना–दाउदनगर, जिला–औरंगाबाद	खाता नं0–595, प्लॉट नं0–980, रकवा–0.02 डी0	22.07.2024
51	वाद सं0–26/2024	एन.टी.पी.सी. खैरा थाना काण्ड संख्या 77/23	भूमि मालिक छोटु कुमार चौधरी, पिता अवधेश चौधरी, सा0–मंगावार, थाना–एन.टी.पी.सी. खैरा जिला–औरंगाबाद	मौजा– मंगावार/58, खाता नं0–15, प्लॉट नं0–29, रकवा–4'X6'कमरा	22.07.2024
52	वाद सं0–27/2024	ओबरा थाना काण्ड संख्या 169/20	वाहन मालिक अजेन्द्र कुमार, पिता स्व0 राम भरत सिंह, ग्राम–रोहाई, पो0–बारा, थाना–करपी, जिला–अरवल	Reg no- BR56-1751 Chassis no- MD2DHDHZZCD96015 Engine no- DHGBSD90388	22.07.2024

अतः आप अथवा वाद से संबंधित कोई अन्य व्यक्ति, जिनका कोई हित निहित हो उपर्युक्त निर्धारित तिथि को न्यायालय में स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से अपना पक्ष प्रस्तुत करना सुनिश्चित करेंगे अथवा आपके उपस्थित नहीं होने पर एक पक्षीय सुनवाई कर नियमानुसार वाद का निष्पादन कर दिया जाएगा।

For further details please visit website **state.bihar.gov.in/prdbihar**

अनुमण्डल लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी–सह–पीठासीन पदाधिकारी, उत्पाद न्यायालय नं0–1, औरंगाबाद।

PR- 003571 (EXCISE) 2024-25

नशे की मार, बर्बाद करे सुखी परिवार।

भोजपुर सड़क हादसे में साइकिल सवार की मौत

घर से काम पर जा रहे थे, बेलगाम स्कार्पियों ने रौंदा, मौके पर हुई मौत

निज संवाददाता। आरा

बिहिया-बिहटा स्टेट हाईवे पर जिले के पीरो थाना क्षेत्र के मनैनी छलका के समीप मंगलवार की सुबह का अनियंत्रित स्कॉर्पियो साइकिल सवार एक मजदूर को रौंद दिया। हादसे में उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी मच गई। वही घटना के बाद चालक स्कॉर्पियो लेकर मौके से फरार हो गया। जानकारी के अनुसार मृतक पीरो थाना क्षेत्र के मनैनी गांव निवासी स्व.राम किशुन राम के 50 वर्षीय पुत्र विक्रमा पासवान है। वह पेशे से मजदूर थे एवं राजमिस्त्री में मजदूरी करते थे। इधर मृतक के बेटे इंद्रजीत पासवान ने बताया

कि मंगलवार की सुबह साइकिल से उनके बेटे को स्कूल पहुंचाने के लिए गए थे। स्कूल पहुंचाने के बाद जब वह वापस गांव लौट रहे थे। लौटने के क्रम में जैसे ही वह मनैनी छलका के समीप पहुंचे। तभी पीछे से आ रही अनियंत्रित स्कॉर्पियो उन्हें रौंद दिया। जिससे उनकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई। इसके बाद में मौजूद लोगों द्वारा इसकी सूचना परिजनों को मिली। सूचना पाकर परिजन घटनास्थल पर पहुंचे। इसके पश्चात उन्होंने इसकी सूचना स्थानीय को दी। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंच शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया। बताया जाता है कि मृतक के परिवार में पत्नी फूलझारो देवी व एक पुत्र इंद्रजीत पासवान एवं एक पुत्री रिंकू देवी है। घटना के बाद मृतक के घर में कोहराम मच गया है। इस घटना के बाद मृतक की पत्नी फूलझारो देवी एवं परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

करंट की चपेट में आने से उप सरपंच की मौत

निज संवाददाता। आरा

खेत में जाने के दौरान पैर फिसला, पोल में लगा लोहे के सपोर्टर पकड़ने के दौरान हुआ हादसा

भोजपुर के अगिआंव बाजार थाना क्षेत्र के अहमेता गांव में सोमवार की देर शाम करंट की चपेट में आने से उप सरपंच की मौत हो गई। घटना को लेकर लोगों के बीच काफी देर तक अफरा-तफरी मची रही। जानकारी के अनुसार मृतक अगिआंव बाजार थाना क्षेत्र के अहमेता गांव वार्ड नंबर 7 निवासी राम गणेश राम का बेटा सह अमेहता पंचायत के उप सरपंच संतोष कुमार(41) है। वह पेशे से किसान थे। इधर, मृतक उप सरपंच के पड़ोसी मुन्ना राम ने बताया कि वह अपना खेत देखने के लिए जा रहे थे। पानी होने के कारण रास्ते में कीचड़ था। जब वह खेत में उत्तर रहे थे। तभी उनका पैर फिसल गया। उसी दौरान वहां पर बिजली के पोल के सपोर्ट के लिए लगे लोहे के तार को पकड़ लिया। इससे वह करंट की चपेट में आ गए। इससे उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। इसके बाद वह मौजूद लोगों ने जब उन्हें गिरा पड़ा देखा तो फौरन वहां पहुंचे तो उन्होंने देखा कि उनकी मौत हो चुकी है। इसके बाद उन्होंने इसकी सूचना उनके परिजनों एवं स्थानीय थाना को दी। सूचना पाकर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमॉर्टम सदस्य अस्पताल में करवाया। बताया जाता है कि मृतक अपने 3 भाई और एक बहन में बड़े थे। उनके परिवार में पत्नी ललिता देवी, तीन बेटी प्रियांशु, अंशु खुशबू और 2 बेटे अमित और अंकित है। घटना के बाद मृतक के घर में हाहाकार मच गया है। घटी इस घटना के बाद मृतक की पत्नी ललिता देवी और परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

संक्षिप्त समाचार

नौ से होगी बीबीए, बायोटेक एंड आईएफएफ की परीक्षा

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय ने बीबीए, बायोटेक एंड आईएफएफ की परीक्षा 9 से 13 जुलाई तक होगी। इस परीक्षा के लिए भी भोजपुर, बक्सर, रोहतास एवं कैमूर जिले में एक-एक केंद्र बनाए गए हैं। परीक्षा नियंत्रण डॉक्टर अनवर इमाम ने बताया कि भोजपुर जिले के सभी कॉलेजों की परीक्षा जगजीवन कॉलेज, बक्सर जिले के सभी कॉलेजों की परीक्षा एलबीटी कॉलेज बक्सर, कैमूर जिले के सभी कॉलेजों की परीक्षा एसएसएस महिला कॉलेज भभुआ और रोहतास जिले के सभी कॉलेजों की परीक्षा रोहतास महिला कॉलेज सासाराम में होगा। यह परीक्षा एक पाली में सुबह 10 बजे से दोपहर एक बजे तक होगा। राजभवन सचिवालय की तरफ से लंबित परीक्षाओं को कराने का काफी दबाव है। विश्वविद्यालय निर्धारित परीक्षा कैलेंडर के अनुसार सभी लंबित परीक्षाओं का संचालन करने में जुट गया है।

आज से स्नातक ओल्ड कोर्स की परीक्षा, बने चार केंद्र

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय ने स्नातक पार्ट वन-2024 ओल्ड कोर्स की परीक्षा 9 से 22 जुलाई तक होगी। परीक्षा के लिए भोजपुर, बक्सर, रोहतास एवं कैमूर जिले में एक-एक केंद्र बनाए गए हैं। भोजपुर जिले के सभी कॉलेजों की परीक्षा एचडी जैन कॉलेज में होगा। बक्सर जिले के सभी कॉलेजों की परीक्षा एमवी कॉलेज बक्सर, रोहतास जिले के सभी कॉलेजों की परीक्षा एसपी जैन कॉलेज सासाराम और कैमूर जिले के सभी कॉलेजों की परीक्षा एसभीपी कॉलेज भभुआ में होगा। परीक्षा नियंत्रण डॉक्टर अनवर इमाम ने बताया कि यह परीक्षा दो पाली में संचालित की गई है। प्रथम पाली की परीक्षा सुबह 10 से दोपहर एक बजे तक होगी। दूसरी पाली की परीक्षा दोपहर दो से शाम पांच बजे तक होगी। उन्होंने बताया कि ऑनर्स विषय की परीक्षा नौ एवं 10 जुलाई तक होगी जबकि जनरल एवं सहायक विषय की परीक्षा 11 से 22 जुलाई तक होगी।

लोगों ने खुद की पहलः समाजसेवियों ने ब्रह्मपुर नैनीजोर सड़क की मरम्मत की

ब्रह्मपुर। ब्रह्मपुर नैनीजोर मुख्य सड़क पर बारिश से जगह-जगह बने जानलेवा गड्ढ से यातायात प्रभावित होते देख बस संचालकों और क्षेत्रीय समाज सेवियों ने सड़क की मरम्मत की। जेसीबी से ईंट पत्थर मिट्टी से गड्ढों को भरकर आवागमन बहाल किया गया। बताते चलें कि पिछले दिनों भारी बारिश होने से पेट्रोल पंप के पास ब्रह्मपुर नैनीजोर मुख्य सड़क का कुछ हिस्सा पानी के तेज बहाव में बहकर गया था। जिसके कारण बड़े वाहनों से लेकर साइकिल तक चलना मुश्किल हो गया था। जिसकी खबर प्रकाशित होने के बाद भी प्रशासन ने सड़क पर बनी जानलेवा गड्ढ की मरम्मत के लिए कोई पहल नहीं की। ओझा बस के संचालक निमेज निवासी उपेंद्र कुमार ओझा, पाण्डेय बस के संचालक अजय कुमार पाण्डेय धर्मागतपुर हमारा पेट्रोल के मालिक झूना पांडेय सहित अन्य लोगों के जागरुकता एवं तत्परता से उक्त सड़क की मरम्मत कर आवागमन बहाल कर दिया गया है।

10 दिन बाद भी मृतक की नहीं हुई पहचान

बक्सर। शहर के शांतिनगर मोहल्ला स्थित रेलवे इलेक्ट्रिक हाउस के समीप 29 जून को मिले युवक के शव की पहचान अबतक नहीं हुई है। पुलिस मृतक के पहचान को लेकर प्रयास कर रही है। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के बाद शव का दाह-संस्कार सरकारी नियमों के मुताबिक कर दिया। पुलिस ने मृतक का बेसरा और कपड़ा पहचान के लिए सुरक्षित रखा है। 29 जून की दोपहर पुलिस को सूचना मिली कि शांतिनगर में रेलवे इलेक्ट्रिक हाउस के समीप एक शव पड़ा हुआ है। पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने शव अपने कब्जे में कर पोस्टमॉर्टम कराया। मृतक की उम्र लगभग 42 वर्ष के आसपास बताई जा रही थी। पुलिस के मुताबिक मृतक सफेद लुंगी और गुलाबी टी-शर्ट पहने हुआ था। शव दो से तीन दिन पुराना लग रहा था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के बाद दाह-संस्कार कर दिया। पुलिस को अनुमान था कि मृतक नशा करता होगा। वहीं आसपास के लोगों को अंदेशा था कि किसी ने हत्या कर शव फेंक दिया है। पुलिस सभी विंदूओं पर जांच करने का दावा कर रही थी। पुलिस शव के पहचान को लेकर आसपास के गांव के साथ आसपास के थाना क्षेत्र में भी सूचित किया गया था।

कृषि यांत्रिकीकरण मेले में मिलेगा यंत्र

बक्सर। दो दिवसीय कृषि यांत्रिकीकरण मेला का शुभारंभ मंगलवार को बाजार समिति रोड स्थित संयुक्त कृषि भवन के परिसर में होगा। इसमें विभिन्न कृषि यंत्रों के लिए अलग-अलग स्टॉल लगाएं जाएंगे। मेला में आने वाले किसानों को स्टॉलों पर मौजूद विशेषज्ञ कृषि यंत्रों के उपयोग, रख-रखाव और उसके महत्वों के बारे में जानकारी देंगे। सहायक निदेशक कृषि अभियंत्रण आशिष कुमार ने बताया अनुदान पर कृषि यंत्रों की खरीद के लिए जिले के कुल 796 किसानों को स्वीकृति पत्र दिया गया है। किसान मेला में या फिर जिला कृषि विभाग द्वारा अधिकृत विक्रेताओं के यहां से यंत्रों की खरीद कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि कुल 75 तरह के कृषि यंत्रों की खरीद के लिए किसानों को स्वीकृति पत्र दिया गया है। इन यंत्रों पर 40 से लेकर 80 प्रतिशत तक का अनुदान दिया जाएगा। सरकार का फोकस सबसे अधिक फसल अवशेष प्रबंधन से संबंधित यंत्रों पर है। इन यंत्रों के प्रति किसानों को जागरूक करने के लिए 50 प्रतिशत का अनुदान है। फसल अवशेष प्रबंधन यंत्रों के उपयोग से पराली जलाने के मामले में कमी आएगी और मिट्टी की उर्वरा शक्ति बनी रहेगी। उन्होंने बताया कि मेला का शुभारंभ 10 बजे होगा। मेला का समापन बुधवार को होगा। मेला में कृषि विशेषज्ञ किसानों को खरीफ फसलों की तकनीक से भी अवगत कराएंगे।

जिले में अब 30 सितंबर तक होगी ई-केवाईसी व आधार सीडिंग

बक्सर। जिले में ई-केवाईसी से वंचित राशन कार्डधारियों के लिए सरकार ने एक और मौका दिया है। अब ई-केवाईसी कराने की तिथि बढ़ा दी गई है। अब 30 सितंबर तक लाभुक ई-केवाईसी करा सकेंगे। हालांकि 30 सितंबर तक अंतिम तिथि है और कहा गया है कि अगर निर्धारित तिथि के अंदर किसी लाभुक ने ई-केवाईसी नहीं कराया तो इसके बाद स्वतः उसका नाम राशन कार्ड से कट जाएगा। निर्धारित तिथि के अंदर शत प्रतिशत ई-केवाईसी का काम पूरा करते हुए मुख्यालय को रिपोर्ट भेजने का निर्देश दिया गया है। पहले यह तिथि 30 जून तक निर्धारित थी, लेकिन अंतिम तिथि तक भी बड़ी संख्या में राशन कार्ड का केवाईसी नहीं हो पाया था। क्योंकि कई लोग घर से बाहर काम करते हैं। ऐसी स्थिति में खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के सचिव ने तिथि में संशोधन करते हुए नई तिथि जारी कर दी है। इससे सभी जिलों को अवगत करा दिया गया है। तिथि बढ़ने से जिले के लोगों को काफी राहत मिलेगी। क्योंकि अबतक कई लोग ई-केवाईसी नहीं करा पाए थे। अब उन्हें अतिरिक्त समय मिल गया है। अबतक 70% ई-केवाईसी आधार कार्ड में त्रुटि और इसमें सुधार होने में हो रही देरी के कारण जिले के लाखों राशन कार्डधारकों का ई-केवाईसी नहीं हो सकी। इसे देखते हुए विभाग ने तिथि बढ़ाने का निर्णय लिया है। विभाग के सचिव ने संबंधित अधिकारियों को ई-केवाईसी कराने के लिए सभी पीडीएस डीलरों को क्षेत्र में जागरुकता अभियान चलाने को कहा है। जिले में 70 फीसदी लोगों की ई-केवाईसी हुई है। यानी अब तक 30 फीसदी लोगों की ई-केवाईसी नहीं हुई है।

दहेज में 10 लाख नहीं मिलने पर विवाहिता को घर से निकाला

बक्सर। दहेज के लिए विवाहिता के साथ मारपीट कर घर से निकाल देने के मामले में महिला थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई है। इसके बाद महिला थाने की पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। जानकारी के मुताबिक मुरार थाना क्षेत्र के पुरैना गांव के हरेराम यादव की बेटी रुबी कुमारी उर्फ पूजा कुमारी की शादी चक्की ओपी क्षेत्र के जेपी डेरा गांव के हरिनारायण यादव के पुत्र गुड्डू कुमार यादव उर्फ हरेन्द्र यादव से 27 फरवरी 2023 को हुई थी। एक मार्च 2023 को गवना के बाद रुबी ससुराल आई। शादी के समय दान स्वरुप करीब साढ़े चार लाख नकद और चार से अधिक के सामान दिया गया था। शादी के एक माह के बाद से ही विवाहिता को उसके ससुराल वाले दहेज में दस लाख नकद को लेकर प्रताड़ित करने लगे। विवाहिता ने कहा कि जब वह गर्भवती हुई तो उसके ससुराल वालों ने भोजपुर जिले के शाहपुर में जबरन दवा खिलाकर गर्भपात करा दिया।

करंट लगने से युवक की मौत, घर में मोबाइल चार्ज के लिए लगा रहा था प्लग

निज संवाददाता। आरा

भोजपुर के नवादा थाना क्षेत्र के पावरगंज मोहल्ले में सोमवार की रात करंट की चपेट में आने से युवक की मौत हो गई। इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाने के दौरान उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी का आलम रहा। जानकारी के अनुसार मृतक नवादा थाना क्षेत्र के पावरगंज मोहल्ला निवासी जयराम चौहान का 27 साल का बेटा सोनू कुमार है। इधर, मृतक के भाई लालू कुमार ने बताया कि सोमवार की रात वह घर के इलेक्ट्रिक बोर्ड में प्लग लगा रहा था। उसी दौरान वह करंट की चपेट में आ गया। गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके बाद परिजन द्वारा उसे इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सक ने देख उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिजन द्वारा इसकी सूचना सदर अस्पताल में पदस्थापित पुलिस पदाधिकारी को दी गई। सूचना पाकर पुलिस सदर अस्पताल पहुंची और शव का पोस्टमॉर्टम करवाया। बताया जाता है कि मृतक अपने 3 भाई और 1 बहन में बड़ा था। उसके परिवार में मां उषा देवी, पत्नी कविता देवी एक बेटा हर्ष और एक बेटी अनुष्का है। घटना के बाद मृतक के घर में कोहराम मच गया है। इस घटना के बाद मृतक की मां उषा देवी, पत्नी कविता देवी और परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

विवाहिता की ऑटो के लिए हत्या, पिता बोले-बेटी के साथ की मारपीट

निज संवाददाता। आरा

छोटे दमाद ने लिया ऑटो, बड़े दामाद ने दिलाने की जिद की

भोजपुर में सोमवार को एक महिला का फंदे से लटका शव ससुराल में मिला। मायके वालों ने ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप लगाया है। परिजनों का कहना है कि ऑटो न देने पर मारपीट कर महिला की हत्या कर दी गई। घटना मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बड़का डुमरा गांव का है। मृतका मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बड़का डुमरा गांव निवासी आकाश भगत की पत्नी रूबी देवी(25) है। महिला का मायके सिन्हा थाना क्षेत्र के परशुरामपुर गांव है। मृतका के पिता शंकर भगत ने बताया कि उन्होंने अपनी बेटी रूबी कुमारी की शादी 2019 में की थी। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बड़का डुमरा गांव निवासी संतोष भगत के बेटे आकाश भगत से शादी की थी। शादी के बाद सब कुछ ठीक चल रहा था। दोनों से पहले एक बेटा और बाद में एक बेटी हुई।

बेटी होने के बाद ससुराल वाले प्रताड़ित करने लगेः मृतका के पिता शंकर भगत ने बताया कि जब बेटी हुई तो ससुराल वाले प्रताड़ित करने लगे। कई बार उन लोगों ने मेरी बेटी के साथ मारपीट कर मायके भी भेज दिया था। पिछली बार जब ससुराल वालों ने उसे मारपीट कर मायके भेजा था, तो उन्होंने अपनी बेटी को 9 महीने तक घर पर ही रखा था। 2 माह पहले ससुराल वाले आए और उसे वापस ससुराल ले गए थे। मृतका के पिता ने कहा कि छोटी बेटी की भी शादी उसी गांव में की है। दो महीने पहले उसके पति ने लोन पर ऑटो निकलवाया है। इसके बाद उसके ससुराल वाले कहने लगे कि जैसे छोटे दामाद को ऑटो दिलाया है, वैसे ही बड़े दामाद को भी दिलाओ। जबकि हम कहते रहे कि वह ऑटो मैंने नहीं दिलाया है, उसने सिर्फ मेरा आधार कार्ड लिया था। लेकिन उसके ससुराल वाले नहीं माने। इसी बीच सोमवार की दोपहर उसके ससुराल वालों ने हत्या कर दी।

छोटी बेटी और ग्रामीणों ने सूचना दीः उसी गांव में रह रही छोटी बेटी और अन्य ग्रामीणों ने घटना की सूचना हमें दी। सूचना पाकर परिजन ससुराल बड़का डुमरा गांव पहुंचे। जहां देखा कि बेटी मृत अवस्था में जमीन पर पड़ी है। इसके बाद पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम सदर अस्पताल में कराया। मृतका के पिता शंकर भगत ने ससुर संतोष भगत, देवर प्रकाश भगत, सास और पति के मामा-मामी पर हत्या का आरोप लगाया है।

भोजपुर में ट्रेन से गिरकर अधेड़ की मौत, दिल्ली में करते थे प्राइवेट काम

निज संवाददाता। आरा

घर से छुट्टी के बाद जा रहे थे दिल्ली

दानापुर-पीडीडीयू रेलखंड पर आरा रेलवे स्टेशन के पूरब साइड स्थित डाउन लाइन पर ट्रेन से गिरकर एक अधेड़ व्यक्ति की मौत हो गई। इसके बाद वहां मौजूद लोगों द्वारा इसकी सूचना आरा रेल पुलिस को दी गई। सूचना पाकर रेल पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। शव को आरा रेल थाना ले आई। जानकारी के अनुसार मृतक गड़हनी थाना क्षेत्र के दुबौली गांव निवासी सूबेदार साह के बेटे गौरी शंकर साह(53) है। वह दिल्ली में स्थित एक प्राइवेट कंपनी में लेबर का काम करते थे। इधर, मृतक के भतीजे आजादी साह ने बताया कि उनके बीच वाले बेटे सनोज साह का 6 मार्च को शादी थी। इसको लेकर वह 2 माह पहले गांव आए थे। रविवार की सुबह करीब 10 बजे वह घर से दिल्ली जाने के लिए निकले थे। इसी बीच यह घटना घट गई। इसके बाद रेल पुलिस द्वारा इसकी सूचना गड़हनी थाना पुलिस को दे दी गई थी। गड़हनी थाना पुलिस द्वारा इसकी सूचना मृतक के परिजनों को सोमवार को दी गई।

सूचना पाकर परिजन आरा रेल थाना पहुंचे। इसके बाद पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम सदर अस्पताल में करवाया है। बताया जाता है कि मृतक अपने 3 भाई और 3 बहन में दूसरे स्थान पर थे। उनके परिवार में पत्नी हीरामुनी देवी, तीन बेटा प्रमोद साह, सनोज साह, चंदन साह और 2 बेटी सोनी कुमारी और मुन्नी कुमारी है। घटना के बाद मृतक के घर में कोहराम मच गया है। घटी इस घटना के बाद मृतक की पत्नी हीरामुनी देवी और परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

प्रेग्नेंट महिला को चोट पहुंचाने में 3 साल की सजा

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर जिला व्यवहार न्यायालय ने घर में घुसकर महिला के साथ मारपीट करने के मामले में सजा सुनाया है। मामला 12 सितंबर 1995 का ही है। डुमरांव थाना द्वारा एफआईआर दर्ज करने और पुलिस द्वारा पेश किए गए साक्ष्य और गवाहों के आधार पर कोर्ट नतीजों पर पहुंचा। आरोपी को 3 साल की सजा के साथ 5000 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार मामला डुमरांव थाना क्षेत्र का था। बंधन पटवा रोड निवासी रामचंद पटवा के पुत्र विनय कुमार ने डुमरांव थाना में लिखित आवेदन देकर एफआइआर दर्ज कराया था। पुलिस थाना द्वारा कांड संख्या 176/1995 दर्ज आगे की करवाई में जुट गई। सहायक अभियोजन अधिकारी अभिषेक कुमार सिंह ने बताया कि केस के आरोपी अभियुक्त दुख खान व डोमा खान 12 सितंबर 1995 को विनय कुमार के घर में घुसकर उसकी पत्नी और घर की अन्य महिलाओं के साथ मारपीट, गाली गलौज और धमकी देने का आरोप लगाया था। मारपीट के दौरान सूचक की गर्भवती पत्नी को चोट आई थीं। न्यायिक दंडाधिकारी गौरव कुमार सिंह ने मामले की सुनवाई की। सुलहनामा व साक्ष्य के अभाव में अभियुक्त को भारतीय दंड विधान की धारा 323 से बरी किया गया। किन्तु धारा 452 में दोषी पाते हुए अभियुक्त को तीन वर्ष का साधारण कारावास के साथ 5000 रुपए के जुर्माने से दंडित किया गया। पीड़ित की ओर से न्यायालय में चार गवाहों को प्रस्तुत किया गया था।

भोजपुर, बक्सर, रोहतास व कैमूर के प्राचार्य व प्रतिनिधि बैठक में हुए शामिल

निज संवाददाता। आरा

छात्राओं से शुल्क लेने पर होगी कार्रवाई

आरा वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय में संबद्ध कॉलेजों की बैठक हुई। राजभवन सचिवालय, शिक्षा विभाग, हाई कोर्ट और वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के आदेशों का अनुपालन करने के लिए संबद्ध कॉलेजों को हिदायत दी गई। कहा गया कि अनुसूचित जाति /जनजाति के छात्र-छात्राओं एवं अन्य श्रेणी के छात्राओं से किसी प्रकार का कोई शुल्क नहीं लेना है। केवल उनसे पंजीयन शुल्क ही लेना है। राजभवन सचिवालय और सरकार वैसे कॉलेजों को चिन्हित करके कार्रवाई करने का आदेश दिया है जो नियम के विरुद्ध शुल्क ले रहे । सभी संबद्ध कॉलेज इसको गंभीरता से ले। विश्वविद्यालय को शिकायत मिलने के बाद वैसे संबद्ध कॉलेजों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। क्षतिपूर्ति की राशि के लिए सरकार के पास संबद्ध कॉलेज गुहार लगाए। बैठक में छात्र कल्याण अध्यक्ष डॉ केके सिंह, कुलसचिव डॉ रणविजय कुमार, कुलानुशासक डॉ कुमार कौशलेंद्र और भोजपुर, बक्सर, रोहतास और कैमूर जिले के संबद्ध कॉलेजों के प्राचार्य/ प्रभारी प्राचार्य और उनके प्रतिनिधि शामिल हुए थे। पूर्व सिनेटर अजय कुमार तिवारी मुनमुन ने कुलपति डॉ शैलेंद्र कुमार चतुर्वेदी और छात्र कल्याण अध्यक्ष डॉ केके सिंह की प्रशंसा की। कहा कि यह विश्वविद्यालय की अच्छी पहल है। नियम विरूद्ध शुल्क लेने वालों पर कार्रवाई होनी चाहिए। भोजपुर, बक्सर, रोहतास और कैमूर से आए संबद्ध कॉलेजों के प्राचार्य और प्रतिनिधियों ने कहा कि यदि छात्राओं से किसी प्रकार का कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा तो कॉलेजों का संचालन कैसे संभव हो पाएगा। महिला कॉलेजों की स्थिति पहले से भी ज्यादा दयनीय हो जाएगी। धरीक्षण सिंह डिग्री कॉलेज के प्रबंधक डॉ लाल बहादुर सिंह ने कहा कि कई वर्षों से सरकार क्षतिपूर्ति की राशि कॉलेजों को नहीं दे रही है। ऐसी परिस्थिति में कॉलेजों का संचालन करना मुश्किल होता जा रहा है। रोहतास जिले से आए प्राचार्यों ने बताया कि एक तरफ अनुसूचित जाति /जनजाति के छात्र-छात्राओं एवं अन्य श्रेणी के छात्राओं से शुल्क नहीं लेने का फरमान जारी किया जा रहा है। दूसरी तरफ सरकार राशि नहीं दे रही है। कुछ कॉलेजों का ऐसा पक्ष था कि वर्तमान में छात्राओं से शुल्क लिया जाए, सरकार से राशि प्राप्त होने के बाद शुल्क को लौटा दिया जाएगा।

देश-विदेश से भागलपुरी सिल्क के लिए 5 करोड़ का ऑर्डर

तैयारी में जुटे बुनकर, सरकार के नए नियमों के बाद बुनकरों के चेहरे पर थे मायूसी

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर में एक बार फिर से बुनकरों के चेहरे पर मुस्कान वापस आई है। यह पहला मौका है जब तीन राज्यों से भागलपुर के बुनकरों को पहली बार 5 करोड़ का ऑर्डर मिला है। पहली बार यहां का अंगवस्त्र अलग-अलग राज्यों और देश विदेश तक में पहुंचेगा। यहां का अंगवस्त्र काफी नामचीन है। दरअसल, सरकार द्वारा नए नियम लागू होने के बाद से बुनकरों की स्थिति ठीक नहीं थी। चेहरे पर मायूसी छाया हुआ था। क्योंकि ऑर्डर बिल्कुल ही आना बंद हो गया था। इसके बाद बुनकर कर्ज में भी डूब गए थे। लेकिन फिर से इतने बड़े ऑर्डर मिलने के बाद चेहरे पर खुशी वापस लौट आई है।

विदेशों से भी आया है डिमांडः नाथनगर के बुनकर हेमंत कुमार ने बताया कि यहां का अंगवस्त्र काफी खास है। इसे कई जगहों पर गमछा, तो वहीं लड़कियां इसको स्टॉल के रूप में उपयोग करती हैं। उन्होंने बताया कि इस बार पूरे बुनकर क्षेत्र में करीब 5 करोड़ का ऑर्डर है। ये कोलकाता, चेन्नई, गुजरात, दिल्ली के साथ-साथ अमेरिका, चीन, नेपाल समेत कई जगहों से मिला है। वहीं, उत्तर भारत में भी इसका खूब डिमांड हो रहा है। लोगों को यहां का अंगवस्त्र काफी भा रहा है।

कपड़े होते हैं क्वालिटीदारः भागलपुर सिल्क क्वालिटीदार होते हैं। यही वजह है कि भागलपुर के सिल्क के कपड़े की क्रेज है। डिमांड की कई वजह है। इस कपड़े में कई खूबियां होती है। इसके साथ ही इसकी कीमत काफी कम पड़ती है। उन्होंने बताया कि ये एक ऐसा वस्त्र है, जिसे शरीर पर रखने पर ठंडक महसूस कराता है। इस बार गर्मी अधिक होने के कारण इस कपड़े को लोग अत्यधिक पसंद कर रहे हैं। ये विस्कॉज के धागे से तैयार होता है। यह धागा काफी ठंडा होता है। उन्होंने बताया कि पूरे बुनकर क्षेत्र में अभी यहां का अंगवस्त्र ही तैयार करने में लगे हुए हैं।

पू.म. रे. के महाप्रबंधक तरूण प्रकाश ने किया हाजीपुर-समस्तीपुर रेलखंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण, यात्री सुविधाओं का लिया जायजा

हाजीपुर। पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक तरूण प्रकाश द्वारा मंगलवार को हाजीपुर-समस्तीपुर रेलखंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया। इस दौरान महाप्रबंधक महोदय ने हाजीपुर और समस्तीपुर के मध्य रेलवे ट्रैक, रेल पुलों आदि का गहन मुआयना किया। महाप्रबंधक ने रेल ट्रैक के बेहतर रख-रखाव पर संतोष व्यक्त करते हुए मानसून के दौरान संरक्षित रेल परिचालन के लिए हर संभव कदम उठाने का निर्देश दिया। समस्तीपुर पहुंचने पर महाप्रबंधक द्वारा समस्तीपुर जं. का निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने प्लेटफॉर्म, फुट ओवर ब्रिज, लिफ्ट, एस्केलेटर, स्टेशन परिसर एवं सर्कुलेटिंग एरिया आदि का निरीक्षण कर यात्री सुविधाओं से जुड़े पहलुओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान समस्तीपुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक विनय श्रीवास्तव तथा मुख्यालय एवं समस्तीपुर मंडल के अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

15 जुलाई तक जर्जर सड़क की होगी मरम्मत

भागलपुर। विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेला की तैयारी को लेकर सदर एसडीओ धनंजय कुमार की अध्यक्षता में अहम बैठक की गई। एसडीओ धनन्जय कुमार ने कहा कि श्रावणी मेला को लेकर बैठक की गई। बैठक में जर्जर सड़क की मरम्मत के लिए 15 जुलाई का डेड लाइन पदाधिकारियों को दिया गया है।

पीरपैंती रेफरल अस्पताल में आज भी हड़ताल

भागलपुर। पीरपैंती रेफरल अस्पताल में दूसरे दिन मंगलवार को भी एनएचएम कर्मियों का हड़ताल जारी रहा। इसकी वजह से मिर्जा चौकी सहित कई इलाकों से आए मरीजों का इलाज नहीं हो सका। इलाज नहीं होने की वजह से मरीजों में काफी रोष देखने को मिला।

कई कमरों में ताला बंदः एनएचएम कर्मियों ने एक्स रे रूम,काउंटर रूम सहित सभी कमरों में ताला बंदी कर दी,जिसके वजह से अस्पताल आए ड्यूटी पर की कर्मी को भी बाहर रहना पड़ा।मधुवन से इलाज कराने आए सूरज मंडल ने बताया कि टोटो भाड़ा कर आए हैं। यहां तो हड़ताल है। इस वजह से बच्चे का इलाज नहीं हो पा रहा है।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल सं०–02,गढ़वा

CORRIGENDUM (शुद्धिपत्र)

ई–निविदा सूचना संख्या–RWD/SD/GARHWA/02/2024-25

PR No-328462 Rural Development(2024-25):D

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि इस प्रमण्डल द्वारा आमंत्रित ई–निविदा आमंत्रण सूचना सं0–**RDD/SD/GARHWA/02/2024-25, PR No-328462 Rural Development(2024-25):D** द्वारा प्रकाशित निविदा को अपरिहार्य कारणवश कंडिका क्रमांक–03 एवं 05 में आंशिक संशोधन करते हुए पूर्व NIT के निविदा आमंत्रित की जाती है, शेष कंडिकाएँ यथावत् बनी रहेंगी।

- ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय :– दिनांक–12.07.2024 को अपराह्न 5:00 बजे के स्थान पर दिनांक–18.07.2024 को अपराह्न 5:00 बजे तक पढ़ा जाय।
- निविदा खोलने की तिथि एवं समय–15.07.2024 अपराह्न 2:00 बजे के स्थान पर दिनांक–20.07.2024 अपराह्न 2:00 बजे तक पढ़ा जाय।

PR 329006 Rural Development(24-25).D

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल सं0–02,गढ़वा

मानसी घाट पर बना चचरी पुल टूटा, 20 गांव के लोगों को जिला मुख्यालय आने में होगी परेशानी

निज संवाददाता। मुंगेर

मुंगेर के सदर प्रखंड क्षेत्र के गंगा पार मानसी घाट पर बना चचरी पुल सोमवार को नदी की तेज धार के बीच ध्वस्त हो गया। जिसके बाद से टीकारामपुर पंचायत के करीब 20 गांव में 30 हजार की आबादी पर काफी असर पड़ा है। पंचायत के ग्रामीणों को अब मुंगेर जिला मुख्यालय आने के लिए एकमात्र सहारा नाव ही है। सोमवार को मुंगेर जिला मुख्यालय और सदर प्रखंड क्षेत्र से टीकारामपुर पंचायत के विभिन्न स्कूलों में शिक्षक-शिक्षिका के अलावा स्वास्थ्य कर्मी नहीं जा पाए। इन लोगों ने बताया कि हम लोगों का आवागमन रोजाना चचरी पुल के सहारे होता था, लेकिन अब चचरी पुल टूट जाने के बाद नाव से गंगा पार करने में काफी डर लग रहा है। हर साल बाढ़ से पहले चचरी पुल को हटा लिया जाता था, लेकिन इस बार शुरुआती दौर में गंगा की तेज धार में पुल टूट गया।

नाव से करना होगा सफर

पुल का निर्माण पांच साल से अधूरा हैः बता दें कि नाबार्ड की योजना से मटिहानी मंदिर चौक से मुंगेर के तिकड़मपुर पंचायत के बनारसी राय टोला तक पुल निर्माण कार्य चल रहा है। जो लगभग पांच साल से अधूरा पड़ा हुआ है। इस बीच स्थानीय लोगों ने चचरी पुल बनाया था।

अस्पताल जाने में भी परेशानी होगीः अभी लग्न का समय चल रहा है ऐसे में अगर किसी बारात को अगर इस पंचायत में जाना हो और वहां से दुल्हन को लेकर वापस आना हो तो उनके लिए नाव ही सहारा है। महिलाओं को बड़े अस्पताल ले जाने के लिए भी नाव विकल्प है।

रजिस्टर्ड नाव को भेज दिया गया हैः सदर बीडीओ विकास कुमार ने कहा कि मानसी घाट पर जो बांस का चचरी पुल बनाया गया था वह स्थानीय लोगों ने बनाया था। प्रशासनिक स्तर पर ग्रामीणों के आवागमन के लिए रजिस्टर्ड नाव को भेज दिया गया है।

पूर्व मध्य रेल के महत्वपूर्ण रेल पुलों पर नदियों के जलस्तर की वाटर लेवल मॉनिटरिंग सिस्टम से की जा रही निगरानी

हाजीपुर। सुरक्षित एवं संरक्षित रेल परिचालन पूर्व मध्य रेल की पहली प्राथमिकता है, इसे सुदृढ़ करने के लिए सतत् सुधार एवं आधुनिक तकनीकी का समावेश किया जाता है। बरसात के इस मौसम में महत्वपूर्ण पुलों पर नदियों का जलस्तर की निगरानी के लिए समस्तीपुर मंडल के गंगा, कोसी, बुढ़ी गंडक, बागमती, करेह, कमला, कुशहा आदि नदियों पर, सोनपुर मंडल के गंगा, गंडक, कोसी, बुढ़ी गंडक नदियों पर, दानापुर मंडल के गंगा, किउल, सोन, पुनपुन, कर्मनाशा, सकरी नदियों पर, पं.दीन दयाल उपाध्याय मंडल के सोन एवं कर्मनाशा नदियों तथा धनबाद मंडल के दामोदर, कोयल, रिहंद नदियों एवं तिलैया डैम पर बने रेल पुलों पर वाटर लेवल मॉनिटरिंग सिस्टम लगाये गये हैं। इस सिस्टम से जलस्तर की जानकारी आटोमेटेड एस.एम.एस. के माध्यम से संबंधित अधिकारी को प्राप्त होती है।

आधुनिक वाटर लेवल मॉनिटरिंग सिस्टम के लग जाने से नदियों पर बने रेल पुलों पर वाटर लेवल की सूचना मिलना आसान हो गया है। इस सिस्टम में सोलर पैनल से जुड़ा एक सेंसर होता है, जिसमें एक चिप भी लगी होती है। यह सेंसर ट्रैक मैनेजमेंट सिस्टम से जुड़ा होता है। प्रतिदिन नियमित अंतराल पर नदियों के जलस्तर की जानकारी संबंधित अधिकारियों/ कर्मचारियों के मोबाइल नंबर पर एस.एम.एस. के माध्यम से मिल जाती है। फलस्वरूप समय पर नदी के जल स्तर की सूचना मिलने से त्वरित कार्यवाही कर रेलपथ को संरक्षित करना आसान हो जाता है। मानसून के दौरान नदियों के जलस्तर की निगरानी हेतु पूर्व मध्य रेल के विभिन्न खण्डों पर स्थित कुल 57 महत्वपूर्ण रेल पुलों पर वाटर लेवल मॉनिटरिंग सिस्टम लगाये गये हैं जिनका मंडलवार विवरण निम्नानुसार है -

सोनपुर मंडल के हाजीपुर-सोनपुर के मध्य गंडक नदी पर बने पुल सं.-78 एवं शीतलपुर-दीघवारा के मध्य पुल सं.-19, बरौनी-कटिहार रेलखंड के मध्य कोसी नदी पर बने पुल सं.-10 एवं बुढ़ी गंडक नदी पर बने पुल सं.-16 तथा खगड़िया-मुंगेर रेलखंड के मध्य गंगा नदी पर बने पुल सं. 17 सहित कुल 05 रेल पुलों पर वाटर लेवल मॉनिटरिंग सिस्टम लगाये गये हैं ।

पं.दीनदयाल उपाध्याय मंडल के डेहरी ऑन सोन और सोननगर के मध्य सोन नदी पर बने पुल सं.-531 एवं कर्मनाशा और सैयदराजा के मध्य कर्मनाशा नदी पर बने पुल सं.-695 सहित कुल 02 रेल पुलों पर वाटर लेवल मॉनिटरिंग सिस्टम लगाये गये हैं ।

दानापुर मंडल के हाथीदह-राजेन्द्रपुल के मध्य गंगा नदी पर बने पुल सं.-7डीबी, जमुई और चौरा ब्लॉक के मध्य अजान नदी पर बने पुल सं.-745, किउल और लखीसराय के मध्य किउल नदी पर बने पुल सं.-136, मनकट्ठा और बड़हिया के मध्य पुल सं. 152, पाटलिपुत्र-पहलेजा के मध्य गंगा नदी पर पुल सं.-07, बिहटा और कोईलवर के मध्य सोन नदी पर बने पुल सं.-200ए, चौसा-गहमर के मध्य कर्मनाशा नदी पर बने पुल सं.-371, नवादा और बाघी बरडीहा के मध्य सकरी नदी पर बने

पुल सं.-146 तथा परसा बाजार और पुनपुन के मध्य पुनपुन नदी पर बने पुल सं. 21 सहित कुल 09 रेल पुलों पर वाटर लेवल मॉनिटरिंग सिस्टम लगाये गये हैं ।

समस्तीपुर मंडल के समस्तीपुर-दरभंगा रेलखंड के मध्य बुढ़ी गंडक नदी पर बने पुल सं.-01, बागमती नदी पर बने पुल सं.-16, करेह नदी पर बने पुल सं. 17, दरभंगा-सीतामढ़ी रेलखंड के मध्य खिरोई नदी पर बने पुल सं.-18, लखनदेई नदी पर बने पुल सं.-63, सीतामढ़ी-रक्सौल रेलखंड के मध्य बागमती नदी पर बने पुल सं.-89, लालबकेया नदी पर बने पुल सं. 02, बंगरी नदी बने पुल सं.-41, मुजफ्फरपुर-सीतामढ़ी रेलखंड के मध्य बुढ़ी गंडक नदी पर बने पुल सं.-12, बागमती नदी पर बने पुल सं.-47, सगौली-रक्सौल रेलखंड के मध्य सिकरहना नदी पर बने पुल सं.-25, सगौली-नरकटियागंज रेलखंड के मध्य सिकरहना नदी पर बने पुल सं.-285, समस्तीपुर-खगड़िया रेलखंड के मध्य बुढ़ी गंडक नदी पर बने पुल सं.-16ए, मानसी-सहरसा रेलखंड के मध्य कोसी नदी पर बने पुल सं. - 44, 45, 47, 48, 50 तथा बागमती नदी पर बने पुल सं.-51, 52, 53, नरकटियागंज-पनियहवा रेलखंड के मध्य बलौर नदी पर बने पुल सं.-303 तथा मशान नदी पर बने पुल सं.-322, सहरसा-पूर्णिया जं. रेलखंड के मध्य बुलआ धार नदी पर बने पुल सं.-100, सिमना नदी पर बने पुल सं. 114, कारी कोसी नदी पर बने पुल सं. 14, कुसहा नदी पर बने पुल सं.-42, गोमती धार नदी पर बने पुल सं.-115, सौरा कोसी नदी पर बने पुल सं.-03, सकरी-झंझारपुर रेलखंड के मध्य कमला नदी पर बने पुल सं.-88, झंझारपुर-निर्मली रेलखंड के मध्य भुतही बलान नदी पर बने पुल सं.-133, बापूधाम मोतिहारी -नरकटियागंज रेलखंड के मध्य खरबा नदी पर बने पुल सं. 213, निर्मली-सरायगढ़ रेलखंड के मध्य कोसी नदी पर बने पुल सं. 10, भुतही बलान नदी पर बने पुल सं.-04 सहित कुल 34 रेल पुलों पर वाटर लेवल मॉनिटरिंग सिस्टम लगाये गये हैं ।

धनबाद मंडल में चंद्रपुरा-बोकारो स्टील सिटी के मध्य दामोदर नदी पर पुल संख्या 08, गुरपा-पहाड़पुर के मध्य ढाढर नदी पर पुल संख्या 345, बरकाकाना-गढ़वा रोड के मध्य अमानत नदी पर पुल संख्या 253डीएन, गढ़वा रोड-चोपन के मध्य कोयल नदी पर पुल संख्या 02 तथा कन्हार नदी पर बने पुल संख्या 173 एवं चोपन-सिंगरौली के मध्य रिहन्द नदी पर पुल संख्या 07 पर एवं कोडरमा-हजारीबाग टाउन रेलखंड के मध्य तिलैया डैम पर बने पुल सं.-31 सहित कुल 07 रेल पुलों पर वाटर लेवल मॉनिटरिंग सिस्टम लगाये गये हैं ।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, लघु सिंचाई प्रमण्डल, मेदिनीनगर

अति अल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रण सूचना

3rd Call

e-Tender Reference No. : WRD/MID/MEDININAGAR/F_2-14/2024-25 Dated :-09/07/2024

1. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी के कार्यालय का नाम एवं पताः–कार्यपालक अभियंता, लघु सिंचाई प्रमंडल, मेदिनीनगर।
2. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी के कार्यालय का फोन नं0 और ई–मेल आईडीः– 06562-240100 eemidmed-cemr-jhr@nic.in
3. वेबसाईट में ई–निविदा प्रकाशन की तिथि एवं समय :– 15/07/2024 (अपराह्न 04.00 बजे से)
4. वेबसाईट में ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय :– 22/07/2024 (अपराह्न 12.00 बजे तक)
5. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– 23/07/2024 (अपराह्न 01.00 बजे)

क्र0	योजना का नाम	प्रखण्ड	प्राक्कलित राशि (रूपये में)	अग्रधन की राशि (रुपये में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रुपये में)	कार्य समाप्ति की अवधि
1	2	3	4	5	6	7
1	परसन नाला (बंदरचुआँ नाला) अमवादह छेछानी पर पक्का चेकडैम का निर्माण	चैनपुर	55,31,142.12	1,10,700.00	10,000.00	11 माह

(1) केवल ई–निविदा ही स्वीकार किया जायेगा।
(2) निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल **Online Mode** द्वारा ही स्वीकार्य होगी।
(3) निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो सारी जवाबदेही संबंधित निविदादाता की होगी।
(4) अग्रधन की राशि परिमाण विपत्र की राशि के अनुसार है।
(5) राज्य सरकार के द्वारा निर्गत सभी अद्यतन आदेश / परिपत्र लागु होंगे।
(6) विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट **http://jharkhandtenders.gov.in** मेंलॉगआन करें।

कार्यपालक अभियंता
लघु सिंचाई प्रमण्डल, मेदिनीनगर।

PR.NO.329097 Minor Irrigation(24-25):D

कार्यालय, जिला मत्स्य पदाधिकारी–सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, गढ़वा

आवेदन आमंत्रण सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में विभागीय राज्यादेश संख्या–05 रा0 (वि0) दिनांक 13.06.2024 के द्वारा स्वीकृत लक्ष्य के आलोक में ''मत्स्य प्रसार–प्रचार अनुसंधान एवं प्रशिक्षण योजना'' अन्तर्गत निम्नांकित तालिका में दिये गये विवरणी के अनुरुप कार्यक्रम का क्रियान्वयन हेतु भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्य प्राप्त है।

क्र0	कार्यक्रम	लघु शीर्ष	इकाई	भौतिक लक्ष्य	अनुमान्य इकाई लागत	अनुदान	चयन हेतु अर्हता
1	2	3	4	5	6	7	8
1	निजी क्षेत्र के तालाबों में महाझींगा पालन	101	एकड में	3.00	मो0 160000/– मात्र प्रति एकड़	अ0ज0जा0/अ0जा0/महिला कोटि के लिए 80% (मो0 128000/–मात्र अधिकतम) एवं अन्य कोटि के लिए 70% (112000/–अधिकतम)	आवेदक सक्रिय मत्स्य पालक हो जिनके पास मछली पालन हेतु कम से कम 1.00 एकड़ जलक्षेत्र का तालाब हो। प्रशिक्षण एवं पूर्व से झींगा पालन करने वाले मत्स्य पालक को प्राथमिकता दी जाएगी।
2	केज मत्स्य पालकों हेतु लाईफ जैकेट	101	संख्या में	20	मो0 2420/–	केज मत्स्य पालकों के लिए 75 प्रतिशत (अधिकतम 1815 रु0) अनुदान होगा। शेष लाभुक अंशदान होगा।	केज मत्स्य पालकों को इस योजना का लाभ दिया जाना है। अतः इस योजना हेतु सिर्फ केज मत्स्य पालकों के आवेदन स्वीकार किये जायेंगे।
3	पुरस्कार/सम्मान	101	संख्या में	02	मो0 30,000/–	प्रति लाभुक को 30000 रु0 राशि देय होगा।	आवेदक मत्स्य पालन/मत्स्य बीज उत्पादक/हैचरी संचालन आदि का प्रशिक्षण प्रमाण पत्र संलग्न अवश्य करें।

एतद् द्वारा उक्त दिये गये विवरणी के आलोक में अहर्ता पूर्ण करने वालों के लिए दिनांक **26.07.2024 अप0 5:00** बजे तक जिला मत्स्य कार्यालय, गढ़वा में आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं। आवेदन प्रपत्र जिला मत्स्य कार्यालय, गढ़वा से निःशुल्क प्राप्त किया जा सकता है।

ह0/–
जिला मत्स्य पदाधिकारी–सह–
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, गढ़वा

PR 329065 Fish(24-25)#D

पूर्व रेलवे

मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, रेलवे स्टेशन के पास डीआरएम बिल्डिंग, हावड़ा–711101 (वरिष्ठ डीईएन/1/हावड़ा के कार्यक्षेत्र के अधीन) द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी/एमईएस या किसी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम से पंजीकृत समेत समप्रकृति के कार्य के अनुभवी एवं अपेक्षित वित्तीय संपन्न निविदाकारों से निम्नलिखित ई–निविदा ऑनलाइन आमंत्रित की जाती हैः **एनआईटी सं.**: 94_2024–25, **कार्य का विवरण** : सेवड़ाफुली–तारकेश्वर : हावड़ा मंडल की सेवड़ाफुली–तारकेश्वर शाखा में डीसी ओएचई का रूपांतरण। (41.8 टीकेएम जिसमें क्रॉस–ओवर और टी/आउट शामिल हैं)। **अनुमानित मूल्य :** रु.4,56,14,756.03, **बयाना राशि:** रु. 3,78,100/–, **निविदा प्रपत्र का मूल्यः** शून्य । **समापन अवधिः** 12 (बारह) माह । यदि निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित अंतिम तिथि को किसी भी कारण से अवकाश/बंद/हड़ताल घोषित किया जाता है, तो ऑनलाइन निविदा की अंतिम तिथि नहीं बदली जाएगी क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में किया गया आवेदन, निविदा की अंतिम तिथि और समय के बाद किसी भी प्रस्ताव को जमा करने की अनुमति नहीं देता है। तथापि निविदाओं का ऑनलाइन खोला जाना अगले कार्यदिवस में किया जाएगा। **निविदा की अंतिम तिथि और समय** : दिनांक 24.07.2024 को 14.00 बजे । निविदा का विवरण वेबसाइटः **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकारों से अनुरोध किया जाता है कि अपने प्रस्ताव को उपर्युक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करें। ईएमडी और टीडीसी का भुगतान, ई–निविदा प्रणाली के मामले में, बयाना राशि जमा (ईएमडी) और निविदा कागजात की लागत (टीडीसी) का भुगतान, केवल नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे के माध्यम से स्वीकार किया जाएगा। कोई मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार्य नहीं होगा।

HWH-152/2024-25

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

ई–निविदा सं.: एमसी/ईएनएचएम–एचडब्ल्यूएच/32/24–26/आरपीएच क्लीनिंग। बिड संख्याः जीईएम/2024/बी/5122957, दिनांकः 03.07.2024, वरिष्ठ मंडल पर्यावरण एवं गृह व्यवस्था प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, हावड़ा रेलवे स्टेशन के पास डीआरएम बिल्डिंग, हावड़ा–711101 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए बिड आमंत्रित की जाती हैः **बिड का विवरण (मद कैटेगरी)**ः सफाई, स्वच्छता और कीटाणुशोधन सेवा – परिणाम आधारित –सार्वजनिक परिवहन स्थान; सभी प्लेटफॉर्मों, बुकिंग ऑफिस बाहरी बरामदा जो प्लेटफॉर्म 1 से संलग्न है, प्लेटफॉर्म 1 के सामने एंट्रांस एरिया, प्रतीक्षालय एवं प्रत्येक कार्यालय स्थान के फ्लोर एरिया को शुष्क बुहारना; सफाई, स्वच्छता और कीटाणुशोधन सेवा – परिणाम आधारित –सार्वजनिक परिवहन स्थान; सभी प्लेटफॉर्मों, बुकिंग ऑफिस बाहरी बरामदा एवं प्लेटफॉर्म 1 के सामने एंट्रांस एरिया के सभी कोटा स्टोन एरिया को एचडी स्क्रबर ड्रायर मशीन से घिसाई, सफाई, स्वच्छता और कीटाणुशोधन सेवा – परिणाम आधारित –सार्वजनिक परिवहन स्थान; सभी प्लेटफॉर्म के मास्टिक कंक्रीट और चेकर टाइल्स एरिया को एचपी जेट मशीन डीजल परिचालित और आईआर स्कीविजर से गीली सफाई; सफाई, स्वच्छता और कीटाणुशोधन सेवा – परिणाम आधारित –सार्वजनिक परिवहन स्थान; लाइट ड्यूटी हैंड स्क्रबर और मॉप स्टिक के साथ प्रतीक्षालयों के कोटा स्टोन और टाइल्स एरिया को घिसना एवं पोछना; इनडोर; सफाई, स्वच्छता और कीटाणुशोधन सेवा – परिणाम आधारित –सार्वजनिक परिवहन स्थान; एचपीजे मशीन बकेट दाग के साथ पानी घिसने वाले ब्रस से सभी प्लेटफॉर्म के पे एंड यूज को छोड़कर वाटर बूथ शौचालयों एवं मूत्रालयों को पोछा लगाने सहित गीली सफाई...; सफाई, स्वच्छता और कीटाणुशोधन सेवा – परिणाम आधारित –सार्वजनिक परिवहन स्थान, बकेट के साथ टीएक्सआर रूम, सीडब्ल्यू स्टाफ रूम, सीडब्ल्यू स्टोर रूम, बुकिंग काउंटर, सीएचआई रूम, लेडीज ड्रेस चेंजिंग रूम, एसएम क्लर्क ऑफिस, एसएम स्टोर, सीढ़ी और खुली जगह की गीली सफाई, सफाई, स्वच्छता और कीटाणुशोधन सेवा – परिणाम आधारित –सार्वजनिक परिवहन स्थान; नवनिर्मित टीएक्सआर रूम, सीडब्ल्यू स्टाफ रूम, सीडब्ल्यू स्टोर रूम, बुकिंग काउंटर, सीएचआई रूम लेडीज के साथ क्रम सं. 1 के अनुसार प्रत्येक कार्यालय स्थानों के फर्श एरिया को मॉप स्टिक के साथ पोछा लगाना, सफाई, स्वच्छता और कीटाणुशोधन सेवा – परिणाम आधारित –सार्वजनिक परिवहन स्थान, वीआईपी रूम, रिटायरिंग रूम, डॉर्मिटरी एंट्रांस बरामदा और सीढ़ी के फर्श एरिया को शुष्क बुहारना; इनडोर, सफाई, स्वच्छता और कीटाणुशोधन सेवा – परिणाम आधारित –सार्वजनिक परिवहन स्थान, वीआईपी रूम, रिटायरिंग रूम, डॉर्मिटरी एंट्रांस बरामदा और सीढ़ी के फर्श एरिया को लाइट ड्यूटी स्क्रबर ड्रायर और मॉप स्टिक की मदद से घिसना और पोछना; इनडोर, सफाई, स्वच्छता और कीटाणुशोधन सेवा – परिणाम आधारित –सार्वजनिक परिवहन स्थान; स्टेशन परिसरों में ग्रेनाइट टाइल वॉल, पिलर बेंच आदि की घिसाई, स्थान हैं प्लेटफॉर्म 1 स्टेशन एंट्रांस गेट, बुकिंग ऑफिस, निरीक्षक रेस्ट रूम, क्रू लॉबी, सफाई, स्वच्छता और कीटाणुशोधन सेवा – परिणाम आधारित –सार्वजनिक परिवहन स्थान; एस्केलेटरों एवं लिफ्ट की सफाई, मेजरमेंट एसीपी शीट, 2966 वर्गफीट 27565 मी2 स्टील बॉडी 1990 वर्गफीट 18494 मी2, सभी उपलब्ध लाइट की सफाई एवं सभी पंखों की सफाई की जाएगी, सफाई, स्वच्छता और कीटाणुशोधन सेवा – परिणाम आधारित –सार्वजनिक परिवहन स्थान; तारापीठ मंदिर के पास बुकिंग काउंटर की गीली सफाई एवं पोछना; इनडोर, सफाई, स्वच्छता और कीटाणुशोधन सेवा – परिणाम आधारित –सार्वजनिक परिवहन स्थान; प्लेटफॉर्म एरिया में झाड़ियां सहित आच्छादित ड्रेन से मैल एवं कीचड़ को साफ करना एवं हटाना और स्टेशन परिसरों से निर्धारित कचरा पेटी में निपटान जिसमें शामिल है..., सफाई, स्वच्छता और कीटाणुशोधन सेवा – परिणाम आधारित –सार्वजनिक परिवहन स्थान; गुड्स पार्सल सर्कुलेटिंग एरिया के अनाच्छादित ड्रेनों से कीचड़ को साफ करना एवं हटाना और स्टेशन परिसरों से निर्धारित कचरे का निपटान; सफाई, स्वच्छता और कीटाणुशोधन सेवा – परिणाम आधारित –सार्वजनिक परिवहन स्थान; प्लेटफॉर्म 12345 के निकट ट्रैक एरिया, गुड्स और पार्सल एरिया की शुष्क सफाई और निर्धारित कचरा पेटी में मैल का निपटान; आउटडोर, सफाई, स्वच्छता और कीटाणुशोधन सेवा – परिणाम आधारित –सार्वजनिक परिवहन स्थान; रामपुरहाट स्टेशन के मालदा टाउन सिरे से लेवल क्रॉसिंग नं. 23बीटी तक एवं रामपुरहाट स्टेशन के हावड़ा सिरे से ईस्ट केबिन तक जिसमें...एरिया शामिल है, के ट्रैक एरिया के बाहरे दोनों तरफ चिथड़े को उठाना, सफाई, स्वच्छता और कीटाणुशोधन सेवा – परिणाम आधारित –सार्वजनिक परिवहन स्थान; प्रति दिन पीवीसी मैल निपटान बैग के प्रावधान के साथ स्टेशन परिसरों की सभी कचरा पेटियों की सफाई और निर्धारित कचरा पेटी में मैल का निपटान, इनडोर, सफाई, स्वच्छता और कीटाणुशोधन सेवा – परिणाम आधारित –सार्वजनिक परिवहन स्थान; स्टेशन परिसरों, स्टेशन बिल्डिंग, फुट ओवर ब्रिज, प्लेटफॉर्म शेड, महिला शौचालय, पुरुष शौचालय, टीएक्सआर रूम, सीडब्ल्यू स्टाफ रूम, सीडब्ल्यू स्टोर रूम, बुकिंग काउंटर में सभी कार्यालयों से झाले की सफाई और संग्रह एवं निपटान अपशिष्ट प्रबंधन सेवा, कचरा पेटियों और जिन स्थानों में संग्रह किया गया है, वहाँ से प्रति दिन लगभग 1056 मी3 को लादने एवं हटाने हेतु ईंधन आदि सहित ड्राइवर, क्लीनर एवं मजदूरों के साथ पूर्ण सज्जित उपयुक्त वाहन का परिवहन एवं आपूर्ति। **अनुमानित बिड मूल्य** : रु.1,12,84,426.542, **ईएमडी का विवरणः एडवाइजरी बैंकः** स्टेट बैंक ऑफ इंडिया। **ईएमडी की राशि** : रु.2,06,422/–, **ईपीबीजी का विवरणः एडवाइजरी बैंकः** स्टेट बैंक ऑफ इंडिया। **ईपीबीजी प्रतिशत(%)** : 5.00, **ईपीबीजी की अपेक्षित अवधि (महीने)**ः 26, **अनुबंध अवधि**ः 2 वर्ष। **बिड पेशकश वैधता (बंद होने की तारीख से) :** 90 दिन। **बिड बंद होने की तारीख/समयः** दिनांक 24.07.2024 को 20.00 बजे। **बिड खुलने की तारीख/समयः** दिनांक 24.07.2024 को 20.30 बजे। **बिडर का न्यूनतम औसत वार्षिक टर्नओवर (3 वर्ष के लिए)**ः रु.57 लाख। **उन्हीं/समान सेवाओं के लिए अपेक्षित विगत अनुभव के वर्ष** : 3 वर्ष। **इसी तरह की सेवाओं का पिछला आवश्यक अनुभव है:** हाँ। **अनुभव के वर्षों से और टर्नओवर के लिए एमएसई को छूट प्राप्त है**ः ना। **अनुभव के वर्षों से और टर्नओवर के लिए स्टार्टअप को छूट प्राप्त है**ः ना। **बिड से रिवर्स नीलामी सक्रिय किया**ः नहीं। **विक्रेता से मांगे गए दस्तावेज** : अनुभव मापदंड, बिडर टर्नओवर, प्रमाणपत्र (एटीसी में अनुरोध किया गया), अतिरिक्त दस्तावेज 1 (एटीसी में अनुरोध किया गया), अतिरिक्त दस्तावेज 2 (एटीसी में अनुरोध किया गया), अतिरिक्त दस्तावेज 3 (एटीसी में अनुरोध किया गया), अतिरिक्त दस्तावेज 4 (एटीसी में अनुरोध किया गया) *यदि कोई बिडर अनुभव/टर्नओवर के मानदंड से छूट चाहता है, तो ऐसी छूट के लिए उनकी पात्रता को प्रमाणित करने वाले समर्थित दस्तावेज क्रेता द्वारा अवश्य ही मूल्यांकन के लिए अपलोड किए जाएं। **बिड का प्रकार** : दो पैकेट बिड। **मूल्यांकन पद्धतिः** कुल मूल्य–वार मूल्यांकन। **तकनीकी मूल्यांकन के दौरान तकनीकी स्पष्टीकरण हेतु अनुमत समयः** 2 दिन। **मूल्य दर्शाने वाला वित्तीय दस्तावेज ब्रेकअप आवश्यक है**ः हाँ।

HWH-154/2024-25

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

संक्षिप्त समाचार

भारी बारिश के चलते यूपी में इस रूट पर ट्रेनों का संचालन बंद, परेशान हुए रेल यात्री

पीलीभीत, एजेंसी। बरेली जाने वाली रेलवे लाइन पर स्थित एक अंडरपास की दीवार ढह गई। इससे ट्रेनों का संचालन प्रभावित हो गया है। बरेली-पीलीभीत के बीच फिलहाल ट्रेनों का संचालन बंद कर दिया गया। उधर, पीलीभीत-शाहजहांपुर रूट पर भी ट्रेन को भी निरस्त कर दिया गया है। रेलवे के तकनीशियन मौके पर पहुंचकर निरीक्षण कर रहे हैं। देवहा नदी में आई बाढ़ के कारण बरेली रोड पर तो पहले से ही कई फीट पानी चल रहा है। अब बाढ़ के पानी से बरेली जाने वाली रेलवे लाइन पर जहानाबाद क्रासिंग के निकट एक अंडरपास की दीवार ढह गई। इससे रेलगाड़ियों का संचालन बंद कर दिया गया है। इसके साथ ही पीलीभीत-शाहजहांपुर रेल खंड पर भी बाढ़ का पानी आने से ट्रेन का संचालन बंद किया गया। पूर्वोत्तर रेलवे इज्जतनगर मंडल के जनसंपर्क अधिकारी राजेंद्र सिंह के अनुसार बरेली रेल खंड पर समपार संख्या 204 की एक दीवार ढह गई है। सूचना मिलने के बाद रेलवे के तकनीशियन मौके पर पहुंच गए हैं। निरीक्षण के बाद तकनीशियन की रिपोर्ट के आधार पर ट्रेनों के संचालन को लेकर निर्णय लिया जाएगा। राजेंद्र सिंह ने बताया कि पीलीभीत-शाहजहांपुर व पीलीभीत- बरेली के बीच फिलहाल ट्रेनों का संचालन बंद कर दिया गया है।

राहुल गांधी के हिंदुओं पर दिए बयान पर नाराज संत समाज, दिल्ली में आज हिंदू शक्ति संगम

नई दिल्ली, एजेंसी। सिनातन धर्म पर सड़क व मंचों के बाद अब संसद से भी हमले से चिंतित संत समाज द्वारा कांस्टीट्यूशन क्लब में आज हिंदू शक्ति संगम का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें हिंदू धर्म पर हमलों के प्रति समाज को जागरूक करने के साथ ही हिंदू समाज में आई कुरीतियों पर भी चर्चा कर कार्ययोजना बनाई जाएगी। इसमें, समाज के वाल्मीकि, रविदासी समेत अन्य तबके के संत शामिल होंगे तो बौद्ध, जैन, सिख व आर्य समाज के संत प्रतिनिधि भी अपना मार्गदर्शन देंगे। हिंदू शक्ति संगम को अखिल भारतीय संत समिति के राष्ट्रीय महामंत्री स्वामी जीतेंद्रानन्द सरस्वती का मार्गदर्शन मिलेगा। इसमें, हाथरस में दुखद घटना को लेकर फर्जी बाबाओं के बढ़ते प्रभाव से समाज को बचाने की चर्चा होगी। वर्ण व्यवस्था के कारण बंटते हिंदू समाज को लेकर भी विमर्श होगा। हाल ही में कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष व लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने हिंदुओं को हिंसक और झूठा बताया था। उसके बाद राम मंदिर आंदोलन को भाजपा का आंदोलन बताकर उसे इस चुनाव में हराने जैसे बयानों को संत समाज गहरे षड्यंत्र के तौर पर देख रहा है।

अब कैदी को हथकड़ी लगा सकेगी पुलिस, एक पीसीआर कॉल पर जाते हैं तीन पुलिसकर्मी

दिल्ली, एजेंसी। पुलिस अब कैदियों को हथकड़ी लगा सकेगी और हथकड़ी में ही कोर्ट में पेश कर सकेगी। नए कानून लागू होने के बाद यह सब संभव हो सकेगा। अब किसी घटना की पीसीआर कॉल होने पर एक नहीं बल्कि तीन पुलिसकर्मी जाते हैं। ये तीनों पुलिसकमी पूरे माहौल को कवर करने के अलावा वीडियोग्राफी करते हैं। ऐसे में अब सबूतों के साथ न छेड़छाड़ हो सकेगी और न ही सबूतों को बदला जा सकेगा। इससे पीडितों को न्याय मिल सकेगा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अब पीसीआर कॉल होने पर तीन पुलिसकर्मी मौके पर भेजे जाते हैं।

दिल्ली में आफत बनी बारिश, खुली दावों की पोल

जलभराव के कारण लगा भीषण जाम, नागरिक हुए परेशान

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली-एनसीआर में कई दिनों से आसमान में बादल छाए हुए हैं। बीच-बीच में अलग-अलग इलाकों में बारिश हो रही है। वहीं मंगलवार सुबह दिल्ली समेत एनसीआर के कई इलाकों में बारिश हुई। वहीं नोएडा में भी बारिश शुरू हो गई है। वर्षा होने से लोगों को गर्मी से राहत मिली है।

दिल्ली बारिश राजधानी दिल्ली में बारिश होने से जहां लोगों ने राहत की सांस ली है तो वहीं कुछ इलाकों में जलभराव की समस्या भी पैदा हो गई। वहीं, जलभराव होने से लोगों को दफ्तर जाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ा है।

नई दिल्ली में हुई वर्षा के कारण आइटीओ, रिंग रोड पर भारी जलभराव हो गया। इससे वाहन चालकों व अन्य लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उधर, बारिश के बाद आईटीओ और विकास मार्ग पर लंबा जाम लगा हुआ है।

वर्षा के बाद पड़पड़गंज में भारी जलभराव हुआ है। सड़कों पर जलभराव होने से लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

मौसमी उतार-चढ़ाव के बीच सोमवार को एक बार फिर से मौसम विभाग का पूर्वानुमान गलत साबित हुआ। येलो अलर्ट के बावजूद कहीं भी अधिक वर्षा नहीं हुई। यह बात अलग है कि

नमी भरी हवाओं ने उमस भरी गर्मी से बहुत हद तक राहत अवश्य दिलवाई।

अधिकतम तापमान में सामान्य से चार डिग्री तक की गिरावट भी देखने को मिली। मौसम विभाग की मानें तो अभी सप्ताह भर ऐसा ही मौसम बना रहेगा। धूप एवं बादलों की लुकाछिपी के बीच सोमवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान सामान्य से चार डिग्री कम 32.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

मंगलवार को लगातार छठे भी दिन दिल्लीवासी इस साल की सबसे साफ हवा में सांस ले रहे हैं। हल्की वर्षा व तेज हवा के असर से वातावरण में मौजूद प्रदूषक तत्व या तो बैठ गए हैं या उड़ गए हैं। हाल फिलहाल यह राहत बने ही रहने के आसार हैं।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) द्वारा जारी एयर क्वालिटी बुलेटिन के मुताबिक, आज दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स 75 है। रविवार और सोमवार को यह महज 56 दर्ज किया गया। यह लगातार छठा दिन है, जब दिल्ली का एक्यूआई 100 से नीचे रहा है।

पर्यावरणविदों का कहना है कि बेशक अभी राजधानी में अच्छी वर्षा नहीं हो रही है। लेकिन आसपास स्थित अन्य राज्यों में हो रही वर्षा का असर भी देखने को मिल रहा है। इसीलिए हवा में थोड़ी ठंडक भी है और उसकी रफ्तार भी तेज है। प्रदूषक तत्व ठहर नहीं पा रहे। इसी के चलते पांच दिनों से एक्यूआई 100 के नीचे चल रहा है। इस श्रेणी की हवा को संतोषजनक श्रेणी में रखा जाता है।

मालूम हो कि राजधानी में जनवरी से लेकर अब तक आठ दिन ऐसे हो गए हैं, जब एक्यूआई 100 के नीचे यानी संतोषजनक श्रेणी में रहा है। अगले दो तीन दिनों के बीच भी साफ-सुथरी हवा का यह स्तर बने रहने के आसार हैं। बीतें सात महीनों में इन आठ दिनों ने नया रिकॉर्ड दर्ज किया है। एनसीआर के शहरों की बात करें तो वहां भी सोमवार को साफ हवा रही। फरीदाबाद का एक्यूआई 129, गाजियाबाद का 42 ग्रेटर नोएडा का 126, गुरुग्राम का 98 जबकि नोएडा का 48 दर्ज किया गया। फरीदाबाद और ग्रेटा नोएडा की हवा मध्यम, गुरुग्राम की संतोषजनक जबकि नोएडा और गाजियाबाद की अच्छी श्रेणी में दर्ज की गई।

नोएडा में सिक्योरिटी गार्डों की दबंगई-युवक को पीट-पीटकर किया अधमरा

नोएडा, एजेंसी। नोएडा के सेक्टर 75 में फ्यूटेक गेटवे सोसायटी में एक युवक को जमकर पीटने का मामला सामने आय है। सोसायटी के गार्ड्स ने युवक को जमकर पीटा है।

नोएडा के फ्यूटेक गेटवे सोसायटी सेक्टर 75 में सिक्योरिटी गार्ड्स द्वारा लाठी डंडों से पिटाई का वीडियो वायरल हो रहा है। गार्डों ने युवक को पीट-पीट कर अधमरा कर दिया है। सोसाइटी के एक फ्लैट में दो युवक अपने दोस्त के यहां आए थे।

पार्टी करने के बाद सोसाइटी के लोगों और मेंटेनेंस के लोगों के साथ कहासुनी हो गई थी। इसके बाद गार्डों ने लाठी डंडों से पिटाई कर दी। यह वीडियो रविवार रात का बताया जा रहा है। इस मामले में कोतवाली सेक्टर 113 पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। सिक्योरिटी सुपरवाइजर को गिरफ्तार कर लिया है।

अमरनाथ यात्रियों की सुविधा के लिए 15 तारीख से चलेगी स्पेशल ट्रेन

नई दिल्ली, एजेंसी। अमरनाथ यात्रा में जाने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे ने विशेष ट्रेन चलाने की घोषणा की है। जबलपुर-श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा विशेष ट्रेन (01707/01708) इस महीने की 15 तारीख से चलेगी। जबलपुर से यह विशेष ट्रेन 15 जुलाई से पांच अगस्त तक प्रत्येक सोमवार को सुबह छह बजे रवाना होकर अगले दिन दोपहर 12.15 बजे श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा पहुंचेगी। सामान्य, शयनयान और वातानुकूलित कोच वाली यह विशेष ट्रेन रास्ते में कटनी मुड़वारा, दमोह, सागर, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, ग्वालियर, मुरैना, आगरा छावनी, मथुरा। फरीदाबाद, हजरत निजामुद्दीन, नई दिल्ली, शकूरबस्ती, रोहतक स्टेशन पर रूकेगी।

छात्रों का दावा- छह विषयों की आधे से अधिक आंसर-की के जवाब गलत

नईदिल्ली, एजेंसी।
नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) अब सीयूईटी-यूजी 2024 की प्रोविजनल आंसर-की को लेकर विवादों में घिर गई है। छात्रों का दावा है कि सीयूईटी-यूजी, 2024 की रविवार को जारी प्रोविजनल आंसर-की में छह से अधिक पेपर के आधे से अधिक उत्तर गलत हैं। इसमें मनोविज्ञान, कानूनी अध्ययन, इकोनोमिक्स, इंग्लिश,बायोलॉजी पेपर के सवालों में सबसे अधिक दिक्कत है। अब छात्र परेशान हैं कि जब एक-एक पेपर के 35 से 36 सवाल ही गलत होंगे तो वे कितने प्रश्नों के उत्तर को चुनौती दें। क्योंकि एक प्रश्न को चुनौती देने के लिए उन्हें 200 रुपये देने होंगे। एनटीए ने कहा है कि सीयूईटी यूजी 2024 को लेकर कुछ छात्रों ने आपत्ति दर्ज की है। जिन छात्रों ने 30 जून तक एनटीए को अपनी आपत्ति भेजी हैं, उसकी कमेटी जांच कर रही है। कमेटी जांच में जिन छात्रों की दिक्कत सही निकलेगी, उनको 15 से 19 जुलाई के बीच दोबारा परीक्षा का मौका मिलेगा।

यह दोबारा परीक्षा कंप्यूटर आधारित होगी। छात्रों का कहना है कि दोबारा परीक्षा के लिए 30 जून की समय-सीमा निर्धारित करना बिल्कुल गलत है। क्योंकि दिक्कत तो अब सामने आ रही हैं। इसलिए दोबारा परीक्षा की मांग करने वाले सभी छात्रों को मौका मिलना चाहिए।

एक अभिभावक ने 34 प्रश्नों के 6800 रुपये जमा किए

एक अभिभावक ने एनटीए को लिखा है कि मनोविज्ञान की आंसर-की

देखने के बाद उनकी बेटी ने 34 प्रश्नों के लिए 6800 रुपये की फीस दी है। मॉस -मीडिया समेत अन्य कंप्यूटर आधारित परीक्षा के भी 35 से 36 प्रश्न गलत हैं। फिजिक्स और केमिस्ट्री में हटाए गए चैप्टर से प्रश्न पूछे गए हैं। डीपीएस अंनतनाग सेंटर के साहिल और मुस्कान उम्मीदवार ने लिखा है कि जनरल टेस्ट पेपर लेट शुरू हुआ, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है। उनको परीक्षा में पूरा समय तक नहीं मिला। जबकि वे दोबारा परीक्षा देने की मांग कर रहे हैं।

इस तरह की गड़बड़ी

उदाहरण के लिए, लीगल स्टडीज पेपर में एक प्रश्न पूछा गया है कि भोपाल गैस त्रासदी के मद्देनजर भारत सरकार ने संविधान के किस अनुच्छेद के तहत 1986 का पर्यावरण संरक्षण अधिनियम लागू किया था। एनसीईआरटी पुस्तकों के अनुसार, सही उत्तर अनुच्छेद 253 (प्रश्न पत्र का विकल्प 4) होगा। हालाँकि, अनंतिम उत्तर कुंजी के अनुसार सही विकल्प अनुच्छेद 38 (प्रश्न पत्र पर विकल्प 2) है।

इसी तरह, कंप्यूटर साइंस पेपर में, एआरपीएएनईटी के पूर्ण रूप का उत्तर, जो किताबों के अनुसार एडवांस्ड रिसर्च प्रोजेक्ट्स एजेंसी नेटवर्क है, को उत्तर कुंजी में स्वचालित रिसर्च प्रैक्टिकल एप्लिकेशन नेटवर्क के रूप में चिह्नित किया गया है।

राजधानी में अभी तक डेंगू के 200 मामले, मंत्री सौरभ भारद्वाज ने तैयारियों को लेकर दी जानकारी

नई दिल्ली, एजेंसी। डेंगू की तैयारियों पर दिल्ली के मंत्री सौरभ भारद्वाज न आज पत्रकारों से बातचीत में कहा कि सभी संबंधित एजेंसियों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है कि उनके अधीन क्षेत्रों में मच्छरों का प्रजनन न हो। अस्पतालों को संबंधित दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है। विभाग ने छात्रों को स्कूल में पूरी बाजू की शर्ट और पैंट पहनने की सलाह देने का निर्देश दिया है, अब तक शहर में लगभग 200 डेंगू के मामले हैं। राजधानी में डेंगू, चिकनगुनिया जैसी मच्छर जनित बीमारियां बढ़ रही हैं। आंकड़े बताते हैं कि इस बार पिछले पांच वर्षों के मुकाबले डेंगू के मामले अधिक रिपोर्ट हुए हैं। इस बीच दिल्ली सरकार ने सोमवार को अपने अस्पतालों के चिकित्सा अधीक्षकों व निदेशकों के साथ बैठक कर अस्पतालों को डेंगू, चिकनगुनिया व मलेरिया के इलाज के लिए बेड आरक्षित करने व पर्याप्त मात्रा में आवश्यक दवाएं रखने का निर्देश दिया है।

किडनी ट्रांसप्लांट रैकेट का पर्दाफाश, नामी महिला डॉक्टर समेत सात गिरफ्तार; दिल्ली से लेकर बांग्लादेश तक जुड़े तार

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की टीम ने किडनी ट्रांसप्लांट रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए एक नामी डॉक्टर समेत सात आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की जांच में पता चला कि इस रैकेट के तार दिल्ली से लेकर बांग्लादेश तक जुड़े हुए हैं।

गिरफ्तार आरोपितों से टीम ने पूछताछ की। पूछताछ में पता चला कि आरोपित महिला डॉक्टर चेन्नई से ताल्लुक रखती हैं। वह दिल्ली में आकर रहने लगी थीं, इसी दौरान वह एक रैकेट से जुड़ गई। इसके बाद इस 50 वर्षीय महिला नामी डॉक्टर ने रैकेट के साथ मिलकर काफी समय तक काम किया। बताया गया कि गिफ्तार किए गए आरोपितों में एक ट्रांसलेटर और तीन बांग्लादेशी भी शामिल हैं। वहीं दिल्ली-एनसीआर के दो बड़े नामी अस्पताल भी शक के दायरे में आ गए हैं, जिनसे दिल्ली पुलिस की टीम पूछताछ कर रही है। पुलिस के अनुसार, ये आरोपित 20 से 30 लाख रुपये में किडनी बेच देते थे। बांग्लादेश के ही डोनर और रिसीवर दोनों होते थे। जांच में पता चला कि 2019 से ऑर्गन रैकेट चला रहे थे। गिरफ्तार आरोपितों में दिल्ली के नामी हॉस्पिटल की किडनी सर्जन डॉक्टर विजया कुमारी शामिल हैं। बताया गया कि महिला डॉक्टर अस्पताल में केस के लिए लगातार आती थीं। अब महिला डॉक्टर को सस्पेंड कर दिया गया है।

आरोपितों के पास से बांग्लादेश हाई कमीशन के कई फर्जी दस्तावेज भी बरामद किए गए हैं। एक किडनी डोनर से 4-5 लाख में लेते थे और रिसीवर को 20 से 25 लाख में बेचते थे।

यह महिला डॉक्टर हर सर्जरी का दो लाख रुपये लेती थीं। डॉक्टर ने अधिकतर सर्जरी नोएडा के एक नामी अस्पताल में की थी। वहीं, डोनर और रिसीवर को दिल्ली के जसोला के एक फ्लैट में रखा जाता था।

आंखों में होने वाले यूवाइटिस रोग की पहचान अब होगी आसान, एम्स ने अध्ययन कर की प्राथमिक कारण की पहचान

नईदिल्ली, एजेंसी।
विशेषज्ञों का कहना है कि भारत में प्रति एक लाख लोगों में 730 में इस बीमारी की आशंका रहती है। मौजूदा समय में रोग का इलाज नहीं है। यह रोग 20 से 50 साल की आयु वर्ग में होने की सबसे ज्यादा आशंका रहती है। ऐसे में डॉक्टर उम्मीद कर रहे हैं कि शोध के बाद रोग को बढ़ने से रोका जा सकेगा।

लोगों की रोशनी छिन रहा ऑटोइम्यून डिजीज यूवाइटिस रोग की पकड़ अब आसान हो सकेगी। एम्स के विशेषज्ञों ने एक अध्ययन करके इस रोग के प्राथमिक कारणों को जाना है। आने वाले दिन में और शोध कर रोग का इलाज भी तलाशा जाएगा। एम्स के बायोटेक्नोलॉजी व आरपी सेंटर के डाक्टरों व विशेषज्ञों ने मिलकर यह शोध किया है। यह शोध हाल ही में अंतरराष्ट्रीय मेडिकल

जर्नल इम्युनोलाजी लेटर्स में प्रकाशित हुआ है। विशेषज्ञों का कहना है कि भारत में प्रति एक लाख लोगों में 730 में इस बीमारी की आशंका रहती है। मौजूदा समय में रोग का इलाज नहीं है। यह रोग 20 से 50 साल की आयु वर्ग में होने की सबसे ज्यादा आशंका रहती है। ऐसे में डॉक्टर उम्मीद कर रहे हैं कि शोध के बाद रोग को बढ़ने से रोका जा सकेगा। साथ ही भविष्य में विस्तार से शोध होने पर इसका इलाज भी खोजा जा सकेगा। शोध में भागीदार व एम्स के बायोटेक्नोलॉजी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डा. रूपेश के श्रीवास्तव ने बताया टीएच 17 व टी-रेग सेल खून के अलावा आंखों की जेल (एक्विअस ह्यूमर) में भी पाए जाते हैं। खून में टीएच 17 व टी-रेग सेल के असंतुलन से आंखों में यूवाइटिस होने की आशंका होती है। ऐसे में खून में टीएच 17 व टी-रेग सेल में असंतुलन की जांच कर आंखों में होने वाले यूवाइटिस की पहचान की जा सकती है। पहचान होने से इलाज जल्दी शुरू हो सकता है और आंख की रोशनी बच सकती है। उनका कहना है कि खून में टीएच 17 व टी-रेग सेल के बीच असंतुलन से सूजन व आटोइम्यून की कई अन्य बीमारी होने की बात पहले कुछ शोधों में सामने आ चुकी है, लेकिन आंखों के तरल पदार्थ में होते हैं, यह बात पहले किसी शोध में सामने नहीं आई थी। 20 मरीजों पर हुआ शोध इस शोध में 10 पीड़ित मरीज और दस स्वस्थ लोग शामिल किए गए। शोध में पाया गया कि आंखों की जेल (एक्विअस ह्यूमर) टीएच17 व टी-रेग सेल थे। यूवाइटिस से पीड़ित मरीजों की आंखों से लिए गए सैंपल में टीएच17 बढ़ा हुआ था और टी-रेग सेल कम हो गया था। इसके बाद ब्लड से सैंपल लेकर उसका तुलनात्मक अध्ययन किया गया। जिसमें पाया गया कि यूवाइटिस से पीड़ित मरीजों के ब्लड़ में भी टीएच17 बढ़ गया था और टी-रेग सेल कम हो गया था।

भारत के 30 प्रतिशत क्षेत्र में उपजाऊ मिट्टी का क्षरण, मिट्टी की बिगड़ती सेहत पैदा कर सकती है खाद्य संकट

नई दिल्ली, एजेंसी।
खाद्यान्न सुरक्षा के लिए मिट्टी की सेहत का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। लेकिन अंधाधुंध खेती, रासायनिक उर्वरकों का इस्तेमाल और औद्योगिकीकरण से मिट्टी की सेहत बिगड़ रही है। भारत सहित पूरी दुनिया में मिट्टी की उत्पादक शक्ति में पिछले कुछ दशकों में कमी आई है। युनाइटेड नेशन एजुकेशनल, साइंटिफिक एंड कल्चरल ऑर्गनाइजेशन (यूनेस्को) ने चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि 2050 तक पृथ्वी की 90 प्रतिशत उपजाऊ भूमि का क्षरण हो सकता है। इससे आने वाले समय में वैश्विक जैव विविधता और मानव जीवन के लिए बड़ा संकट पैदा होगा। गौरतलब है कि मरुस्थलीकरण के विश्व एटलस के अनुसार, 75 फीसदी उपजाऊ मिट्टी का क्षरण पहले ही हो चुका है, जिसका सीधा असर 3.2 अरब लोगों पर पड़ रहा है। यदि यही स्थिति बनी रही तो 2050 तक स्थितियां बेहद गंभीर हो सकती हैं। साइंस जर्नल में

प्रकाशित एक अध्ययन के मुताबिक भारत में मिट्टी के अम्लीय होने से अगले 30 सालों में मिट्टी की ऊपरी 0.3 मीटर सतह से 3.3 बिलियन टन अकार्बनिक कार्बन का नुकसान हो सकता है।

पृथ्वी पर जीवन को बनाए रखने में मिट्टी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, फिर भी अक्सर इसकी उपेक्षा की जाती है। इसका प्रबंधन ठीक से नहीं किया जाता। यूनेस्को की ओर से मोरक्को में आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान संगठन के 194 सदस्य देशों से अपील की गई है कि वो अपनी मिट्टी के संरक्षण को प्राथमिकता दें। वहीं मिट्टी की उर्वराशक्ति को बढ़ाने के लिए भी प्रयास करें। कार्यक्रम के दौरान यूनेस्को ने अपने अंतरराष्ट्रीय भागीदारों के साथ मिलकर विश्व मृदा स्वास्थ्य सूचकांक स्थापित करने की भी बात कही है। यह सूचकांक अलग अलग क्षेत्रों और पारिस्थितिकी प्रणालियों में मृदा गुणवत्ता के विश्लेषण और तुलना के लिए मानकीकरण उपाय में मदद करेगा।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली द्वारा 2024 में किए गए एक अध्ययन के अनुसार, भारत के 30त्न भूभाग में उपजाऊ मिट्टी का क्षरण हो रहा है, और 3त्न क्षेत्र में विनाशकारी रूप से उपजाऊ मिट्टी की क्षति हो रही है। इसका मतलब है कि भारत प्रति वर्ष प्रति हेक्टेयर 20 टन से अधिक उपजाऊ मिट्टी खो देता है। अब तक 1,500 वर्ग किलोमीटर से अधिक उपजाऊ भूमि का नुकसान हो चुका है। असम और ओडिशा में ब्रह्मपुत्र घाटी में मिट्टी का क्षरण सबसे तेजी से हो रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक शिवालिक और हिमालय से आसपास के क्षेत्र भी गंभीर रूप से उपजाऊ मिट्टी के नुकसान से प्रभावित हैं।

खेती के लिए रसायनों के अंधाधुंध इस्तेमाल और औद्योगिक गतिविधियों के चलते भारत में मिट्टी तेजी से अम्लीय होती जा रही है। साइंस जर्नल में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार, भारत में मिट्टी के अम्लीय होने से अगले 30 वर्षों में मिट्टी की ऊपरी 0.3 मीटर सतह से 3.3 बिलियन टन अकार्बनिक कार्बन की हानि हो सकती है। चीन के इंस्टीट्यूट ऑफ सॉयल के वैज्ञानिकों की ओर से किए गए एक अध्ययन में कहा गया है कि आने वाले समय में मिट्टी में मौजूद कार्बन के नुकसान के सबसे ज्यादा मामले भारत और चीन में देखे जा सकते हैं। इन देशों में नाइट्रोजन की मात्रा के कारण मिट्टी में अम्लता भी बढ़ रही है।

विचार-मंथन

संपादकीय

मणिपुर का दर्द

मणिपुर पिछले एक वर्ष से ज्यादा समय से अशांति और हिंसा के दौर से गुजर रहा है। सरकार की ओर से तमाम कवायदों के बावजूद आज भी हालात में कोई बड़ा बदलाव आता नहीं दिख रहा है। जाहिर है, मुख्य रूप से मैतेई और कुकी समुदायों के बीच चल रहे हिंसक टकराव की आग में आम लोग झुलस रहे हैं और इस पर काबू पाने में सरकार नाकाम रही है। दरअसल, लोकतंत्र और शासन के बुनियादी सिद्धांतों के तहत कम से कम सरकार को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि वह इस संघर्ष के दौरान किसी खास तबके के पक्ष में या किसी के खिलाफ न दिखे। मगर मणिपुर में सरकार पर ऐसे आरोप कई बार लगाए गए कि वह मैतेई समुदाय के लिए नरम रुख और कुकी समुदाय के प्रति उपेक्षा का भाव रखती है। इस क्रम में सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को सरकार के प्रति सख्त नाराजगी जाहिर करते हुए उसे इस बात के लिए कठघरे में खड़ा किया कि एक व्यक्ति को सिर्फ इसलिए अस्पताल नहीं ले जाया गया क्योंकि वह अल्पसंख्यक कुकी समुदाय से था। गौरतलब है कि मणिपुर में अब भी कुकी और मैतेई समुदाय के बीच टकराव जारी है। मगर कम से कम सरकार की जिम्मेदारी होती है कि वह अपने क्षेत्राधिकार में हर नागरिक के प्रति समान बर्ताव करे, बिना किसी भेदभाव के सबके लिए सुरक्षित और सहज जीवन सुनिश्चित करे। जरूरत इस बात की है कि राज्य सरकार किसी समुदाय के प्रति पूर्वाग्रहों के बिना शांति-व्यवस्था कायम करे। किसी बीमार या जरूरतमंद व्यक्ति की मदद से बचने के लिए अगर कानून-व्यवस्था बिगड़ने की आशंका को कारण बताया जाता है, तो सवाल है कि इसे बहाल करने और रखने की जिम्मेदारी किसकी है? हालत यह है कि राज्य में दो समुदायों के बीच हिंसा के एक वर्ष से ज्यादा बीत चुके हैं, एक ओर, केंद्र सरकार संसद में यह आश्वासन दे रही है कि मणिपुर में शांति की आशा और भरोसा करना संभव हो रहा है, वहीं सुप्रीम कोर्ट को यह टिप्पणी करनी पड़ रही है।

आस्था के नाम पर त्रासदी और बेखबर सरकार

हाथरस में एक सत्संग के दौरान हुए हादसे की न्यायिक जांच की घोषणा हो गई है और इस तरह अब इसके सहारे सरकार इस घटना पर उठने वाले सवालों के शांत होने की उम्मीद कर रही है। अब इस जांच के नतीजे कब आएंगे, किसकी जिम्मेदारी तय की जाएगी, क्या कार्रवाई होगी, यह सरकार की इच्छाशक्ति पर निर्भर है। मगर इस घटना में जो हुआ, उसने न केवल किसी स्वयंभू बाबा और उसके समूह को, बल्कि सरकार और समूचे प्रशासन-तंत्र को कठघरे में खड़ा किया है। हालत यह है कि एक बाबा के कथित सत्संग के आयोजन को लेकर तो सभी स्तरों पर लापरवाही बरती ही गई, उससे उपजी अव्यवस्था की वजह से मची भगदड़ में कम से कम एक सौ इक्कीस लोगों के मारे जाने के बाद कार्रवाई के मामले में भी पुलिस और प्रशासन का जो रुख सामने आया है, वह हैरान करने वाला है। खबरों के मुताबिक भगदड़ के बाद छह सेवादार भाग गए थे, जिन्हें बाद में गिरफ्तार कर लिया गया, लेकिन मुख्य आरोपी को पकड़ने के लिए एक लाख रुपए इनाम की घोषणा की गई। इसके अलावा, पुलिस का कहना है कि अगर जरूरत पड़ी तो 'भोले बाबा' से भी पूछताछ की जाएगी। हालांकि इसका कोई संतोषजनक जवाब सामने नहीं आया है कि बाबा का नाम पुलिस के पास दर्ज प्राथमिकी में क्यों नहीं है! सवाल है कि आस्था के नाम पर सामने आई त्रासदी के लिए अगर सत्संग के आयोजकों की जिम्मेदारी बनती है, तो इस व्यापक लापरवाही में प्रशासन भी अपनी जवाबदेही से कैसे बच सकता है? अस्सी हजार लोगों की जुटान की इजाजत दे दी गई और ढाई लाख लोगों का जमावड़ा हो गया तो यह किसके आंख मूंद लेने की वजह से हुआ? इतनी बड़ी तादाद में लोगों के वहां आने के बाद प्रशासन ने क्या ऐसा किया ताकि आपात स्थितियों में बचाव हो सके? जिस राज्य में आए दिन सरकार किसी भी कोने में छिपे अपराधियों को काबू में करने का दावा करती रहती है, उसमें पुलिस और खुफिया तंत्र के इतने बड़े जाल के बावजूद 'भोले बाबा' कैसे फरार हो गया? सब कुछ दुरुस्त होने के दावे के बीच एक बाबा भारी संख्या में लोगों को जुटा कर अपनी महिमा का बखान करता रहा। फिर भगदड़ के बाद उसके फरार हो जाने पर पुलिस उसे पकड़ नहीं पा रही और प्राथमिकी तक में उसका नाम नहीं है तो इसके पीछे क्या वजहें हैं? सच यह है कि इस तरह बाबाओं के समाज या साधारण लोगों के बीच पांव पसारने और उन्हें मन-मुताबिक संचालित करने के लिए भी सरकार की जिम्मेदारी बनती है।

यूरोपीय हवा के उलट ब्रिटेन का परिणाम

(हर्ष वी पंत, प्रोफेसर, किंग्स कॉलेज लंदन)

ब्रिटेन में समय-पूर्व चुनाव कराने का प्रधानमंत्री ऋषि सुनक का दांव इस कदर उल्टा पड़ जाएगा, इसका अंदेशा संभवत- उनको भी नहीं होगा। वह मानकर चल रहे थे कि चुनावी समर में वह न सिर्फ कंजर्वेटिव पार्टी को उबार पाएंगे, बल्कि जनता में अपनी छवि भी सुधार सकेंगे। मगर शुक्रवार को आए चुनाव नतीजों में उन्हें बुरी तरह मुंह की खानी पड़ी है। बीते 14 वर्षों से कंजर्वेटिव सत्ता में थी, लेकिन इस बार कीर स्टार्मर के नेतृत्व में लेबर पार्टी ने उसे ऐतिहासिक मात दी है। इतना ही नहीं, निजेल फराज की पार्टी 'रिफॉर्म यूके' का उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन या स्कॉटलैंड में 'स्कॉटिश नेशनल पार्टी' की हार भी ब्रिटिश राजनीति में आए आमूल-चूल बदलाव के संकेत दे रही है। प्रधानमंत्री सुनक ने हार की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। मगर देखा जाए, तो वह कंजर्वेटिव पार्टी का बोझ ही ढो रहे थे। बेशक पार्टी को मात मिली है, लेकिन सुनक को इसके लिए जिम्मेदार ठहराना जल्दबाजी होगी। इस हार के कई कारण हैं। सबसे पहला, सत्ता-विरोधी रुझान। ब्रिटेन में दरअसल सत्ता-परिवर्तन का एक लंबा चक्र चलता रहा है। मसलन, 1979 से 1997 तक वहां कंजर्वेटिव का शासन रहा, फिर लेबर पार्टी सत्ता में आई। वह 2010 तक सरकार चलाती रही, जिसके बाद कंजर्वेटिव को फिर से ताज मिला। यही कारण था कि चुनाव से पहले ही लेबर पार्टी के सत्ता में लौटने का अनुमान जताया जा रहा था। हां, इतनी भारी जीत का आकलन शायद ही था। दूसरी वजह है, कंजर्वेटिव पार्टी की आंतरिक समस्या। इसे 'पार्टी ऑफ गवर्नेंस' कहा जाता है, यानी यह शासन करने के लिए बनी है, पर इसमें अनुशासन का अभाव स्पष्ट दिखा। पार्टी की असल कमान किसके हाथों में है, यह शायद ही किसी को पता था। साल 2019 के बाद से सरकार चलाने वाले बोरिस जॉनसन और लिज ट्रस जैसे प्रधानमंत्री तमाम तरह के आरोपों में घिरे, जिसके बाद ऋषि सुनक को बतौर क्षतिपूर्ति लाया गया। उन्होंने कोशिशें जरूर कीं, लेकिन

> *स्टार्मर ने सबसे पहले वाम नीतियों की ओर बढ़ चली अपनी पार्टी को मध्यमार्ग पर लौटाया और फिर यहूदी समाज के साथ भेदभाव करने संबंधी आम धारणा मिटाई। पार्टी ने अपने लोगों पर भी कार्रवाई की, जिससे जनता में इसकी छवि सुधरी। चुनाव-अभियान के दौरान इसने कंजर्वेटिव की नीतियों पर हमला बोला, लोगों की जीवनशैली को बेहतर बनाने का आश्वासन दिया।*

उनके पास इतना समय नहीं था कि वह पार्टी की पुरानी गलतियों को सुधार सकें। नतीजतन, पार्टी न ढंग से शासन कर सकी और न चुनाव जीतने के लिए जरूरी योजनाओं पर अमल कर सकी। तीसरी वजह है, नीतिगत चूक। जनवरी, 2020 में यूरोपीय संघ से बाहर निकलने और कोविड के बाद सुस्त पड़ी अर्थव्यवस्था को संभालने में पार्टी बुरी तरह नाकाम रही। लोगों में यह नाराजगी थी कि महंगाई बढ़ती जा रही है, उनका रहन-सहन खर्चीला होता जा रहा है, स्वास्थ्य योजनाएं ठीक से काम नहीं कर रही हैं, और सरकार जन-समस्याओं को दूर करने के बजाय अंदरूनी मुश्किलों में उलझी हुई है। हालांकि, सुनक के आने के बाद वहां की आर्थिकी कुछ हद तक पटरी पर लौटती दिखी, लेकिन प्रधानमंत्री के प्रयास लोगों का भरोसा जीतने में नाकाफी साबित हुए। एक तरफ सुस्त अर्थव्यवस्था लोगों की पेशानी पर बल ला रही थी, तो दूसरी तरफ अन्य देशों से आ रहे प्रवासी एक बड़ी समस्या बनते दिख रहे थे। सुनक ने भी माना कि ब्रिटेन में आव्रजन दर अधिक है, जिसे कम करने के लिए जरूरी कदम उठाए जाने चाहिए। मगर लगता है, उनकी बातें जनता पर असर नहीं डाल सकीं। लिहाजा, उनकी आर्थिक नीतियों से खफा लोगों ने लेबर पार्टी पर भरोसा जताया, तो आप्रवासन के मसले पर आक्रामक निजेल फराज की पार्टी 'रिफॉर्म यूके' ने कंजर्वेटिव के वोट हड़पे। रही बात लेबर की, तो इसके लिए भले कहा जाता हो कि इसमें अनुशासन का अभाव रहता है, लेकिन स्टार्मर के नेतृत्व में इस दल ने खुद को साबित किया है। स्टार्मर ने सबसे पहले वाम नीतियों की ओर बढ़ चली अपनी पार्टी को मध्यमार्ग पर लौटाया और फिर यहूदी समाज के साथ भेदभाव करने संबंधी आम धारणा मिटाई। पार्टी ने अपने लोगों पर भी कार्रवाई की, जिससे जनता में इसकी छवि सुधरी। चुनाव-अभियान के दौरान इसने कंजर्वेटिव की नीतियों पर हमला बोला, लोगों की जीवनशैली को बेहतर बनाने का आश्वासन दिया और सुशासन व निवेश की जोरदार वकालत की। संगठनात्मक बदलाव का भी नतीजा रहा कि पार्टी को इतनी भारी जीत मिली है। दिलचस्प यह भी है कि ऐसे वक्त में, जब यूरोप में दक्षिणपंथी राजनीति अपना आधार बढ़ा रही है, ब्रिटेन ने वामपंथ की ओर झुकाव रखने वाली मध्यमार्गी पार्टी पर भरोसा जताया है। यह ब्रेग्जिट के दिनों की पुनरावृत्ति जैसी है, क्योंकि जब ब्रिटेन यूरोपीय संघ से बाहर निकलने को तत्पर था, तब सभी यूरोपीय देश संघ की एकजुटता की वकालत किया करते थे। हालांकि, ब्रिटेन में रिफॉर्म यूके की जीत का मतलब यही है कि दक्षिणपंथ का आधार अब भी व्यापक है और शायद कंजर्वेटिव का उस पर अब उतना दावा नहीं रहा। ऐसे में, नजर इस बात पर बनी रहेगी कि कंजर्वेटिव नेता इस हार से क्या सबक लेते हैं? बहरहाल, लेबर पार्टी के सत्तासीन होने के बाद भी ब्रिटेन की विदेश नीति में शायद ही बहुत बड़ा बदलाव होगा। ऐसा इसलिए, क्योंकि कंजर्वेटिव की विदेश नीतियों को कमोबेश उसने मंजूरी दी थी। चाहे ब्रेग्जिट के बाद 'ग्लोबल ब्रिटेन', यानी बाकी दुनिया से राब्ता रखने संबंधी नीतियों का मसला हो या हिंद प्रशांत में ब्रिटेन की भूमिका का या फिर अमेरिका से रिश्ते- इन सबमें निरंतरता बनी रहने की संभावना ही अधिक है। इसी कारण, भारत से जुड़ी ब्रिटिश नीतियों में शायद ही कोई फेरबदल हो सकेगा। दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौता एक बड़ा मसला है, जिसमें कंजर्वेटिव पार्टी विशेष रुचि ले रही थी, पर किसी कारणवश हो नहीं सका है। चूंकि बतौर विपक्ष लेबर पार्टी ने भी इसकी हामी भरी थी, इसलिए उम्मीद है, यह समझौता जल्द साकार हो सकता है। पार्टी ने कहा भी है कि वह यह सुनिश्चित करेगी कि ब्रेग्जिट बेहतर तरीके से काम करे, यूरोपीय संघ के साथ नया समझौता हो और अन्य देशों के साथ रिश्तों को गति मिले। जाहिर है, भारत के साथ सामरिक संबंध को और मजबूत किया जा सकता है। स्टार्मर ने कहा है कि दोनों देशों के रिश्तों पर इतिहास की छाया रही है। इसे दूर करते हुए 'नए भारत' के साथ आगे बढ़ने पर जोर दिया जाएगा। यहां एक दिलचस्प बात यह भी है कि पहले भारत को लेकर लेबर और कंजर्वेटिव में मतभेद रहा करते थे, लेकिन स्टार्मर ने इस अंतर को पाट दिया है, जो भारत के लिए एक शुभ संकेत है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

क्या आपसी भिड़ंत से आगे भी बढ़ेगी संसद

(राज कुमार सिंह)

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव को लेकर हुई चर्चा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के भाषण और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उत्तर से साफ है कि चुनाव के एक महीने बाद भी दोनों पक्ष चुनावी मानसिकता से नहीं उबर पाए हैं। अन्य वक्ता भी इस सोच से मुक्त नहीं दिखे। पिछली दो लोकसभाओं में सत्ता पक्ष का जबरदस्त बहुमत था। 2014 में 16वीं लोकसभा में भाजपा ने तीन दशक लंबे अंतराल के बाद अकेले दम बहुमत हासिल कर सबको चौंका दिया था। वहीं, 17वीं लोकसभा में उसकी सीटें बढ़कर 303 हो गईं। फिर भी उसने एनडीए सरकार बनाकर दूरदर्शिता का परिचय दिया। लेकिन, दोनों ही लोकसभाओं में नेता प्रतिपक्ष की अनुपस्थिति से सत्तापक्ष और विपक्ष के रिश्तों में खटास का अंदाजा लगाया जा सकता है। लंबे अरसे से लोकसभा में डेप्युटी स्पीकर पद विपक्ष को देने की भी परंपरा रही। 16वीं लोकसभा में भाजपा ने यह पद अपने मित्र दल एआईएडीएमके को दिया तो 17वीं लोकसभा में यह संवैधानिक पद खाली ही रह गया। इस बार भाजपा ने ओम बिड़ला को ही स्पीकर बनाना पसंद किया है। डेप्युटी स्पीकर पद पर अभी तक खामोशी है। विपक्ष ने साफ कहा है कि अगर उसे परंपरा के अनुरूप डेप्युटी स्पीकर पद नहीं मिला तो वह अयोध्या से जीते अवधेश प्रसाद को उम्मीदवार बनाएगा। चुनाव परिणामों से हार-जीत का फैसला हो जाने के बाद भी सत्तापक्ष और विपक्ष परस्पर शक्ति परीक्षण का कोई मौका चूकते नहीं दिख रहे। नई लोकसभा का पहला सत्र इसका प्रमाण रहा। पहले तो नीट में हुए कथित घोटाले पर चर्चा को लेकर लोकसभा में हंगामा हुआ। बाद में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा शुरू हुई तो देश-समाज के ज्वलंत मुद्दों पर गंभीर विमर्श के बजाय एक-दूसरे पर राजनीतिक निशाने साधे गए। ऐसा लगा कि दोनों पक्ष चुनाव प्रचार की मानसिकता से बाहर नहीं निकल पाए हैं या फिर इसी साल अक्तूबर में होने वाले हरियाणा, महाराष्ट्र और झारखंड तथा अगले साल फरवरी में होने वाले दिल्ली और बिहार विधानसभा चुनावों की तैयारी में जुट गए हैं। लोकसभा में धन्यवाद प्रस्ताव पर लगभग 18 घंटे की चर्चा देश-समाज के सरोकारों से परे दोनों पक्षों के राजनीतिक निहितार्थों पर केंद्रित रही, जो संसदीय लोकतंत्र के लिए शुभ नहीं। चार जून को आए लोकसभा चुनाव परिणाम किसी भी पक्ष की अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं रहे। ज्यादातर राजनीतिक प्रेक्षकों का आकलन रहा कि जनता ने सत्तापक्ष को नियंत्रण में लाते हुए और विपक्ष को ताकत देते हुए परस्पर समन्वय से संसद और सरकार चलाने का जनादेश दिया है। लेकिन, संसद में आचरण-व्यवहार से नहीं लगता कि दोनों में से कोई भी पक्ष ऐसा करने के मूड में है। नई लोकसभा के पहले ही सत्र में सत्तापक्ष और विपक्ष ने एक-दूसरे के प्रति उपेक्षापूर्ण और असम्मानजनक व्यवहार दिखाया है। इससे आशंकाएं गहराने लगी हैं कि संसद कहीं और पांच साल दलों और नेताओं की कटुता और राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं की बंधक तो नहीं बनी रहेगी? राष्ट्रपति का अभिभाषण केंद्र सरकार तैयार करती है। स्वाभाविक ही उसमें सरकार की उपलब्धियों और आगामी योजनाओं का गुणगान होता है, पर दलों और उनके सांसदों से अपेक्षा की जा सकती है कि वे उस पर चर्चा करते हुए भी देश-समाज के समक्ष मौजूद ज्वलंत मुद्दों से मुंह न चुराएं। दो लोकसभाओं के बाद इस बार राहुल गांधी के रूप में सदन को नेता प्रतिपक्ष मिला। धन्यवाद प्रस्ताव पर एक जुलाई को उनके डेढ़ घंटे से भी लंबे भाषण की चर्चा भी बहुत है। राहुल की राजनीतिक समझ, भाषण शैली और आत्मविश्वास में सुधार दिखता है। उन्होंने साल भर से भी ज्यादा समय से जातीय हिंसा की आग में जल रहे मणिपुर से लेकर 24 लाख छात्रों के भविष्य से जुड़े नीट समेत जनहित के कई मुद्दे भी उठाए। लेकिन, क्या उसके लिए पीएम मोदी और भाजपा पर तल्ख भाषा और चुनाव प्रचार की शैली में हमले करना जरूरी था? हिंदू होने, न होने का प्रमाणपत्र बांटने के लिए तो संसद नहीं है। पीएम मोदी और उनके पांच मंत्रियों ने जिस तरह राहुल के भाषण के बीच हस्तक्षेप किया, वह भी अवांछित था। अपनी बारी आने पर हर सवाल का विस्तार से जवाब दिया जा सकता था।

सुडोकू पहेली — क्रमांक- 5426

	9	5			3	2	1	
7						5		9
2	8		6	9				4
							7	
			2	1	8			
	5							
1				4	2		8	5
9		8						7
	4	6	3			1	9	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5425

3	7	9	4	5	2	8	6	1
1	8	6	3	7	9	5	4	2
4	2	5	6	8	1	9	3	7
9	1	2	7	4	5	6	8	3
6	4	3	2	1	8	7	5	9
8	5	7	9	3	6	1	2	4
7	3	8	1	6	4	2	9	5
2	6	4	5	9	7	3	1	8
5	9	1	8	2	3	4	7	6

वर्ग पहेली 5426

1		2	3	■	4		5
	■	6		7		■	
8			■		■	9	
	■	■	10				■
11	12		■		■	13	14
15		■	16			■	
	■	17			■	18	
19		■		■	20		

संकेत: बाएं से दाएं

1. इस क्रांतिकारी को भगतसिंह के साथ फांसी पर चढ़ाया गया था (4)
4. पृथ्वी के ऊपर की सतह (3)
6. कथन, दो या अधिक व्यक्तियों के बीच वार्तालाप (4)
8. अपना मतलब निकालने वाला, कुशल, चालाक (3)
9. किसी नगर या कस्बे में पहुंचने का प्रवेश स्थल (2)
10. किसी बड़े स्थान को घेरने के लिए लगया गया तंबू (4)
11. तलाश करने के किया जाने वाला प्रयत्न (3)
13. बेटी के बेटे को यह कहते है (2)
15. शिकस्त, पराजय, माता का अपभ्रंश (2)
16. धूल आदि साफ करने के लिए उपयुक्त होने वाली वस्तु (3)
17. बुलावा, उपस्थित होने के लिए जोर से बुलावा (3)
18. स्त्री जाति का प्राणी (2)
19. सख्त होने का भाव (2)
20. आसान, सरल, सामान्य, साधारण (3)

ऊपर से नीचे

1. संत तुलसीदास की प्रसिद्ध धार्मिक कृति (8)
2. उद्‌गार, धूल, गर्द (3)
3. ऋतु का अपभ्रंश (2)
4. बीता हुआ, अतीत, पिशाच, प्रेत (2)
5. छोटी लता को यह कहा जाता है (3)
7. मुख्यमंत्री (अंग्रेजी)(6)
9. सनिश्चय नहीं, बिल्कुल नहीं (3)
12. पद प्रहार, ठोकर, पदाघात (2)
14. तीर से लक्ष्य को भेद करने वाला (4)
16. यह सेनेगल देश की राजधानी है, उर्ध्ववायु (3)
18. तीस दिनों का समय, मास (2)

वर्ग पहेली 5425 का हल

व	छु	भ	भा	ई	प	टे	ल
सी	■	न	न	■	ह	ल	क
य	म	क	■	को	ला	र	■
त	ला	■	श	शि	■	■	आ
ना	या	ब	■	श	ह	ना	ई
मा	■	द	म	■	म	ना	ना
■	आ	ल	म	आ	स	■	■
जा	ग	ना	■	न	ज	स	ना

आज का राशिफल

मेष

आज भाग्य साथ दे रहा है और आज आपके आनंद में वृद्धि होगी। आपको सफलता प्राप्त होगी और भाग्य साथ देगी। आपके मान सम्मान में वृद्धि होगी और भाग्य साथ देगा। आपको उत्तम प्रकार की धन संपत्ति प्राप्ति होने के योग है और आपके आनंद में वृद्धि होगी। व्यवसाय के क्षेत्र में नए सहयोगी मिलेंगे और आपका मुनाफा बढ़ेगा।

वृष

आज दिन सफलता से भरा होगा और कारोबार में लाभ होगा। आज का दिन कोई विशेष व्यवस्था करने में बीतेगा और आप काफी भागदौड़ करेंगे। आपका भौतिक और सांसारिक दृष्टिकोण आज कुछ बदल सकता है। सावधानीपूर्वक वही काम करें जिसको करने में आपको खुशी होगी। आपका आत्म सम्मान बढ़ेगा। कारोबार में योजनाएं सफल होंगी।

मिथुन

आज दिन सफलता से भरा होगा। आज का दिन आनन्द में बीतेगा और आपकी कर्क का चन्द्रमा नवम चन्द्र श्री कुर्यात' के अनुसार श्री एवं सौन्दर्य में वृद्धि करेगा। किसी निकट मित्र की सलाह व सहयोग से आप अपने बिगड़े काम ठीक कर सकते हैं, समय का लाभ उठाएं।

कर्क

आज का दिन कारोबार में वृद्धि का है और आपको आनंद की प्राप्ति होगी। कारोबार में आपके लिए सफलता के योग बन रहे हैं। बड़ी मात्रा में धन की प्राप्ति होने से आपके मन में संतोष रहेगा और आपको लाभ होगा। आप अपने बलबूते पर ही अपनी समस्याओं का समाधान निकालने का प्रयास करें तो आपको ज्यादा फायदा होगा।

सिंह

आज भाग्य में वृद्धि का दिन है और कारोबार में आपकी योजनाएं सफल होंगी। आपकी हर मनोरथ सिद्ध होगी। घरेलू स्तर पर भी मांगलिक कार्यों का आयोजन हो सकता है। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी और आपको निकट की यात्रा भी संभव है। रात्रि का कुछ समय परिवार के साथ बिताएं तो अच्छा रहेगा। आज आपकी कमाई अच्छी होगी।

कन्या

आज दिन आनंद में बीतेगा और आपके सुख में वृद्धि होगी। आज का दिन काम काज को सुधारने में विशेष योगदान दे रहा है। किसी विशेषज्ञ की सलाह आपके लिए आगे चलकर उपयोगी सिद्ध होगी। आपको खुशी होगी और आपका भाग्य साथ देगा।

तुला

आज आपका दिन बिना किसी भागदौड़ के आराम से बीतेगा। आपका मन किसी कमा को करने में खुश रहेगा और आपको साथ ही धन की प्राप्ति के भी योग हैं। आपके घर में अतिथि और मेहमान भी कुछ लंबा पड़ाव डालना चाह रहे हैं। आपके सम्मान में वृद्धि होगी और आर्थिक लाभ होगा।

वृश्चिक

आज भाग्य में वृद्धि के योग हैं। आपको सफलता प्राप्त होगी। व्यावसायिक स्थान परिवर्तन आपके लिए अच्छा मोड़ सिद्ध होगा। व्यापार में निकटवर्ती सहयोगी के प्रति सच्ची निष्ठा और सुमधुर वाणी रखने से आप लोगों का दिल जीत सकते हैं। आपके कारोबार में योजनाएं सफल होंगी और मुनाफा अच्छा होने से आपका मन प्रसन्न होगा।

मकर

आज दिन सफलता से भरा होगा और कारोबार में योजनाएं पूर्ण होंगी। सबका सम्मान करें। यही लोग आगे चलकर आपके काम आएंगे। नौकरी या कार्य व्यवसाय के क्षेत्र में चुप रहना ही आज लाभकारक रहेगा। बहस व टकराव से बचें और अपने काम पर फोकस करें। आपके धन में वृद्धि होगी और योजनाएं सफल होंगी।

कुंभ

आज का दिन व्यस्तता का संकेत दे रहा है और आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। व्यापार व्यवसाय की तरफ ध्यान देना आपकी प्राथमिकता होनी चाहिए। आज दोपहर तक आप अपना बिखरा हुआ कारोबार सही तरीके से समेट लेंगे। शाम को नए सिरे से अपना काम आरंभ करेंगे। आपका भाग्य देगा। परिवार के साथ शाम का वक्त आनंद में बीतेगा।

धनु

आज करियर के मामले में दिन लाभ का बीतेगा और आपको उत्तम संपत्ति की प्राप्ति के योग बन रहे हैं। आपके आनंद में वृद्धि होगी और भाग्य का साथ मिलेगा। कुछ खर्च हो सकता है और आपको नुकसान हो सकता है। संतान पक्ष से हर्षवर्धक समाचार व परिवार में आमोद -प्रमोद का वातावरण रहेगा। बहुत समय से रुके हुए कार्य को बनाने की चेष्टा करें।

मीन

आज करियर के मामले में लाभ होगा। आपके भाग्य में वृद्धि होगी। धन कर्म कीर्ति की वृद्धि होगी। आपको हर मामले में विजय प्राप्त होगी और आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। सफलता की प्राप्ति हर्ष मंगलमय परिवर्तन होंगे और आपको ऑफिस के काम से यात्रा पर जाना पड़ सकता है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, (डी वी कार्पो. लि.) उड़ान टोला, दानापुर कैंट, शिवाला रोड, खगौल, पटना में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी बिल्डिंग, क्लब रोड, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित
संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, उप संपादक- **साकेत अम्बष्ट** फोन/फैक्स-०6186-226116 मो.-9934957121, E-mail : sonevershavani@gmail.com, **RNI-BIHHIN/1998/3009**

संक्षिप्त समाचार

कोर्ट में अखिलेश को नहीं पहचानने वाला सिपाही सस्पेंड

जमशेदपुर, एजेंसी। कोर्ट में गवाही के दौरान अपराधी अखिलेश सिंह को नहीं पहचानने के कारण दुमका के सिपाही मुरारी को सस्पेंड कर दिया गया। बताया जाता है कि अखिलेश सिंह पर कोर्ट में पेशी के दौरान 2014 में गोली चली थी इस दौरान अखिलेश के समर्थकों ने गोली चलाने वाले सरबजीत सिंह उर्फ छब्बू व हरविंदर सिंह को पीट कर जख्मी कर दिया था। इससे पुलिस ने सीतारामडेरा थाने में दोनों पक्ष के खिलाफ केस किया था। जिसमें 1 जुलाई को एडीजे 4 अमरमणि त्रिपाठी की अदालत में सिपाही की गवाही के लिए पेश हुआ था। लेकिन वीडियो कांफ्रेंसिंग से पेश दुमका जेल में बंद अखिलेश को नहीं पहचाना। एसएसपी ने सिपाही के बाबत दुमका पुलिस को यह जानकारी देकर कार्रवाई की अनुशंसा की थी। इधर सोमवार को गवाही में सीतारामडेरा थाना के तत्कालीन थाना प्रभारी और वर्तमान में एंटी करप्शन ब्यूरो के डीएसपी सुनील कुमार चौधरी ने अखिलेश को पहचान लिया और अदालत में एफआईआर का समर्थन किया।

रेलवे कारखाना में महिलाएं ले रही है आग से बचाव का प्रशिक्षण

जमशेदपुर, एजेंसी। टाटानगर रेल सिविल डिफेंस इंस्पेक्टर संतोष कुमार द्वारा केन्द्रीय कर्षण मरम्मत कारखाना के कर्मचारियों को आपदा राहत कार्य प्रशिक्षण दिया गया। वहीं, कारखाना गेट में मॉक ड्रिल के तहत रेलकर्मियों को आग पर काबू पाने का उपाय बताया गया। जिसमें महिला रेलकर्मियों ने बस चढ़कर हिस्सा लिया। कर्मचारियों को सीओटू और ड्राई केमिकल पाउडर फायर संयंत्र का प्रयोग कर आग बुझाने की कला दिखाई गई। प्रशिक्षण में मंडल विद्युत अभियंता प्रेमचंद शर्मा ने सिविल डिफेंस के प्रयास की सराहना कर महीने में एक बार कर्मचारियों को प्रशिक्षण देने पर जोर दिया। इधर सिविल डिफेंस इंस्पेक्टर संतोष कुमार ने कहा कारखाना के कर्मचारी अज्ञानता के अभाव में संयंत्र रहते हुए भी समय पर उपयोग नहीं कर पाते हैं और स्थिति विकराल हो जाती है।

पार्क-विवाह भवन को लीज पर देगा नगर निगम, ई-ऑक्शन से होगी बंदोबस्ती

धनबाद। धनबाद नगर निगम अपने पार्कों व विवाह भवनों को लीज पर देगा. मैन पावर की कमी व राजस्व को हो रहे नुकसान को देखते हुए नगर निगम ने यह निर्णय लिया है. इसके अलावा अन्य सैरातों की भी बंदोबस्ती ई ऑक्शन के माध्यम से की जायेगी. इसके लिए भारत सरकार के उपक्रम एमएसटीसी (पीयूसी) से बातचीत चल रही है. नगर निगम व एमएसटीसी से करार होने के बाद ई ऑक्शन के माध्यम से बंदोबस्ती की प्रक्रिया शुरू की जायेगी. नगर आयुक्त रवि राज शर्मा ने बताया कि कुछ सैरातों की बंदोबस्ती नहीं हो पा रही है. खुली डाक से बंदोबस्ती होने के कारण कुछ लोग चाह कर भी बंदोबस्ती में भाग नहीं ले पा रहे थे. ई ऑक्शन के माध्यम से बंदोबस्ती होगी तो लोग खुलकर इसमें भाग लेंगे और नगर निगम को बेहतर राजस्व मिलेगा. गोल्फ ग्राउंड, राजेंद्र सरोवर, लिलोरी पार्क को लीज पर दिया जायेगा. दुकानों, पार्किंग स्टैंड, बस पड़ाव, पार्क व विवाह भवन आदि परिसंपत्तियों को आवंटन या लीज पर देने आदि सेवाएं शुरू की जायेंगी. नयी व्यवस्था से नगर निगम को अच्छा राजस्व मिलेगा और परिसंपत्तियों की नियमित मेंटेनेंस भी होती रहेगी.

110 तीर्थ यात्रियों का जत्था श्री हेमकुंड के लिए रवाना

जमशेदपुर, एजेंसी। जलियांवाला बाग एक्सप्रेस से सोमवार को 110 तीर्थ यात्रियों का जत्था श्री हेमकुंड साहिब के लिए रवाना हुआ. सर्वप्रथम टाटानगर रेलवे स्टेशन पर जसपाल सिंह छाबड़ा ने गुरु महाराज के सामने यात्रा की सफलता के लिए अरदास की. सरदार अमरजीत सिंह बॉबी, गुरप्रीत सिंह, बलदेव सिंह राजा, गुरजीत सिंह, सुखबीर सिंह, बलजीत बंसल, गुरदीप सिंह निक्कू के नेतृत्व में टीम रवाना हुई. मौके पर सेंट्रल गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान भगवान सिंह, चेयरमैन सरदार शैलेंद्र सिंह, महासचिव गुरु चरण सिंह बिल्ला, रिफ्यूजी कॉलोनी गुरुद्वारा के प्रधान हरमिंदर सिंह मिंदी, गोविंद सिंह, सुखदेव सिंह बिट्टू, परविंदर सिंह सोहल, सुरेंद्र सिंह शिंदे, जसपाल सिंह, जितेंद्र सिंह शालू द्वारा तीर्थ यात्रियों को गुरु महाराज के आशीर्वाद के रूप में सरोपा भेंटकर सम्मानित किया. मौके पर कई गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के पदाधिकारी तीर्थ यात्रियों को रवना करने के लिए टाटानगर रेलवे स्टेशन पर पहुंचे थे.

झारखंड के उत्तर-पूर्वी भाग में 12 जुलाई को भारी बारिश, मौसम विभाग का येलो अलर्ट जारी

देवघर, एजेंसी। 12 जुलाई को झारखंड के उत्तर-पूर्वी भाग में भारी बारिश होगी। इसको लेकर भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है। इसके तहत देवघर, धनबाद, दुमका, गिरिडीह, गोड्डा, जामताड़ा, पाकुड़ और साहेबगंज सहित अन्य इलाकों में बारिश होगी। जबकि, रांची समेत अन्य इलाकों में मंगलवार को हल्की बारिश हो सकती है।

पिछले 24 घंटे के अंतराल में राज्य के कई हिस्सों में हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश हुई। जबकि, कहीं-कहीं भारी बारिश भी देखने को मिली। सबसे अधिक 74.2 मिलीमीटर खूंटी जिला के रनिया क्षेत्र में बारिश दर्ज किया गया। जबकि, सबसे अधिक उच्चतम तापमान 36.3 और सबसे कम न्यूनतम तापमान 23.6 डिग्री सेल्सियस रांची में दर्ज किया गया।

मॉनसून की बारिश नहीं होने से किसानों की चिंता बढ़ गई है। वहीं, आम लोग भी गर्मी से परेशान हैं। मौसम विभाग की मानें तो अगले कुछ दिनों तक गर्मी का सामना करना पड़ेगा। सोमवार को सुबह से ही तीखी धूप रही। दिन मे कड़ी धूप ने अपना असर दिखाना शुरू किया।

वहीं जमशेदपुर में लगातार दूसरे दिन भी अधिकतम और न्यूनतम तापमान में कोई अंतर नहीं देखने को मिला, जिससे गर्मी का ज्यादा असर दिखा। अधिकतम तापमान 33.6 तथा न्यूनतम तापमान 25.6 डिग्री रहा। दिनभर लोग गर्मी से तो परेशान रहे ही रात में भी राहत नहीं मिली। पिछले दिनों जहां बारिश के कारण एसी और कूलर बंद हो गए थे वे फिर से चालू हो गए।बारिश नहीं होने से किसानों की चिंता बढ़ गई है। पिछले दिनों मॉनसून की बारिश होने के बाद किसानों ने बिचड़ा तो लगा दिया था, लेकिन अब बारिश नहीं होने से उन्हें बिचड़ा सूखने का डर सता रहा है। इधर, मौसम विभाग का मानना है कि अगले तीन-चार दिनों तक बारिश के अनुमान नहीं हैं। वहीं, तापमान में भी कुछ वृद्धि हो सकती है।

वहीं सोमवार को राजधानी रांची में सबसे कम 23.6 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। सबसे अधिक 36.3 डिग्री सेल्सियस सरायकेला जिले में दर्ज किया गया। बीते दो दिनों की तरह आने वाले दिनों में भी राज्य में मानसून सुस्त बना रहेगा। ऐसे में तापमान में और अधिक बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है।

आज मंगलवार को भी मानसून सुस्त बना रहेगा, जिसके कारण के कारण कुछ जिलों को छोड़कर अधिकांश हिस्सों में तेज धूप देखने को मिलेगी।

रांची मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक, मंगलवार को सरायकेला खरसावां, पश्चिम सिंहभूम, पूर्वी सिंहभूम और सिमडेगा जिले में बारिश की संभावना है।

यहां के लोगों ले बारिश में बाहर नहीं निकलने का आग्रह किया गया है, क्योंकि बारिश के साथ वज्रपात के पूर्वानुमान जाहिर किए गए हैं। इस संबंध में येलो अलर्ट जारी किया गया है।

मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक, झारखंड में सामान्य से कम बारिश दर्ज की जा रही है। इसका कारण मानसून के ट्रैक में हो रहे बदलाव को माना जा रहा है। आने वाले दिनों में भी मानसून के कमजोर बने रहने के आसार हैं। ऐसे में बारिश में कमी आने के साथ तापमान में बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है।

मौसम केंद्र के विज्ञानी की मानें तो, आने वाले दिनों में भी मानसून की रफ्तार ऐसी ही रहने वाली है। हालांकि, जुलाई के अंतिम हफ्ते में राज्य में अच्छी बारिश देखने को मिल सकती है।

एंबुलेंस की चपेट में आकर बाइक सवार की पश्चिमी सिंहभूम में मौत, मुआवजे को लेकर ग्रामीणों ने की सड़क जाम

पश्चिमी सिंहभूम, एजेंसी। पश्चिमी सिंहभूम के चक्रधरपुर-चाईबासा मुख्य मार्ग पोटका में मंगलवार सुबह को तेज रफ्तार वाली एंबुलेंस के धक्के से लोहरदा निवासी सिकंदर जामुदा नामक व्यक्ति की मौत हो गई. घटना की सूचना पाकर मजदूर नेता सिकंदर जामुदा ने घायल अवस्था में उन्हें अनुमंडल अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के उपरांत उन्हें मृत घोषित कर दिया. इधर, घटना की सूचना पाकर परिजन और ग्रामीणों ने पोटका में रांची-चाईबासा मुख्य मार्ग को जाम कर दी.

ग्रामीणों ने पीड़ित परिवार को 20 लाख रुपये नगद मुआवजा और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग की है. जानकारी के मुताबिक पश्चिमी सिंहभूम के खुंटपानी प्रखंड के लोहरदा गांव निवासी सिकंदर जामुदा(42) किसान है. सुबह सुबह वह बाइक में पेट्रोल भराने के लिए पोटका पेट्रोल पंप आया था. घर वापस लौटने के दौरान पीछे से आ रही प्राइवेट एंबुलेंस ने बाइक सवार को अपनी चपेट में ले लिया. प्राइवेट एंबुलेंस के धक्के से वह गिर पड़ा. जिस कारण उसके शरीर के कई हिस्सों में चोटें आई. घटना के वक्त पोटका में ही कियाडपता निवासी मजदूर नेता सिकंदर जामुदा मौजूद थे. सूचना मिलने के बाद वह तुरंत मौके पर पहुंचे और उन्हें अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया. जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. बताया जाता है कि एबुलेंस ओम नर्सिंग होम चाईबासा का है.

इधर घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस भी वहां पहुंची और एंबुलेंस चालक को गिरफ्तार कर लिया. वहीं, क्षतिग्रस्त अवस्था में पड़ी बाइक व एंबुलेंस को अपन साथ थाना ले गई. इधर, सड़क जाम के सूचना पाकर बीडीओ सह सीओ गिरजानंद किस्कू, थाना प्रभारी राजीव रंजन एवं समाजसेवी डॉ विजय सिंह गागराई भी घटनास्थल पहुंचे. विजय सिंह गागराई ने पीड़ित परिवार की ओर से प्रशासन से मुआवजे की मांग. साथ ही उन्होंने तत्काल पीड़ित परिवार को दस हजार रुपए का सहायता राशि प्रदान किया.सीओ ने भी राष्ट्रीय तत्काल हित लाभ योजना के तहत दस हजार रुपए का चेक दिया. इस दौरान मृतक सिकंदर जामुदा की पत्नी निर्मला जामुदा ने कहा कि सुबह बाइक में सवार होकर उनके पति अनुमंडल अस्पताल गए थे. क्योंकि, अस्पताल में रिश्तेदार भर्ती हैं. लौटने के दौरान उन्होंने अपने बाइक में तेल डलवाया.

कैबिनेट गठन के बाद हेमंत सोरेन का पहला फैसला, विस्थापित लोगों का किया जाएगा सर्वे

रांची, एजेंसी। विधानसभा में सोमवार को विश्वास मत जीतने और मंत्रिमंडल के विस्तार के बाद देर शाम हेमंत सोरेन ने कैबिनेट की बैठक की। बैठक में सरकार ने विस्थापन आयोग गठन करने का निर्णय लिया है। यह जानकारी मुख्यमंत्री ने बैठक के बाद मीडियाकर्मियों को दी। उन्होंने कहा है कि राज्य में विस्थापितों के लिए अभी तक कोई नीति नहीं थी।

इसे देखते हुए आयोग बनाने का निर्णय लिया गया है। सभी विस्थापित लोगों का आर्थिक और सामाजिक सर्वेक्षण भी किया जाएगा। हेमंत ने कहा, राज्य में अब तक कितने लोग विस्थापित हुए। विशेषकर खनन से यहां के लोगों ने क्या खोया और क्या पाया इसका मसौदा भी तैयार किया जाएगा। सरकार जल्द ही इसे लेकर एक नीति बनाएगी।

रांची में में धरने पर बैठे सहायक पुलिस कर्मियों को लेकर भी मुख्यमंत्री ने अपनी बातों को रखा। उन्होंने सहायक पुलिसकर्मियों से अपील की है कि धरना प्रदर्शन की जरूरत नहीं है। नए मंत्रिमंडल में शामिल मंत्रियों को लेकर हेमंत ने कहा, वे अपने-अपने विभागों के कामों में तेजी लाए। वर्तमान हालातों का आकलन करने का निर्देश करें। विभाग की हर परेशानियों को जड़ तक जानकारी लेने और उसका समाधान की दिशा में काम करें।

इससे पहले अंतिम बार हेमंत सोरेन के पहले मुख्यमंत्री काल (जुलाई 2013 से दिसंबर 2014 तक) में 12वां मंत्री बनाया गया था। उसके बाद रघुवर सरकार पूरे पांच साल केवल 11 मंत्री के सहारे ही चली। 29 दिसंबर 2019 में सीएम पद की शपथ लेने के बाद हेमंत ने भी जब कैबिनेट का विस्तार किया, तो 11 मंत्री ही बनाए गए। चंपाई सरकार भी केवल 11 मंत्री के सहारे चली। इस बार 12वां मंत्री देकर सरकार का कोटा पूरा हुआ।

बाइक जांच के दौरान पुलिस ने चलाया डंडा, विरोध में लोगों ने किया हंगामा

दुमका/सरैयाहाट, एजेंसी। बाइक चेकिंग के दौरान जांच कर रहे एक पुलिस द्वारा डंडा मारे जाने पर दो बाइक चालक के घायल हो जाने के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने थाना परिसर में जमकर बबाल काटा। हंगामा कर रहे लोगों का कहना है कि बाइक चालक पर डंडा चलाने का अधिकार किस ने दिया है। गौरतलब हो कि सरैयाहाट थाना के ठीक सामने सोमवार को थाना के एसआई सुरेन्द्र रविदास के नेतृत्व में बाइक चेकिंग किया जा रहा था।

इस दौरान पुलिस द्वारा डंडा मारने से दो बाइक चालक घायल हो गया। हलांकि एक बाइक चालक को हलकी चोट लगी है। वहीं प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि एक बाइक पर सवार एक बच्चा भी था जिसे काफी चोट लगी थी। लोगों द्वारा विरोध करने पर पुलिस ने उक्त बाइक को छोड़ दिया। उक्त घटना को लेकर स्थानीय लोग सहित आसपास के लोग एकढ्ढे हो गए। साथ ही थाना में घंटों बबाल काटा।

घायल युवक मो कुदरत अंसारी ग्राम सिंहनी ने बताया कि बाइक लेकर आ रहे थे कि पुलिस ने रोकने का इशारा किया, तभी ब्रेक लगा ही रहे थे कि पुलिस डंडा मारने लगा। डंडा मुंह में लगा जिससे मुंह से खुन निकलने लगा। वहीं अशोक मंडल ने बताया कि अपने घर गुरूनाथ पहाड़ी से बाइक से सरैयाहाट चौक आ रहे थे, कि थाना के एसआई सुरेन्द्र रविदास सिविल ड्रेस में बाइक चेक कर रहे थे। उन्होंने रोकने का इशारा किया हम बाइक को साईड रोक ही रहे थे कि डंडा चलाने लगा। डंडा को हाथ से रोक लिए नहीं तो माथे पर ही लगती। कहा कि हेलमेट नहीं है तो चलान काटा जा सकता है। डंडा चलाने का कोई औचित्य तो नहीं है।

इस मामले में मौके पर उपस्थित पंचायत समिति सदस्य महेश मंडल ने बताया कि एन एच सड़क पर वाहन तेज गति में चलती है। इस दौरान चेकिंग के दौरान अचानक बाइक को रोकने में समय लगता है। उन्होंने कहा कि पुलिस को पहले तो अपने ड्रेस में होना चाहिए। बाइक चेकिंग के दौरान हेलमेट नहीं पहने रहने पर उसका चलान काटा जा सकता है। न कि पुलिस को डंडा चलाना चाहिए। बताया कि एक नहीं दो-तीन बाइक पर डंडा चला दिया गया है। जिससे बाइक चालक घायल हो गया। इस मामले में वरीय पुलिस पदाधिकारी को संज्ञान लेना चाहिए। थाना प्रभारी निरंजन कुमार ने बताया कि अभी तो थाना पर नहीं है। इस मामले में जांच कर आगे की कार्रवाई के लिए लिखा जाएगा।

गाड़ी तेज चलाने से मना किया तो युवक को मार दी गोली

धनबाद , एजेंसी। गाड़ी तेज चलाने से मना करने पर एक युवक आगबबूला हो गया। गुस्से में उसने एक दूसरे युवक के सिर में गोली मार दी। पुलिस ने आरोपी को दबोच लिया है। यह झारखंड के धनबाद की घटना है। दरअसल, झरिया के चौथाईकुल्ही तिवारी मंदिर के पास सोमवार की रात करीब 10 बजे अमन रवानी (18) नाम के एक युवक के सिर में गोली मार दी गई। घायल अमन रवानी उर्फ गोपी को तत्काल झरिया के एक नर्सिंग होम ले जाया गया, जहां से असर्फी अस्पताल रेफर कर दिया गया। असर्फी में प्राथमिक उपचार के बाद उसकी नाजुक स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने रात करीब सवा 11 बजे उसे दुर्गापुर मिशन अस्पताल रेफर कर दिया। गोली मारने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

गाड़ी तेज चलाने से मना करने पर चला दी गोली : जानकारी के मुताबिक, कार से टक्कर होने के चलते अमन और उसके परिवार के अन्य सदस्यों का वहीं रहने वाले सुमित कुमार मिश्रा से विवाद हुआ था। झगड़े के दौरान शराब के नशे में धुत सुमित को अमन के परिवार वालों ने थप्पड़ जड़ दिया। साथ ही उसे तेज गति से गाड़ी चलाने से मना किया।

नशे में कर दी बड़ी गलती : प्रतिशोध में सुमित कुछ देर बाद लड़कों के साथ वहां पहुंचा और घर के बाहर खड़े अमन के सिर में सटाकर गोली मार दी। गोली लगने के बाद अमन वहीं गिर गया। इसके बाद आरोपी व अन्य लड़के वहां से निकल गए। लहूलुहान अमन को लेकर घरवाले पास के नर्सिंग होम पहुंचे। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे असर्फी नर्सिंग होम भेज दिया गया। जानकारी के मुताबिक, विवाद के समय आरोपी नशे में धुत था।घटना की खबर मिलते सिंदरी डीएसपी भूपेंद्र कुमार राउत, झरिया इंस्पेक्टर शशि रंजन कुमार सहित कई थाना की पुलिस पहुंच गई।

चौथाईकुल्ही का माहौल बिगड़ने के कारण पुलिस कैंप कर रही है। वहीं घटनास्थल से पुलिस ने खोखा बरामद किया है। एक अन्य युवक को भी पुलिस ने हिरासत में लिया है। सिंदरी डीएसपी भूपेंद्र कुमार राउत ने कहा, घटनास्थल से एक खोखा बरामद किया गया है। पुलिस घटना में शामिल हर आरोपी की तलाश में छापेमारी कर रही है। घटना के कारणों का भी पता लगाया जा रहा है।

इस उभरती पार्टी का टिकट पाने के लिए देना होगा इंटरव्यू

धनबाद, एजेंसी। इस बार लोकसभा चुनाव में अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज करानेवाली पार्टी झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति (जेबीकेएसएस) ने विधानसभा चुनाव की तैयारी तेज कर दी है। राज्य की 81 में 50 से ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी है।

लोकसभा चुनाव में जेबीकेएसएस के प्रदर्शन को देखते हुए विधानसभा चुनाव के टिकट के दावेदारों की संख्या में काफी वृद्धि हुई है। इसके मद्देनजर जेबीकेएसएस सुप्रीमो जयराम महतो ने टिकट के लिए मापदंड तय किए हैं।

इस बीच जेबीकेएसएस की धनबाद कमेटी का विस्तार करने का निर्णय लिया है। इसे लेकर दस जुलाई को गीता रानी पैलेस भेलाटांड़ में बैठक होगी।

बैठक में सभी उम्मीदवारों को अपना-अपना बायोडाटा लेकर पहुंचने का निर्देश दिया गया है। महिला अभ्यर्थियों को भी बुलाया गया है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उम्मीदवारों के लिए मापदंड भी तय किए हैं। इसके अनुसार, उम्मीदवारों को अंक दिए जाएंगे। जिसका सबसे अधिक अंक होगा और मापदंड पर खरा उतरेगा, उसे जिला कमेटी में जगह मिलेगी। इसमें धनबाद जिलाध्यक्ष की भी घोषणा हो सकती है।

लगभग दो वर्ष पुरानी यह पार्टी उत्तरी छोटानागपुर के साथ कोल्हान में भी अपने पांव पसार चुकी है। इसकी नजर इस बार के विधानसभा के चुनावों पर है।

इसमें टुंडी, बाघमारा, सिंदरी, चंदनकियारी, डुमरी, बोकारो, रामगढ़, मांडू, सिल्ली, ईचागढ़, बड़कागांव, हजारीबाग सदर महत्वपूर्ण विधानसभा सीट पर जेबीकेएसएस अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराने के लिए जोर लगा रही है।

पाताहातु : चार अवैध शराब बनाने वाली मिनी फैक्ट्री का भंडाफोड़, दो गिरफ्तार

चाईबासा, एजेंसी। पश्चिमी सिंहभूम में सरकारी शराब की दुकानों पर अवैध नकली शराब धड़ल्ले से बेचे जाने का ममला सोमवार को सामने आया है। चाईबासा शहर के पाताहातु स्थित रोरो नदी पुल पर बाइक से अवैध नकली शराब लेकर जा रहे सरकारी शराब दुकानों के दो कर्मचारियों को पकड़े जाने के बाद इस मामले का भंडाफोड़ हुआ।

पकड़े दोनों युवकों में औरंगाबाद के रहने वाला सोनू कुमार और अवधेश शामिल हैं। दोनों यशोदा सिनेमा के सामने स्थित सरकारी शराब दुकान में कार्यरत हैं। इन को भाजपा के कार्यकर्ताओं ने पकड़ लिया और उत्पाद विभाग के हवाले कर दिया। पहले तो लगा कि कर्मचारी अपने स्तर से अवैध तरीके से यह काम कर रहे हैं। लेकिन कुछ देर बाद ही पूरा नजारा ही बदल गया। पता चला कि मुफस्सिल थाना क्षेत्र में पाताहातु गांव में मिनी शराब फैक्ट्री का संचालन हो रहा है। भाजपा के कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे और फोन करके उत्पाद विभाग और मुफस्सिल थाना पुलिस को मौके पर बुलाया। जांच पड़ताल और पूछताछ शुरू हुई तो एक के बाद एक चार अवैध शराब बनाने की मिनी फैक्ट्री का भंडाफोड़ हो गया। मिनी शराब फैक्ट्री में तकरीबन हर ब्रांड की खाली बोतल, शराब बनाने का केमिकल, शराब के ब्रांड का स्टीकर और झारखंड सरकार का सील बरामद हुआ है। इस अवैध कारोबार के भंडाफोड़ मे मुख्य भूमिका निभाने वालों में भाजपा नेता रितेश कुमार पिंटू, काजल, मनोज आजाद भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष सतीश पूरी एवं भाजपा नेता काबू दत्ता शामिल थे। उन्होंने कहा कि यह पूरा कारोबार उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग की मिली भगत के बिना संचालित हो ही नहीं सकता है। सरकारी शराब की दुकानों का संचालन कोई आरके नामक कंपनी करती है। निगरानी का काम उत्पाद विभाग का होता है। यह गोरख धंधा कितने दिनों से चल रहा था यह बताना तो मुश्किल है, लेकिन पिछले 3 महीने से भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता इस सिंडिकेट के भंडाफोड़ में लगे हुए थे। सोमवार को दोपहर में पाताहातु पुल के पास मोटरसाइकिल से बोरे में बांधकर अवैध नकली शराब लेकर जा रहे दोनों आरोपियों को पकड़ लिया। उन्हें पड़कर उत्पाद विभाग के कार्यालय ले जाया गया। पूरे झारखंड में जहां एक और राज्य सरकार नशे के खिलाफ अभियान चला रही है वहीं दूसरी ओर सरकारी महकमे की मिलीभगत से आम जनता के जिंदगी के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। कुछ महीने पहले ही पश्चिमी सिंहभूम जिले के ही चक्रधरपुर अनुमंडल में मिनी शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़ हुआ था, उसमें भी सरकारी शराब दुकान के कर्मचारियों की मिलीभगत सामने आई थी। भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष सतीश पुरी और देवी शंकर दत्त ने इस पूरे मामले में उच्च स्तरीय जांच और कार्रवाई की मांग की है। यदि जांच और कार्रवाई नहीं होती है तो आंदोलन की चेतावनी दी है। एक मकान में एक फैक्ट्री का संचालन हो रहा था और बाकी तीन मिनी फैक्ट्री का संचालन थोड़ी दूरी पर दूसरे मकान में हो रहा था। बरामद शराब को कब्जे में लेकर पुलिस की टीम आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है। मिनी शराब फैक्ट्री की जानकारी मिलने के बाद चाईबासा के एसडीपीओ राहुल देव बड़ाईक भी मौके पर पहुंच गए।

मोबाइल से टिकट बुक कर कतार से बचे यात्री

जमशेदपुर, एजेंसी। चक्रधरपुर मंडल के वाणिज्य कर्मचारी यात्रियों को मोबाइल से जनरल टिकट बुक करने के प्रति जागरूक कर रहे हैं क्योंकि दक्षिण पूर्व रेलवे जोन से ज्यादा से ज्यादा यात्रियों को यूटीएस ऑन मोबाइल एप से जोड़ने का आदेश आया है। इससे सोमवार को आदित्यपुर स्टेशन पर यूटीएस ऑन मोबाइल जागरूकता कैंप लगाया गया, जहां सौ से ज्यादा यात्रियों ने अपने मोबाइल में यूटीएस ऑन मोबाइल एप डाउनलोड किया है। मालूमों की यात्रियों को टिकट काउंटर की कतार से बचने के लिए रेलवे ने यूटीएस ऑन मोबाइल एप लॉन्च किया है, जो स्टेशन की 25 मीटर परिधि में काम करता है। इधर जनरल टिकट के लिए बारकोड स्कैन करने का स्टीकर भी स्टेशन पर रेलकर्मियों ने लगाया है।

संक्षिप्त समाचार

पीपीपी मॉडल के मेडिकल कॉलेज पास, प्रदेश में एमबीबीएस की 622 सीटें बढ़ीं

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में जहां सभी 13 राज्य स्वशासी मेडिकल कॉलेज एमबीबीएस की मान्यता लेने में फेल हो गए, वहीं पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत संचालित तीनों कॉलेजों को मान्यता मिल गई हैं। इसी तरह गोरखपुर स्थित महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय को भी मान्यता मिल गई है। इन कॉलेजों में इसी सत्र से दाखिला शुरू हो जाएगा। प्रदेश में एमबीबीएस की 622 सीटें बढ़ गई हैं। वर्तमान में सरकारी कॉलेजों में एमबीबीएस की 3,828 सीटें हैं जबकि निजी क्षेत्र की 5,450 सीटें हैं। नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) ने निजी क्षेत्र में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय आरोग्यधाम मेडिकल कॉलेज (श्री गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर) को एमबीबीएस की 50 सीटों के लिए मान्यता मिल गई है।

इसी तरह पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) के तहत संचालित शामली के अजय संगल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस को 150 सीटें, केएमएल मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल महराजगंज को 150 सीटें और श्री सिद्ध विनायक मेडिकल कॉलेज संभल को 150 सीटों की मान्यता मिली हैं। एनएमसी ने राजकीय मेडिकल कॉलेज आगरा में 72 और मेरठ में 50 सीटें बढ़ा दी हैं। इस तरह प्रदेश में कुल 622 सीटें बढ़ गई हैं।

चार मासूमों की मौत के बाद जागे जिम्मेदार, अब किए गए सुरक्षा के इंतजाम, तालाब में डूबने से गई जान

आगरा, एजेंसी। आगरा के यमुना एक्सप्रेस-वे के खंदौली इंटरचेंज पर जल संचयन के लिए बने तालाब में डूबकर रविवार को चार बच्चियों की मौत हो गई थी। हादसे के बाद जिम्मेदारों को सुरक्षा के इंतजाम की याद आई। सोमवार को लकड़ी के खंभे लगाकर तारों की फेंसिंग का काम शुरू कर दिया गया, लेकिन मौत के जिम्मेदारों पर मुकदमा नहीं लिखा गया। पुलिस को तहरीर मिलने का इंतजार है। जेपी इंफ्राटेक ने वर्ष 2010-11 में यमुना एक्सप्रेस-वे के प्रत्येक इंटरचेंज के पास तालाब खोदे थे। इनमें वर्षा का पानी जाने के लिए पक्का नाला भी बनाया गया। खंदौली इंटरचेंज के पास खोदे गए तालाब में पानी भरने और कचरा होने की वजह से दलदल हो गया है। रविवार को इस तालाब में डूबने से 12 साल की नेहा, खुशी, 8 साल की अनुराधा और 11 साल की चांदनी की मौत हो गई थी। स्थानीय लोगों का कहना है कि तालाब 15 से 20 फुट तक गहरा हो गया है। रोजाना आसपास के गांव के लोग इंटरचेंज के पुल के नीचे आते हैं। बच्चे भी क्रिकेट खेलते रहते हैं। मगर, तालाब के आसपास तारों की फेंसिंग नहीं की गई है। कोई बोर्ड तक नहीं लगाया गया है, जिससे लोग तालाब के पास नहीं जाएं।

शेख सलीम चिश्ती की दरगाह या कामख्या मंदिर का गर्भ गृह प्रकरण

आगरा, एजेंसी। शेख सलीम चिश्ती की दरगाह को कामाख्या देवी का मंदिर और जामा मस्जिद को कामाख्या माता मंदिर का परिसर बताते हुए जो वाद दायर किया गया, उसमें सुनवाई 29 जुलाई को होगी। कोर्ट ने सभी प्रतिवादियों को केस में अपना जवाब दाखिल दाखिल करने का अंतिम अवसर दिया है। आर्य संस्कृति संरक्षण ट्रस्ट के कामाख्या माता मंदिर केस की सुनवाई सोमवार को लघु वाद न्यायालय में हुई। किसी भी प्रतिवादी के हाजिर नहीं होने पर न्यायालय ने सभी प्रतिवादियों को अपना जवाब दाखिल करने के लिए 29 जुलाई को आखिरी अवसर दिया है। केस के वादी अजय प्रताप सिंह ने बताया कि कामाख्या माता मंदिर केस श्रीकामाख्या माता आदि बनाम उत्तर प्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड आदि में 30 मई को न्यायालय ने सभी पक्षों को समन पैरवी के आदेश दिए थे।

बरेली में बारिश का कहर

छह मकान गिरे... 94 गांव बाढ़ के पानी से घिरे, किशोर समेत चार की डूबकर मौत

बरेली, एजेंसी। बरेली में सोमवार को मूसलाधार बारिश हुई। बारिश के दौरान हुए हादसों में चार लोगों की मौत हो गई। छह लोगों के घर जमींदोज हो गए हैं। बारिश से जिले की नदियों में उफान आ गया है। लगातार बारिश और नदियों की उफान की वजह से बरेली जिले के 94 गांव घिर गए हैं। बारिश के दौरान हुए हादसों में चार लोगों की मौत हो गई। इससे उनके परिवारों में कोहराम मच गया। छह लोगों के घर जमींदोज हो गए हैं। राहत और बचाव कार्य तैयारियों तक ही सिमटा हुआ है। बाढ़ प्रभावित गांवों के लोग खुद ही जान-माल की सुरक्षा की जद्दोजहद में जुटे हुए हैं। बहेड़ी तहसील क्षेत्र के श्यामाचरन गौटिया, मुड़िया मुकर्रमपुर सहित सर्वाधिक 32 गांव बाढ़ की चपेट में हैं। फरीदपुर के पड़ेरा, कादरगंज, खलपुर, ढकनी, शहपुरा सहित 26, नवाबगंज के अमीरनगर, बढ़ेपुरा, अब्दला सहित 24 तो मीरगंज के धर्मपुरा, सुल्तानपुर, बफरी, गौसगंज सहित 12 गांवों में बाढ़ का पानी घुस गया है। यहां भोजन-पानी से लेकर पशुचारे तक का संकट खड़ा हो गया है। कुआंडांडा में दो, भुता के गुलरिया हजारीलाल गांव में एक तो नवाबगंज के अधकटा रवानी बेगम गांव में एक मकान जमींदोज हो गया। गनीमत रही कि इन घटनाओं में कोई हताहत नहीं हुआ।

इन लोगों की हुई मौत

फरीदपुर के गांव बिशीपुर निवासी युवा किसान सुमित (20) की बहगुल नदी में डूबने से मौत हो गई। इसी तहसील क्षेत्र के बड़रा कासिमपुर गांव के अतुल (14) भी नहाने के दौरान पुलिया में डूब गए। इससे उनकी जान चली गई। जेड़ गांव के रविंद्र (38) तालाब में मछली पकड़ने गए थे। इस दौरान डूबकर उनकी मौत हो गई। इसके अलावा फतेहगंज पूर्वी क्षेत्र के गांव खनी नवादा में गड्ढे में भरे पानी में डूबकर विकास (15) की मौत हो गई।

नदियों का जलस्तर बढ़ा, कृषि भूमि प्रभावित

बाढ़ खंड के एसडीओ अमित किशोर के मुताबिक नदियों का जलस्तर बढ़ा है। किच्छा, कोसी नदी में छोड़े गए पानी और रामगंगा के बढ़े जलस्तर से तट से सटे गांवों की कृषि भूमि प्रभावित होने की सूचना है, पर विस्थापन जैसे हालात नहीं हैं। रामगंगा का जलस्तर मंगलवार को और बढ़ सकता है। नदियों के जलस्तर की निगरानी हो रही है। ग्रामीणों को सतर्क किया जा रहा है।

नए मेडिकल कॉलेजों की मान्यता के लिए सीएम योगी ने नड्डा से की बात, पुराने मानकों पर मान्यता की मांग की

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के 13 नए स्वशासी मेडिकल कॉलेजों को मान्यता न देने के मामले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से बातचीत की। उन्होंने नड्डा को बताया कि इन कॉलेजों में तैयारियों में कमी नहीं थी, बल्कि नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) के मानकों में अचानक बदलाव से दिक्कत आई है। सीएम ने नड्डा से 2020 के तय मानकों के आधार पर ही मेडिकल कॉलेजों को मान्यता देने का अनुरोध किया है।

बता दें, 13 नए मेडिकल कॉलेजों को एनएमसी ने मान्यता नहीं दी है। सरकार के प्रवक्ता ने सोमवार को बताया कि इन कॉलेजों में एनएमसी के 2020 के मानकों के अनुसार तैयारी की गई थी जबकि एनएमसी वर्ष 2023 में एमबीबीएस कोर्स के लिए तय मानकों के आधार पर निर्णय ले रही है। प्रवक्ता ने कहा कि सरकार इन कॉलेजों को चलाने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रवक्ता ने बताया कि इन कालेजों में पुराने मानकों के आधार पर ही निरीक्षण का आग्रह किया था। कई अन्य राज्यों ने भी एनएमसी से वर्ष 2023 के मानकों को स्थगित करने का अनुरोध किया था। क्योंकि नए मानकों में चिकित्सा शिक्षकों और अवस्थापना के मानक वर्ष 2020 के मानकों से अधिक हैं।

देर रात होटल राज में लगी भीषण आग, शीशा तोड़कर अंदर घुसे दमकलकर्मी, 30 लोगों को किया गया रेस्क्यू

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ में बर्लिंगटन चौराहे के पास स्थित राज होटल में सोमवार देर रात आग लग गई। एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। बर्लिंगटन चौराहे के पास स्थित राज होटल में सोमवार देर रात आग लग गई। होटल के भीतर करीब तीस लोग फंस गए। सूचना पर पहुंची दमकल की टीम ने सभी को सुरक्षित निकाला। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया। किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। एफएसओ हजरतगंज राम कुमार रावत ने बताया कि देर रात करीब साढ़े बारह बजे होटल राज के बेसमेंट में आग लगी। कुछ ही देर में आग ऊपर तक फैलने लगी। साथ ही पूरी बिल्डिंग में धुआं भर गया। एकाएक होटल के कर्मचारी और कमरों में रुपये गेस्ट की नींद खुली। चीखना चिल्लाना शुरू हो गया। तब तक दमकल की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने पूरे होटल को खाली कराया। एक एक कमरा चेक किया। होटल में बरेली के महेश चंद , बदायूं के मनोज समेत अन्य करीब तीस लोगों की जान बच सकी।

दहशत में आ गए लोग, तबीयत बिगड़ी

आग लगने के बाद होटल में भगदड़ मच गई। बाहर भागने की कोशिश करने लगे।

जिसमें तीन चार लोगों की तबीयत बिगड़ गई। कुछ लोग दहशत में आ गए। इनको पुलिस ने अस्पताल पहुंचाया। हालांकि डॉक्टरों ने खतरे से बाहर बताया है।

खिड़की से बाहर निकलने की कोशिश

कमरों में रुके तीन चार लोग खिड़की से बाहर निकलने की जद्दोजहद में जुट गए। इन लोगों को दमकल की टीम ने सीढ़ी से नीचे सुरक्षित उतारा। शीशे तोड़कर दमकलकर्मी भीतर गए। बाद में एक एक कर लगभग सभी शीशे तोड़ दिए, जिससे भीतर भरा धुआं निकल सके। कई बुजुर्ग भी भीतर फंसे थे, सभी को बाहर निकाल लिया गया।

होगी जांच

होटल के अग्निशमन यंत्र काम नहीं कर रहे थे। दमकल विभाग आग लगने की वजह की वजह पता कर रहा है। साथ ही होटल मालिक से एनओसी आदि की मांग की है। मामले की विस्तृत जांच की जाएगी। फिलहाट शॉर्ट सर्किट से आग लगने की बात सामने आ रही है।

काशी विश्वनाथ मंदिर

रेड जोन की सुरक्षा में सेंध, गर्भगृह में मोबाइल लेकर पहुंचा पुलिसकर्मी

वाराणसी, एजेंसी। सावन से पहले ही रेड जोन की सुरक्षा में वर्दीधारी ने ही सेंध लगा दी। सोमवार की सुबह महिला श्रद्धालु को दर्शन कराने पुलिसकर्मी अपने साथ मोबाइल लेकर काशी विश्वनाथ मंदिर के गर्भगृह में पहुंच गया। गर्भगृह में फोटो खींचने के चक्कर में उसने बाबा विश्वनाथ को जल चढ़ाने वाले पात्र को भी लांघ दिया। मंदिर के गर्भगृह में लाइव दर्शन का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। मंदिर प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है। सोमवार को सुबह 9:20 बजे श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन पूजन चल रहा था। इसी दौरान एक सिपाही कुछ श्रद्धालुओं के साथ मंदिर में पहुंचा। उसने पहले बाबा विश्वनाथ को जल चढ़ाने वाली पहली जलधारी को लांघा, फिर उसने बाबा को माला-फूल चढ़ाया। इसके बाद पुलिसकर्मी ने दूसरी जलधारी को लांघा और कोने में जाकर खड़ा हो गया। इसके बाद उसने पैंट की पॉकेट से मोबाइल निकाला और फोटो खींचने लगा। कुछ देर फोटो और वीडियो बनाने के बाद उसने मोबाइल पॉकेट में रख लिया। लाइव दर्शन का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इसके बाद श्रद्धालुओं ने इस पर आक्रोश जताया। श्रद्धालुओं का कहना था कि इतनी कड़ी सुरक्षा के बाद भी पुलिसकर्मी मोबाइल लेकर गर्भगृह में पहुंच जा रहे हैं। यह तो मंदिर के सुरक्षा प्रोटोकॉल से खिलवाड़ है।

चेकिंग प्वाइंट पर ही जमा करा दिया जाता है मोबाइल

मंदिर की एसओपी के अनुसार काशी विश्वनाथ मंदिर के चेकिंग प्वाइंट के बाहर ही मोबाइल फोन जमा करा दिया जाता है। किसी को भी गर्भगृह में मोबाइल फोन, पेन, कंघी आदि लाने की इजाजत नहीं है। पुलिसकर्मी सिर्फ मोबाइल फोन ही नहीं बल्कि असलहा भी चेकिंग पॉइंट तक ही ले जा सकते हैं।

पहले भी उड़ चुकी हैं नियमों की धज्जियां

श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के गर्भगृह या प्रतिबंधित क्षेत्र में मोबाइल लेकर जाने की यह कोई पहली घटना नहीं है। इसके पहले भी गर्भगृह में नियमों की धज्जियां उड़ चुकी हैं। बीते रंगभरी एकादशी पर्व पर गर्भगृह में हजारों लोग न सिर्फ मोबाइल फोन लेकर पहुंच गए बल्कि सोशल मीडिया पर गर्भगृह की खूब वीडियो और रील्स वायरल हुई थी। मसान की होली पर भी काफी संख्या में युवकों ने काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के अंदर सुरक्षा व्यवस्था को धता बताते हुए खूब जमकर एक दूसरे पर चप्पल चलाए थे।

आगरा नगर निगम-गृहकर में मिल रही 10 फीसदी की छूट, 30 सितंबर तक जमा कर सकेंगे

आगरा, एजेंसी। आगरा में वित्तीय वर्ष 2024-25 का गृहकर अगर 30 सितंबर से पहले नगर निगम में जमा करेंगे तो 10 फीसदी की छूट मिलेगी। अभी तक 31 जुलाई तक ही यह छूट मिल रही थी, लेकिन सोमवार को नगर निगम कार्यकारिणी की बैठक में गृहकर में छूट के प्रस्ताव को 30 सितंबर तक के लिए पारित कर दिया गया है। कार्यकारिणी में एक साल का कार्यकाल पूरा होने पर 6 सदस्यों को कार्यमुक्त कर दिया गया। सोमवार दोपहर नगर निगम कार्यकारिणी कक्ष में मेयर हेमलता दिवाकर की अध्यक्षता में बैठक हुई, जिसमें गृहकर, संपत्तिकर में 10 प्रतिशत छूट की सीमा को 31 जुलाई तक रखने का प्रस्ताव रखा गया था, लेकिन कार्यकारिणी के उपसभापति रवि विहारी माथुर ने आपत्ति जताई कि जुलाई का एक सप्ताह तो बीत चुका। इससे लोगों को फायदा नहीं मिलेगा। उन्होंने प्रस्ताव में संशोधन करते हुए छूट की समय सीमा को 30 सितंबर तक करने का प्रस्ताव दिया, जिसे कार्यकारिणी के अन्य सदस्यों ने सहमति जताई। नगर आयुक्त अंकित खंडेलवाल ने बताया कि गृहकर और संपत्तिकर में छूट की सीमा को बढ़ाकर 30 सितंबर तक कर दिया गया है। इसी वित्तीय वर्ष के गृहकर, संपत्ति कर के लिए यह लागू होगा।

बिजली की न्यूनतम मांग बता सात उत्पादन इकाइयां को किया बंद, विद्युत उपभोक्ता परिषद ने किया विरोध

लखनऊ, एजेंसी। पावर कॉर्पोरेशन ने एक तरफ ग्रामीण इलाके में छह घंटे की बिजली कटौती का रोस्टर जारी किया है तो दूसरी तरफ बिजली की न्यूनतम मांग दिखाते हुए सात उत्पादन इकाइयां बंद कर दी है। विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने पावर कॉर्पोरेशन के इस फैसले का विरोध किया है। प्रदेश में एक जुलाई से रोस्टर प्रणाली लागू की गई है। इसके तहत ग्रामीण इलाके में छह घंटे की कटौती की जा रही है। इस कटौती के बीच लोकल फॉल्ट अलग से है। कई जिलों में 10 से 12 घंटे ही बिजली मिल पा रही है। दूसरी ओर उत्तर प्रदेश स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर की रिपोर्ट के मुताबिक सात उत्पादन इकाइयों को बिजली की मांग कम होना बता कर बंद कर दिया गया है। इसमें टांडा की चार, हरदुआगंज की तीन इकाइयां शामिल हैं। इन सात यूनिटों से 1,455 मेगावाट उत्पादन कम किया गया है। इसी तरह हरदुआगंज की 250 मेगावाट की एक और जवाहरपुर की 660 मेगावाट की एक यूनिट को तकनीकी कारणों से बंद किया गया है। इस तरह प्रदेश में कुल 2,365 मेगावाट का उत्पादन बंद हुआ है। विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने उर्जा मंत्री एके शर्मा और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मांग की है कि इन दिनों धान की खेती शुरू हो रही है। ऐसे में ग्रामीण इलाके में बिजली की जरूरत ज्यादा है। इसलिए विद्युत उत्पादन इकाइयों को बंद करने के बजाय रोस्टर प्रणाली खत्म किया जाए।

सपा ने महाराष्ट्र में 12 और हरियाणा में 5 सीटों पर किया दावा

एक हाथ दो, दूसरे हाथ लो... की नीति अपनाई

लखनऊ, एजेंसी। सपा ने इंडिया गठबंधन के तहत महाराष्ट्र में 12 और हरियाणा में 5 विधानसभा सीटों पर दावा किया है। इसके एवज में कांग्रेस को यूपी विधानसभा उपचुनाव में दो सीटें मिल सकती हैं। सूत्र बताते हैं कि सपा नेतृत्व ने भविष्य के लिए कांग्रेस को अपना फलसफा भी समझा दिया है- 'एक हाथ दो, दूसरे हाथ लो'।

यूपी विधानसभा की 10 रिक्त सीटों पर महाराष्ट्र और हरियाणा के आम विधानसभा चुनावों के साथ ही चुनाव होने की संभावना है। इन राज्यों के आम चुनाव अक्तूबर में होना तय माना जा रहा है। कांग्रेस ने भी गठबंधन के तहत यूपी विस उपचुनाव में सीटें मांगी हैं। यूपी में एक सीट सीसामऊ (कानपुर) सपा विधायक इरफान सोलंकी को सजा होने से रिक्त हुई है, जबकि नौ

विधायक अब लोकसभा सांसद बन चुके हैं। इनमें से पांच सीटें करहल, सीसामऊ, मिल्कीपुर, कटेहरी और कुंदरकी अभी सपा के पास थीं। वहीं, खैर, गाजियाबाद व फूलपुर भाजपा, मझवा निषाद पार्टी और मीरापुर रालोद ने जीती थीं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के नजदीकी राजनीतिक सूत्र बताते हैं कि अगर महाराष्ट्र और हरियाणा में उनकी पार्टी का दावा स्वीकार किया गया तो यूपी में गाजियाबाद और मिर्जापुर की मझवा सीट कांग्रेस को देने पर विचार हो सकता है।

हरियाणा में सपा ने जींद, महेंद्र नगर, गुड़गांव और रेवाड़ी जिलों की पांच विधानसभा सीटें मांगी हैं। सपा नेतृत्व का कहना है कि इन सीटों पर मुस्लिम व यादव जाति के मतदाता बहुतायत में हैं, जिससे समीकरण उनके पक्ष में हैं। ये वो सीटें हैं, जो कांग्रेस लगातार तीन-चार चुनावों से हार रही है।

महाराष्ट्र में इन 12 सीटों पर ठोंका दावा

महाराष्ट्र में मानखुर्द शिवाजी नगर व भिवंडी पूर्व विधानसभा सीट अभी सपा के पास हैं। इन दो सीटों के अलावा भिवंडी पश्चिम, मालेगांव सेंट्रल, वरसोवा, औरंगाबद पूर्व, धुले, अकोला वेस्ट, नागपुर सेंट्रल, करंजा, जलगांव जामोद, रावेर और अमरावती सीटों पर अपना दावा ठोंका है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉग ऑन करें
www.sonvarshavani.com
ई-पेपर
sonvarshavani.com.epaper

फिल्म और ओटीटी डेब्यू में अंतर पर रितेश ने की बात

हिंदी और मराठी फिल्मों के जाने-माने कलाकार रितेश देशमुख ने साल 2003 में तुझे मेरी कसम से अपने अभिनय की शुरुआत की थी। वह बॉलीवुड फिल्मों में ज्यादातर बार कॉमेडी करते दिखे हैं, जिसमें उन्हें काफी पसंद भी किया गया है। हालांकि, उन्होंने फिल्म एक विलेन में खलनायक का किरदार निभा कर दर्शकों को काफी प्रभावित किया था। अब वह एक बार फिर दर्शकों का दिल जीतने आ रहे हैं। इस वक्त वह अपनी पहली ओटीटी सीरीज पिल को लेकर चर्चा में हैं। इस सीरीज से वह ओटीटी डेब्यू करने वाले हैं। हाल में ही उन्होंने फिल्म और ओटीटी डेब्यू को लेकर बात की है।
रितेश देशमुख ने फिल्म तुझे मेरी कसम से अपने अभिनय की शुरुआत की थी। इसके बाद से उन्होंने पीछे मुड़ कर नहीं देखा है। इस दौरान वह कई बेहतरीन फिल्मों का हिस्सा रहे। हिंदी और मराठी फिल्मों में अपने अभिनय का जलवा बिखरेने के बाद वह अब जल्द ही पिल से अपना ओटीटी डेब्यू करने वाले हैं। इसमें वह एक मेडिकल ऑफिसर की भूमिका में नजर आएंगे। इस सीरीज का प्रीमियर बहुत जल्द होने वाला है। अभिनेता ने दो दशक पहले बड़े पर्दे पर डेब्यू किया था और अब वह ओटीटी में भी डेब्यू करने वाले हैं। हाल में ही उन्होंने बड़े पर्दे और ओटीटी पर डेब्यू करने के अंतर को लेकर बात की है। एक इंटरव्यू के दौरान रितेश देशमुख ने अपनी डेब्यू फिल्म के अनुभव को याद किया। उन्होंने कहा कि उस समय उन्हें नहीं पता था कि वह क्या कर रहे हैं। उन्होंने तब वही किया, जो उन्हें करने के लिए कहा गया था। हालांकि, उन्होंने कहा कि ओटीटी डेब्यू उनके लिए पहले से अलग है। उन्होंने कहा कि यह एक खास तरहे के अनुभव के साथ आ रहा है। उन्होंने बताया कि अब वह पहले की तुलना में अपने काम में ज्यादा बेहतर हैं और फिल्म निर्माण से जुड़े हर पहलू को गहराई से समझते हैं। अभिनेता ने आगे बताया कि वह लंबे समय से ओटीटी की दुनिया में कदम रखने को उत्सुक थे, लेकिन उन्हें सही स्क्रिप्ट और विषय नहीं मिल रहा था। हालांकि, उन्हें जब निर्देशक राजकुमार गुप्ता और निर्माता रॉनी स्क्रूवाला की पिल ऑफर हुई, तो उन्हें लगा कि यह उनके लिए सबसे बेहतर मौका होगा। उन्होंने कहा कि पिल अव्यवस्था पर गहरी चोट करने वाला शो है। बताते चलें कि पिल ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो सिनेमा पर जारी होने वाला है। यह सीरीज 12 जुलाई को जियो सिनेमा पर रिलीज किया जाएगा।

अब सिर्फ 15 दिन गाना चलता है, लोग रील्स बनाते हैं और फिर भूल जाते हैं

सिंगर, कंपोजर और म्यूजिशियन शिबानी कश्यप फिल्म इंडस्ट्री का जाना-माना नाम हैं। हाल ही में उन्होंने खास बातचीत की

आपको संगीत की दुनिया में लंबा वक्त हो गया है। अपने इस सफर को आप किस तरह देखती हैं?

मैं शुक्रगुजार हूं कि मेरा सफर काफी लंबा है और अभी तक चल रहा है। मैंने 1996 में ऑल इंडिया रेडियो एफएम की सिग्नेचर ट्यून के साथ करियर शुरू किया था। 1998 में मेरा पहला गाना आया 'हो गई है मोहब्बत' आया, जो काफी हिट हुआ। अगर आज तक लोग उस गाने को याद करते हैं, तो लगता है मेरा गाना सफल हो गया। फिर मैंने फिल्म 'वैसा भी होता है' के गाने 'सजना आ भी जा' से बॉलीवुड में एंट्री की। मेरे इन गानों को आज भी सुना जाता है। भारत ही नहीं, बल्कि मैं दूसरे देशों में भी भारत का प्रतिनिधित्व करती हूं। भारत की आजादी मनाने के लिए मैं न्यू यॉर्क डे परेड में हर साल परफॉर्म करती हूं। मुझे अपना नया कंटेंट क्रिएट करने पर खुशी होती है। मैं ज्यादा कुछ प्लान नहीं करती। मेरा मानना है कि जब आप ज्यादा प्लान करते हैं और चीजें पूरी नहीं होती, तो निराशा होती है।

कुछ ही अरसे में चीजों को भुला देने वाले इस दौर में आपके गानों को आज भी याद किया जाता है। इसके पीछे आप क्या वजह मानती हैं? आज के गानों के बारे में आपकी क्या राय है?

ये मेलोडी होती है। जब आपकी मेलोडी और गीत अच्छा हो और आप उसे मन से गाओ तो ऐसा जरूर होता है। कुछ म्यूजिकल फ्रीक्वेंसी और मेलोडी होती हैं, वह आपके जहन में ऐसे रह जाती है कि जाती ही नहीं हैं। फिर वह लोगों के अंदर समा जाती है। आजकल के संगीत में कुछ बहुत अच्छा है, तो कुछ संगीत ऐसा भी है कि आपने एक गाना सुना और सारे गानों में उसी की नकल की। वह बस एक-दूसरे की नकल है। गानों में लय की कमी है। अगर आपके गानों में भाव ही नहीं होंगे, तो वह नहीं चलेगा। बॉलीवुड का गाना लग जा गले पूरे दुनिया भर में सबसे ज्यादा मशहूर और पसंद किया जाने वाला गाना है। लता जी का गाना रहें ना रहें सुनते ही आपकी आंखों में आंसू आ जाते हैं। अगर यही इमोशन आज के गानों में हो, तो वो बहुत लंबे चलेंगे। पर आजकल 10-15 दिन वो गाना चलता है, लोग डांस करते हैं, उन पर धड़ाधड़ रील्स बनाते हैं। फिर कुछ दिनों बाद लोग उन्हें भूल जाते हैं और कोई नहीं सुनता। इसलिए गानों में जान डालना जरूरी होता है।

आप अलग-अलग देशों में परफॉर्म करती हैं। आप भी कभी दूसरे देश में बसने के बारे में सोचती हैं?

बदलाव हमेशा बेहतर होता है। बाहर जाकर हम उस जगह की नई चीजें सीखते हैं, लेकिन घर तो घर होता है। भारत जैसा देश कहीं नहीं है। मैं अमेरिका, रूस, ऑस्ट्रेलिया, हाल ही में उज्बेकिस्तान भी गई। लेकिन यहां कुछ ऐसा है, जो दिल से जुड़ा है और इसकी जगह कोई नहीं ले सकता। लोगों में देशभक्ति की भावना बदली नहीं जा सकती। मैं उन सभी जगहों की इज्जत करती हूं, लेकिन वहां बसना और रहने का मैंने कभी ऐसा सोचा नहीं, क्योंकि मेरा दिल नहीं मानता।

करण जौहर का छलका दर्द, बोले पैरेंटिंग आसान नहीं है

करण जौहर बॉलीवुड के प्रसिद्ध फिल्म निर्देशक, निर्माता, लेखक, कॉस्ट्यूम डिजाइनर, अभिनेता और टीवी होस्ट हैं। वह रूही जौहर और यश जौहर के बेटे हैं। वह धर्मा प्रोडक्शन्स कंपनी के कर्ता-धर्ता भी हैं। निर्देशक करण जौहर रूही और यश के सिंगल पैरेंट हैं, जिनका उन्होंने 2017 में सरोगेसी के जरिए स्वागत किया था। हाल ही में, फिल्म निर्माता ने साझा किया कि उनके बच्चे अब उनसे अपनी मां के बारे में सवाल पूछते हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में करण ने कहा, यह एक आधुनिक परिवार है। यह एक अलग परिस्थिति है, इसलिए अब मैं भी बच्चों के इस सवाल से जूझ रहा हूं कि वह किसके पेट से पैदा हुए? लेकिन मम्मा सच में मम्मा नहीं हैं, वह दादी हैं। मैं स्कूल जा रहा हूं, काउंसलर के पास, यह पूछने के लिए कि हम इस स्थिति से कैसे निपटें? और यह आसान नहीं है, माता-पिता बनना कभी आसान नहीं होता। इसके अलावा, करण ने कहा कि वह अपनी असुरक्षाओं को अपने बेटे पर थोप रहे हैं। उन्होंने खुलासा किया कि जब वह अपने बेटे को चीनी खाते और वजन बढ़ते देखते हैं, तो उन्हें उसके बारे में चिंता होने लगती है। करण कहते हैं कि वह अपने बेटे को क्रिकेट या फुटबॉल खेलने और वे सभी चीजें करने के लिए कहते हैं जो उन्होंने नहीं कीं। करण ने कहा, मुझे ऐसा माता-पिता नहीं बनना चाहिए। मैं चाहता हूं कि मेरा बच्चा अपनी पसंद का व्यक्ति बने, मेरी बेटी और मेरा बेटा दोनों। फिल्म निर्माता ने साझा किया कि उन्होंने अपने बेटे को डांट लगाई थी, लेकिन बाद में उन्होंने इसके लिए माफी भी मांगी।

मां के साथ अपने भावनात्मक जुड़ाव पर बोले सनी सिंह

अपकमिंग फिल्म वाइल्ड वाइल्ड पंजाब की रिलीज की तैयारी कर रहे एक्टर सनी सिंह ने अपनी मां के साथ अपने भावनात्मक जुड़ाव के बारे में खुलकर बात की। जब उनसे पूछा गया कि यह फिल्म उनके लिए क्यों खास है, तो सनी ने भावुक होते हुए कहा कि यह मेरी मां के लिए मेरी सबसे खास और महत्वपूर्ण फिल्म है। रिलीज से पहले ही उनका निधन हो गया, लेकिन उन्होंने इसका हर सीन देखा था। उन्होंने कहा कि जब भी फिल्म के बारे में बात होती थी तो वह उत्साहित हो जाती थीं, वह पूछती थी कि फिल्म कब शुरू हो रही है? या तुम कब जा रहे हो? एक्टर ने कहा कि उनकी मां इस फिल्म को लेकर सबसे ज़्यादा उत्साहित थीं। उन्होंने कहा कि यह मेरे लिए हमेशा खास रहेगा। लव (रंजन) सर भी जानते हैं कि यही वजह है कि मैं इस फिल्म से भावनात्मक रूप से इतना जुड़ा हुआ हूं। इसके अलावा, इस फिल्म में अन्य कलाकारों के साथ काम करना मेरे लिए अपने परिवार के साथ काम करने जैसा था। सिमरप्रीत सिंह द्वारा निर्देशित वाइल्ड वाइल्ड पंजाब एक ऐसे व्यक्ति की कहानी है, जो अपने दोस्तों के साथ ब्रेकअप रोड ट्रिप पर जाता है। फिल्म में वरुण शर्मा, जस्सी गिल, मनजोत सिंह और पत्रलेखा भी हैं। यह 10 जुलाई से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

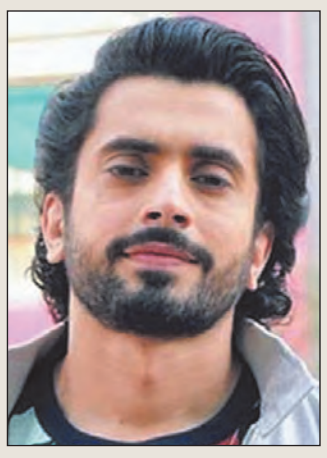

प्रियंका मोहन ने शुरू की सारिपोधा सानिवारम की डबिंग

अभिनेता नानी लगातार हिट फिल्में दे रहे हैं। वो अब अपनी अगली फिल्म सारिपोधा सानिवारम को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में उनके साथ अभिनेत्री प्रियंका मोहन भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। हाल ही में, निर्माताओं ने इस फिल्म से प्रियंका का लुक साझा किया था और अब उनसे जुड़ा एक और अपडेट सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्रियंका मोहन ने सारिपोधा सानिवारम के लिए अपनी डबिंग शुरू कर दी है। वो इस फिल्म में एक पुलिस अधिकारी का किरदार निभाते हुए दिखाई देंगी, जिसका नाम चारु होता है। इसकी जानकारी फिल्म निर्माताओं द्वारा पोस्टर जारी करके दी गई थी। उनके प्रशंसक उनका यह अवतार देखने के लिए काफी उत्सुक नजर आ रहे हैं। प्रियंका मोहन केवल सारिपोधा सानिवारम से ही सुर्खियां नहीं बटोर रही हैं, बल्कि वो ओजी फिल्म को लेकर भी चर्चा में बनी हुई हैं। इस फिल्म में पवन कल्याण मुख्य भूमिका अदा कर रहे हैं। खास बात यह है कि दोनों ही फिल्मों का निर्माण डीवीवी एंटरटेनमेंट द्वारा किया जा रहा है। नानी और प्रियंका मोहन इससे पहले गैंग लीडर फिल्म में साथ काम कर चुके हैं और सारिपोधा सानिवारम में दोनों दूसरी बार एक साथ परदे पर दिखाई देंगे।

ऋचा सोनी ने 'शरारत' सीरियल से शुरू किया था करियर, आज हैं अभिनेत्रियों की टॉप की सूची में शामिल

ऋचा सोनी एक भारतीय टेलीविजन की प्रसिद्ध अभिनेत्री हैं। डेली सोप 'भाग्यविधाता' में बिंदिया की भूमिका के लिए जानी जाती हैं। ऋचा 'नचले वे विद सरोज खान - सीजन 2', 'बदलते रिश्तों की दास्तान', 'जाट की जुगनी' और 'सिया के राम' जैसे शो में भी अभिनय कर चुकी हैं।

झऋचा ने 'द साइलेंट स्टैच्यू' जैसी शॉर्ट फिल्में भी की हैं, जिसे कान फिल्म महोत्सव में दिखाया गया था। ऋचा ने शॉर्ट फिल्म 'सीजन्ड विद लव' में भी काम किया है। ऋचा एक बंगाली हैं, जिनका जन्म और पालन पोषण बिहार के मुज्जफरपुर शहर में हुआ।

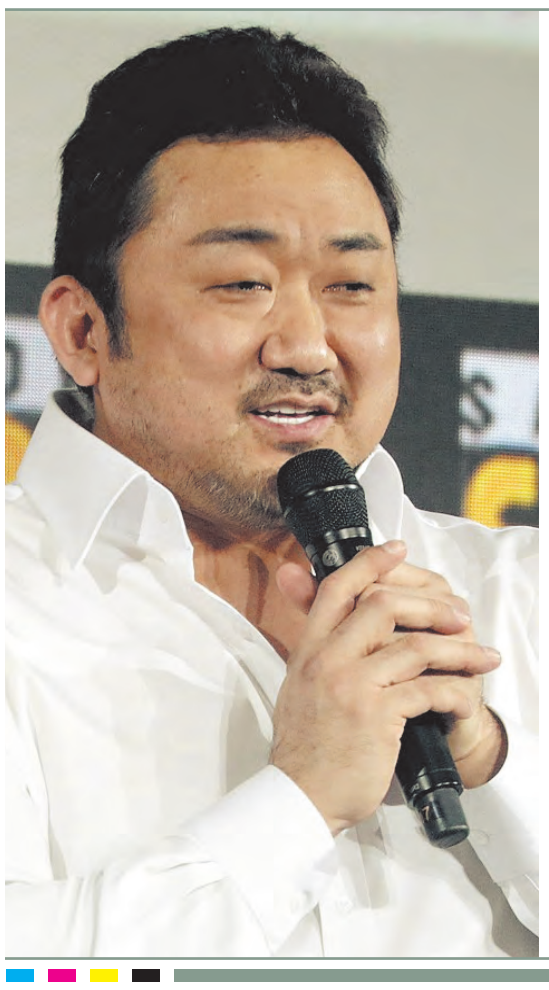

प्रभास की स्पिरिट में कोरियाई सुपरस्टार निभाएगा खलनायक की भूमिका

प्रभास और संदीप रेड्डी वांगा के सहयोग वाली आगामी फिल्म स्पिरिट अपने एलान के बाद से ही सुर्खियों में है। फिल्म आए दिन नए अपडेट के कारण सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रही है। फिल्म की शूटिंग अभी शुरू भी नहीं हुई है। इसी बीच नई रिपोर्ट ने प्रशंसकों के उत्साह को काफी ज्यादा बढ़ा दिया है। रिपोर्ट की मानें तो, स्पिरिट में खलनायक की भूमिका के लिए इस दमदार कोरियाई-अमेरिकी अभिनेता के नाम पर चर्चा चल रही है।

स्पिरिट से जुड़ेंगे मा डोंग-सेओक?

जानकारी के अनुसार, कोरियाई-अमेरिकी अभिनेता मा डोंग-सेओक जिन्हें डॉन ली के नाम से भी जाना जाता है उन्हें फिल्म स्पिरिट में खलनायक के रूप में लिया जा सकता है। अगर ऐसा होता है, तो यह बड़े पैमाने की फिल्म के लिए गेम-चेंजर होगा। मा डोंग-सेओक दक्षिण कोरिया और हॉलीवुड दोनों में एक प्रसिद्ध अभिनेता हैं।

मा डोंग-सेओक का शानदार काम

मा डोंग-सेओक ने द आउटलॉज, द गैंगस्टर, द कॉप, द डेविल, अनस्टॉपेबल, चैंपियन और ट्रेन टू बुसान जैसी फिल्मों में अपने अभिनय से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान हासिल की है। कई सुपर हिटफिल्मों में सहायक किरदारों से लेकर खलनायक तक उनकी भूमिकाएं अलग-अलग हैं। विशेष रूप से मार्शल आर्ट फिल्मों के एक्शन दृश्यों में उनके कौशल का प्रदर्शन काबिल-एक तारीफ रहा है।

वेट्टैयन के बाद कुली में रजनीकांत के साथ काम करेंगे फहद फाजिल

सुपरस्टार रजनीकांत इन दिनों कई फिल्मों को लेकर सुर्खियों में छाए हुए हैं। रजनीकांत ने फिल्म की शूटिंग में शुरू कर दी है। फिल्म की शूटिंग हाल ही में हैदराबाद में हो रही है, जिसमें श्रुति हासन भी शामिल हुईं। फिल्म को लेकर छोटी से छोटी जानकारी का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। हालांकि, फिल्म के अन्य कलाकार के बारे में निर्माताओं की ओर से जानकारी नहीं आई है। ऐसे में अब सोशल मीडिया पर एक और अभिनेता के फिल्म में शामिल होने की खबरें आ रही हैं। यह अभिनेता कोई और नहीं बल्कि फहद फाजिल हैं। सोशल मीडिया पर ऐसी खबरें फैलीं कि मलयालम स्टार फहद फाजिल ने वेट्टैयन के बाद सुपरस्टार रजनीकांत के साथ एक और फिल्म साइन की है। ऐसे में लोगों का मानना है कि कुली के निर्देशक लोकेश कनगराज ने कमल हासन की विक्रम में फहद के साथ काम किया था और वे उन्हें कुली के लिए साइन करने के इच्छुक थे। वे पहले से ही आवेशम के अभिनेता फहद के साथ बातचीत कर रहे थे। ऐसे में अब अफवाह है कि फहद वेट्टैयन के साथ-साथ कुली में भी रजनीकांत के साथ काम कर सकते हैं।

पेरिस ओलंपिक

अभिनव बिंद्रा ने मौजूदा समय के खिलाड़ियों के लिए कही अहम बात

भारतीय दल को दी ये सलाह

नई दिल्ली, एजेंसी। पेरिस ओलंपिक का आयोजन कुछ ही दिनों में होना है और इसके लिए भारत सहित इसमे हिस्सा लेने वाले सभी देश के एथलीट पूरी तरह तैयार हैं। इस बीच, 2008 बीजिंग ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले निशानेबाद अभिनव बिंद्रा ने अपने समय के खिलाड़ियों की तुलना मौजूदा दौर के खिलाड़ियों से करते हुए बड़ी बात कही है।

भारत के पहले व्यक्तिगत स्पर्धा के ओलंपिक चैंपियन बिंद्रा का मानना है कि खिलाड़ियों की मौजूदा पीढ़ी उनके समय के कमजोर दिल वाले खिलाड़ियों की तुलना में अधिक मजबूत है।

जमीनी स्तर पर काम करने की जरूरत

बिंद्रा ने कहा कि भारत को 30-40 ओलंपिक पदक जीतने का सपना देखना शुरू करने के लिए जमीनी स्तर पर बहुत काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, हमें खेल को अलग तरह से देखना शुरू करना होगा। वर्तमान में हम यह देख रहे हैं कि विश्व स्तर पर एथलीट कैसा प्रदर्शन कर रहे हैं। यह हमें मजबूती देता है। हमें राष्ट्र निर्माण में खेल की बड़ी भूमिका को देखने की जरूरत है।

बीजिंग ओलंपिक में निशानेबाजी में स्वर्ण पदक जीतने वाले बिंद्रा ने 26 जुलाई से शुरू होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए देश की तैयारियों पर आयोजित एक पैनल चर्चा के दौरान भारतीय दल को सलाह दी कि वे अतीत या भविष्य के बारे में सोचने की गलती न करें। भारत के लगभग 125 खिलाड़ियों ने इन खेलों के लिए क्वालिफाई कर लिया है, जो देश के इतिहास में सबसे ज्यादा है। उन्होंने कहा, एथलीटों की सबसे बड़ी गलती यह है कि वे या तो अतीत में जीते हैं या भविष्य के बारे में सोच रहे हैं। वे इस वास्तविकता के बारे में भूल जाते हैं मौजूदा समय की अहमियत सबसे ज्यादा है।

मौजूदा दौर के खिलाड़ियों का आत्मविश्वास अधिक है

बिंद्रा ने कहा, मैं एक ऐसी पीढ़ी से आया हूं जो स्वभाव से कमजोर दिल वाली थी। आज के दौर के खिलाड़ियों का आत्मविश्वास कहीं अधिक है। वे इन खेलों में सिर्फ हिस्सा लेना नहीं बल्कि पदक जीतना चाहते हैं। ये खिलाड़ी कोई और पदक नहीं बल्कि स्वर्ण पदक जीतना चाहते है। यह हमारे समाज का प्रतिबिंब है कि पिछले कुछ वर्षों में यह कैसे विकसित हुआ है।

इस 41 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि खेलों को देखने और उसके बारे में बात करने का तरीका बदल गया है लेकिन जिस चीज में बदलाव नहीं आया है वह है एथलीटों को मिलने वाली कड़ी प्रतिस्पर्धा। बिंद्रा ने कहा, अब अलग तरह से बातचीत होती है। उसमें हालांकि कई समानताएं है, उन्हें पेरिस में अपना दमखम दिखाना होगा और उस विशेष दिन पर प्रदर्शन करना होगा।

यह किसी भी तरह से आसान नहीं होने वाला है। उन्हें दबाव झेलना सीखना होगा। वर्षों से सीखी गई प्रक्रिया, अपने कौशल को खेल में उतारने पर ध्यान केंद्रित करना होगा।

अढ़ाई महीने बाद मैदान पर दिखेंगे विराट, रोहित और बुमराह

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और चैम्पियन बल्लेबाज विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह को अगस्त में श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे श्रृंखला से आराम दिया जा सकता है। बीसीसीआई उनकी जगह केएल राहुल या हार्दिक पंड्या को इस प्रारूप में कप्तानी देने पर विचार कर रहा है। समझा जाता है कि रोहित और विराट ने बीसीसीआई से लंबा ब्रेक मांगा है चूंकि दोनों आईपीएल की शुरूआत से लगातार खेल रहे हैं। 37 बरस के रोहित ने 6 महीने से ब्रेक नहीं लिया है। उन्होंने दिसंबर-जनवरी में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला से लगातार खेला है। उसके बाद अफगानिस्तान के खिलाफ टी20, इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला, आईपीएल और टी20 विश्व कप शामिल है।

बोर्ड के एक सूत्र ने बताया कि चैम्पियंस ट्रॉफी से पहले इंग्लैंड के खिलाफ 3 वनडे तैयारी के लिए काफी है। इसके बाद अगले कुछ महीने दोनों टेस्ट को प्राथमिकता देंगे क्योंकि भारत को सितंबर से जनवरी के बीच दस टेस्ट खेलने हैं। भारतीय टीम अभी जिमबाब्वे के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज खेल रही है। इसके बाद श्रीलंका से तीन टी20 और तीन वनडे होने हैं। अब जब तीनों प्लेयर इसमें हिस्सा नहीं लेंगे तो यह बांग्लादेश के खिलाफ होने वाले दो टेस्ट मैचों की सीरीज के दौरान दिखेंगे। यह सीरीज 19 सितंबर से शुरू होगी। ऐसे में भारतीय चैंपियन प्लेयर अढ़ाई महीने बाद ही क्रिकेट मैदान पर लौटते दिखेंगे।

इस बीच, भारतीय बोर्ड जल्द ही टीम के सहयोगी स्टाफ के लिए आवेदन आमंत्रित करेगा क्योंकि बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़, गेंदबाजी कोच पारस म्हाम्ब्रे और क्षेत्ररक्षण कोच टी दिलीप का कार्यकाल अमेरिका और वेस्टइंडीज में टी20 विश्व कप के बाद समाप्त हो गया है। बोर्ड की क्रिकेट सलाहकार समिति (सीएसी) पहले ही मुख्य कोच पद के लिए दो उम्मीदवारों - गौतम गंभीर और डब्ल्यूवी रमन का साक्षात्कार ले चुकी है।

चैम्पियंस ट्रॉफी: 2024 शेड्यूल

भारत-पाकिस्तान एक ग्रुप में...

नईदिल्ली, एजेंसी। रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम ने पिछले ही महीने टी20 वर्ल्ड कप 2024 खिताब जीतकर इतिहास रचा है. अब टीम इंडिया का अगला मिशन चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 है. मगर इस टूर्नामेंट को लेकर एक पेंच फंसता दिखाई दे रहा है. यह चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 पाकिस्तान की मेजबानी में होनी है. जबकि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सचिव जय शाह पहले ही कह चुके हैं कि भारतीय टीम पाकिस्तान दौरे पर नहीं जाएगी. मगर इन सबके बीच पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड अपनी तैयारियों में पूरी तन्मयता के साथ जुटा हुआ है.

चैम्पियंस ट्रॉफी का शेड्यूल मंजूरी से पहले वायरल

पाकिस्तान ने चैम्पियंस ट्रॉफी का शेड्यूल भी तैयार कर लिया है. साथ ही इस शेड्यूल को इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल और इसके सदस्य देशों को मंजूरी के लिए भेजा है. सब जगह से हरी झंडी मिलने के बाद इसे जारी किया जाएगा. मगर उससे पहले ही यह शेड्यूल वायरल हो गया है.

ब्रिटेन के एक अखबार छाप दिया है. इसके मुताबिक, चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 का आगाज कराची में 19 फरवरी को होगा. ओपनिंग मुकाबला पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच खेला जाएगा. साथ ही शेड्यूल के मुताबिक, भारत और पाकिस्तान को एक ही ग्रुप में रखा गया है.

भारत- पाकिस्तान को एक ही ग्रुप में रखा गया

टूर्नामेंट में कुल 8 टीमें होंगी, जिन्हें 2 ग्रुप में रखा गया है. भारत, पाकिस्तान, न्यूजीलैंड और बांग्लादेश को एक साथ ग्रुप-ए में रखा गया है. जबकि अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका और इंग्लैंड को ग्रुप -बी में रखा गया है. चैम्पियंस ट्रॉफी के फाइनल समेत सभी मैच 19 दिन में होंगे.

वायरल शेड्यूल के मुताबिक, भारतीय टीम अपने सभी मुकाबले लाहौर में ही खेलेगी. टीम का पहला मैच 20 फरवरी को बांग्लादेश और दूसरा मैच 23 फरवरी को न्यूजीलैंड के खिलाफ होगा. जबकि भारतीय टीम को अपना तीसरा और ग्रुप स्टेज का आखिरी मैच पाकिस्तान के खिलाफ 1 मार्च को खेलना है.

भारत के लिए सेमीफाइनल भी शिफ्ट किया जाएगा

चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 के सेमीफाइनल मुकाबले 5 और 6 मार्च को खेले जाएंगे. जबकि 19 मार्च को खिताबी टक्कर होनी है. यह सेमीफाइनल मुकाबले कराची और रावलपिंडी में होने हैं. मगर भारतीय टीम टॉप-4 में पहुंचती है, तो वो अपना सेमीफाइनल लाहौर में ही खेलेगी. भारतीय टीम के लिए सेमीफाइनल शिफ्ट कर दिया जाएगा.

भारतीय ओलंपिक दल को गौतम अदाणी ने दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। अदाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अदाणी ने 2024 पेरिस ओलंपिक के लिए भारतीय दल को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि इस बार भारत अपने इतिहास में सबसे ज्यादा पदक जीतने का लक्ष्य हासिल करेगा।

उन्होंने एक्स पर लिखा कि हम 2024 पेरिस ओलंपिक के लिए तैयार हैं। मैं उन असाधारण खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देता हूं, जो विश्व के सबसे बड़े खेल मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। उनका लगातार अभ्यास और अटूट समर्पण वास्तव में भारत की नई अजेय भावना का प्रतीक है। मुझे पूरा विश्वास है कि इस बार हम अपने इतिहास में सबसे ज्यादा पदक जीतने का लक्ष्य हासिल कर लेंगे। अदाणी ग्रुप के अध्यक्ष ने आगे कहा कि हम सब मिलकर अपने चैंपियनों की हौसला अफजाई करेंगे और ओलंपिक में देश के गीत की गूंज का बेसब्री से इंतजार करेंगे। जय हिंद। अदाणी ग्रुप भारतीय ओलंपिक टीम का प्रमुख स्पॉन्सर है। अदाणी स्पोर्टलाइन ने 2022 राष्ट्रमंडल खेलों, 2023 एशियाई खेलों और आगामी 2024 पेरिस ओलंपिक के लिए प्रमुख स्पॉन्सर के रूप में भारतीय टीम के साथ साझेदारी की है।

भारत पेरिस ओलंपिक के लिए लगभग 120 एथलीटों का दल भेजेगा। इस दल में भारत के पुरुष भाला फेंक स्टार खिलाड़ी और डिफेंडिंग चैंपियन नीरज चोपड़ा के नेतृत्व वाली एथलेटिक्स टीम के अलावा 21 सदस्यीय निशानेबाजी टीम और 16 सदस्यीय पुरुष हॉकी टीम शामिल है। पिछले हफ्ते, भारतीय दल के सदस्यों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी।

प्रधानमंत्री ने उनकी हौसला अफजाई की थी और फ्रांस जाने से पहले उन्हें मार्गदर्शन दिया। भारत ने बार-बार खेलों की मेजबानी करने की इच्छा जताई है और इस मामले में भारत को अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति प्रमुख थॉमस बाख का समर्थन प्राप्त हुआ है। भारत 2036 ग्रीष्मकालीन ओलंपिक की मेजबानी के लिए बोली लगाएगा।

विंबलडन के क्वार्टर फाइनल में जोकोविच, एलेक्स की होगी टक्कर

लंदन, एजेंसी। नोवाक जोकोविच ने डेनमार्क के होल्गर रूण को 6-3, 6-4, 6-2 से हराकर अपने 15वें विंबलडन क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। अब उनका मुकाबला बुधवार को एलेक्स डी मिनौर से होगा। जोकोविच मैच में फैंस की हूटिंग से नाराज दिखे और कहा कि इस तरह के व्यवहार को वह स्वीकार नहीं करते हैं। जोकोविच को रूण ने पिछले कई मुकाबले में बैकफुट पर धकेल दिया था, जिसमें 2022 में पेरिस मास्टर्स फाइनल सहित कई अन्य मैच शामिल हैं।

मैच के बाद जोकोविच ने अपनी जीत पर बात की और कहा कि जिन लोगों ने उनको सम्मान दिया और टिकट लेकर मैच देखने आए और देर रात तक बैठकर टेनिस के प्रति अपने प्यार को दिखाया, उनको दिल से शुक्रिया। साथ ही, उन्होंने हूटिंग कर रहे लोगों की आलोचना की और कहा कि इसे स्वीकार नहीं किया जाएगा। जोकोविच ने कहा, मुझे नहीं पता कि वे रूण के समर्थन में नारे लगा रहे थे, पर यह भी हूटिंग का एक बहाना है। मैं इसे स्वीकार नहीं करता हूं।

पेरिस ओलंपिक 2024

वो भारतीय पहलवान... जिसने घर गिरवी रखकर ओलंपिक में लिया भाग, फिर रचा इतिहास

नईदिल्ली, एजेंसी। पेरिस ओलंपिक 2024 की शुरुआत में अब ज्यादा समय नहीं बचा है. पेरिस ओलंपिक 26 जुलाई से 11 अगस्त तक खेला जाना है. इस ओलंपिक के लिए भारतीय खिलाड़ी भी अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटे हुए हैं. भारत ने टोक्यो ओलंपिक 2020 में एक स्वर्ण सहित 7 पदक जीतकर इन खेलों में अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था. अब इस बार वो अपने रिकॉर्ड में सुधार करना चाहेगा.

इस भारतीय रेसलर ने रचा था इतिहास

देखा जाए ओलंपिक में अब तक भारत ने 10 गोल्ड, 9 सिल्वर और 16 ब्रॉन्ज मेडल जीते हैं. इन 10 में से आठ गोल्ड तो फील्ड हॉकी में आए, लेकिन फिर भी चर्चा उस पदक की होती है जिसे केडी जाधव ने हासिल किया. केडी जाधव ओलंपिक की व्यक्तिगत स्पर्धा में पदक जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी थे. जाधव ने 1952 के हेलसिंकी ओलंपिक में कुश्ती में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचा था. जाधव से पहले 1900 के ग्रीस ओलंपिक में नॉर्मन प्रिचर्ड ने दो सिल्वर मेडल जीते थे, लेकिन वे भारतीय मूल के नहीं थे. भारत तब अंग्रेजों के गुलाम था और प्रिचर्ड ने ब्रिटिश झंडे के तहत ओलंपिक में भाग लिया था. खाशाबा दादासाहेब जाधव का जन्म साल 1926 में महाराष्ट्र के सतारा जिले में एक मराठी परिवार में हुआ था. उनके पिता दादासाहेब खुद भी पहलवान थे और महज 5 साल की उम्र में ही उन्होंने अपने बेटे को कुश्ती से परिचित करवा दिया. छोटे कद के जाधव ऊपर से देखने में बेहद कमजोर दिखाई देते थे. जिसके चलते राजाराम कॉलेज के स्पोर्ट्स टीचर ने उन्हें वार्षिक खेलों की टीम में शामिल करने से इंकार कर दिया. बाद में काफी मिन्नतों के बाद कॉलेज के प्रिंसिपल ने उन्हें प्रतियोगिता में भाग लेने की इजाजत दे दी थी.

...जब गिरवी पर रखना पड़ा घर

लंदन से वापस लौटते ही जाधव ने हेलसिंकी ओलंपिक की तैयारी शुरू कर दी. हालांकि जब हेलसिंकी जाने का समय आया तो उनके पास पैसे ही नहीं थे. जाधव ने बॉम्बे स्टेट के तत्कालीन मुख्यमंत्री मोरारजी देसाई से मिलकर मदद की गुहार लगाई. देसाई ने उन्हें खेलकर लौटने के बाद मिलने को कहा. राजाराम कॉलेज में उनके प्रिंसिपल खरिडकर ने सात हजार रुपये की मदद दी. बाद में राज्य सरकार ने भी 4000 रुपये दे दिए, लेकिन ये रकम काफी नहीं थे. फिर जाधव ने अपना घर गिरवी रखकर और कई लोगों से उधार लेकर हेलसिंकी का सफर तय किया.

केडी जाधव ने बैंटमवेट फ्रीस्टाइल वर्ग में अपने पहले 5 मुकाबले आसानी से जीत लिए.

3 किमी दूर से पानी लाने को मजबूर भारतीय महिला हॉकी कप्तान सलीमा टेटे

घर का वादा भी सरकार ने नहीं किया पूरा

नईदिल्ली, एजेंसी। इस साल होने वाले पेरिस ओलंपिक से पहले ही भारतीय महिला हॉकी टीम काफी सुर्खियों में रही है. सबसे पहले यह टीम जनवरी में चर्चाओं में आई थी, जब वो क्वालिफाइंग राउंड में हारकर बाहर हुई थी. यानी भारतीय महिला हॉकी टीम अब पेरिस ओलंपिक में नजर नहीं आएगी, क्योंकि वो क्वालिफाई नहीं कर सकी है. अब भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सलीमा टेटे सुर्खियों में बनी हुई हैं. वो अपने खेल के बाद अब घरेलू स्ट्रगल को लेकर सुर्खियों में हैं. सलीमा को इसी साल 2 मई को ही सविता पूनिया की जगह कप्तान बनाया गया. सलीमा झारखंड में राजधानी रांची से करीब 165 किमी दूर रहती हैं. वो सिमडेगा जिले के एक छोटे से गांव बड़की छापर की रहने वाली हैं.

परिवार 3 किलोमीटर दूर से पानी लाने को मजबूर

सलीमा के परिवार के पास साफ पानी का भी पर्याप्त साधन नहीं है. घर पर माता-पिता के अलावा दो बहन हैं जिन्होंने लगातार कड़े संघर्ष के जरिए उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया है. सलीमा के पिता सुलक्षण टेटे भी हॉकी खेलते थे, जहां से उन्हें इस खेल के बारे में पता चला. लेकिन नेशनल टीम का कप्तान बनने के बाद भी उनका परिवार 3 किलोमीटर दूर से पानी लाने को मजबूर है. साथ ही अभी तक सरकार ने उन्हें घर देने का अपना वादा भी पूरा नहीं किया है.

सलीमा को नेशनल लेवल तक पहुंचाने में उसकी मां ने रसोइया और बड़ी बहन ने दूसरों के घरों में बर्तन तक मांजने का काम किया है. सलीमा ने कहा कि जब वो गांव जाती हैं तो उन्हें भी 3 किमी दूर से पानी लाना पड़ता है. सलीमा की मां सुबानी टेटे गांव के ही सरकारी स्कूल में रसोइया हैं. सुबह उठकर सबसे पहले वे पानी लाने जाती हैं. फिर दोपहर और शाम को भी पानी लाना पड़ता है. किसी दिन मेहमान के आ जाने पर थोड़ी और मेहनत करनी पड़ती है. हालत ऐसी है कि उनके परिवार को दिन में 2 से 3 बार पानी भरने के लिए कई किलोमीटर का सफर तय करना पड़ता है.

सलीमा ने कहा, मेरे माता-पिता आज भी पीने का पानी लाने के लिए घर से बहुत दूर जाते हैं. गांव में होने पर मैं भी ऐसे ही पानी लाती हूं. गांव में मोबाइल नेटवर्क जीरो है. बमुश्किल ही परिजनों से बात कर पाती हूं. गांव में चापाकल है, पानी की सरकारी टंकी भी है लेकिन पानी ऐसा कि आप पी नहीं सकते.

अब भी घर मिलने का इंतजार कर रहीं कप्तान

भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सलीमा इस वक्त बेंगलुरु में भारतीय टीम के साथ प्रैक्टिस कर रही हैं. टोक्यो ओलंपिक के बाद राज्य सरकार ने उन्हें घर देने का वादा किया था. पर वे बताती हैं कि उन्हें आज तक घर का इंतजार है. सलीमा ने कहा, आज तक मैं इंतजार में ही हूं. मेरे गांव वाले भी पीने के पानी की सुविधा, अच्छी सड़क, बिजली, मोबाइल टावर, पीएम आवास सब डिजर्व करते हैं. हमें जात-पात का नहीं देखना चाहिए, हम सारे एक हैं. पर मेरे गांव में क्रिश्चियंस के साथ भेदभाव हो रहा है. उन्हें पीएम आवास नहीं मिल रहा.

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉग ऑन करें
www.sonvarshavani.com
ई-पेपर
sonvarshavani.com.epaper

एक नजर

मारपीट में दो पक्षों से प्राथमिकी दर्ज, 11 नामजद

रफीगंज (औरंगाबाद) (नि.सं.)। रफीगंज के काजीचक -अमरपुरा गांव में अपसी विवाद को लेकर दो पक्षों में मारपीट हुई। जिससे प्रथम पक्ष से मंगलदीप कुमार यादव ने गांव के ही कृत यादव के पुत्र भोली यादव, कुलदीप कुमार,युगेश कुमार,कांती देवी,एवं हेमती देवी को नामजद आरोपी बनाया। उल्लेख किया कि रविवार की शाम आसपास के बच्चों की लड़ाई छोड़ने गए तो उक्त सभी लोगों ने मारपीट कर दिया। जिससे मैं और मेरी पुत्र वधू घायल हो गई। दूसरे पक्ष से मुनिया देवी ने पप्पू यादव,मंगलदीप यादव, राजकुमार, राजेंद्र,बृजेश कुमार, हेमंती देवी, सुमन देवी नामजद आरोपी बनाया। उल्लेख किया है कि उक्त लोग एकमत होकर मारपीट करने लगा। जिससे मैं और मेरे पुत्र घायल हो गया। प्रशिक्षु डीएसपी सह थाना अध्यक्ष चंदन कुमार ठाकुर ने बताया कि दोनों पक्ष से प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

लोजपा ने सम्मान समारोह आयोजित कर कार्यकर्ताओं का बढ़ाया हौसला

औरंगाबाद(का.सं.)। लोजपा(रामविलास) के औरंगाबाद जिलाध्यक्ष चंद्रभूषण सिंह उर्फ सोनू सिंह ने पार्टी कार्यकर्ताओं से विधान सभा चुनाव की तैयारी में अभी से ही जुट जाने का आह्वान किया। सिंह ने सोमवार को यहां पार्टी द्वारा आयोजित कार्यकर्ता सम्मान समारोह सह समीक्षा बैठक में कहा कि पार्टी का स्ट्राइक रेट शत प्रतिशत है इसी वजह से पार्टी ने लोक सभा चुनाव में गठबंधन के तहत मिली सभी 5 सीटों पर जीत दर्ज की और विधान सभा चुनाव में भी गटबंधन में पार्टी के खाते में जितनी सीटे आएंगी उन सभी सीटों पर हम जीत दर्ज करेंगे।लोक सभा के चुनाव में भी पार्टी की जीत कार्यकर्ताओं की मेहनत और ताकत से मिली है और विधान सभा चुनाव में भी हमे जीत मिलेगी।कहा कि लोकसभा चुनाव के जीत से हमारे कार्यकर्ता उत्साह में है और ये उत्साह बरकरार रहना चाहिए।कहा कि कार्यकर्ता ही हमारी ताकत है और कार्यकर्ताओं की ताकत से हमारी पार्टी और नेता है।लोक सभा चुनाव में मिली जीत के लिए हम कार्यकर्ताओं को बधाई देते है और उनके द्वारा की गई जीतोड़ मेहनत के लिए धन्यवाद देते है। पार्टी जनता की भी आभारी है जिन्होंने अपना कीमती मत देकर पार्टी के उम्मीदवारों को लोक सभा पहुंचाया पार्टी वादा करती है कि जनता के भरोसे पर हम शत प्रतिशत खरे उतरेंगे।कहा कि आज की समीक्षा बैठक में जो बाते उभरकर सामने आई है उसके अनुसार हमारी पार्टी औरंगाबाद जिले में मजबूत है लेकिन पार्टी को अभी और मजबूत बनाने और संगठन को धार देने की जरूरत है। यह काम कार्यकर्ता ही कर सकते है।

राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रचार-प्रसार के लिए जिला जज ने जागरूकता रथ किया रवाना

कार्यालय संवाददाता

औरंगाबाद। जिला विधिक सेवा प्राधिकार, औरंगाबाद के तत्वावधान में आगामी 13 जुलाई को लगने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत की गांव-गांव तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक द्वारा प्रचार-प्रसार के लिए जागरूकता रथ उपलब्ध कराया गया है। रथ को मंगलवार को व्यवहार न्यायालय परिसर से जिला एवं सत्र न्यायाधीश अशोक राज ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर प्राधिकार के सचिव सुकुल राम, बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक अरविंद कुमार एवं बैंक के अन्य कई पदाधिकारी मौजूद रहे। यह प्रचार सह जागरूकता रथ राष्ट्रीय लोक अदालत के फायदों के स्लोगन की तख्ती लगाकर जिले के विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण कर राष्ट्रीय लोक अदालत का प्रचार-प्रसार करेगा ताकि अधिक से अधिक लोगो तक राष्ट्रीय लोक अदालत का संदेश पहुंचे। इस मौके पर जिला जज ने कहा कि 13 जुलाई को आयोजित होने जा रहे राष्ट्रीय लोक अदालत में लोगो की समस्याओं का समाधान किस तरह से किया जाता है, का प्रचार जागरूकता रथ के माध्यम से किया जाएगा। बताया जाएगा कि राष्ट्रीय लोक अदालत लोगो के हितों को कैसे सुलभ बनाता है। इस उद्देश्य के लिए यह प्रचार सह जागरूकता रथ काफी कारगार साबित होगा। यह रथ कई स्थलों को अच्छादित करते हुए लोगो को जागरूक करेगा एवं लोगो को हर तरह के सुलहनीय वादों का निस्तारण राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से कराने के लिए प्रेरित करेगा। साथ ही बैंकों द्वारा दिए गए ऋण संबंधी वाद में राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से दिए जा रहे छूट से भी यह प्रचार रथ लोगों को अवगत कराएगा। कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत जायेगें, वादों को सुलझायेंगें, राष्ट्रीय लोक अदालत में आकर अनर्जक ऋणों से भारी छूट पायें, इस अवसर पर लाभ उठायें, न कोई जिता न कोई हारा, राष्ट्रीय लोक अदालत का यही है नारा जैसे कई मनमोहक स्लोगन इस जागरूकता सह प्रचार रथ का मुख्य आकर्षण है। वही जागरूकता रथ के रवाना होने के बाद प्राधिकार के सचिव सुकुल राम ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियां अंतिम चरण में है। अधिक से अधिक लोगो को इसकी जानकारी उपलब्ध हो, इसके लिए कई माध्यमों से जिले के लोगो को जागरूक किया जा रहा है। राष्ट्रीय लोक अदालत का महत्व अधिक से अधिक लोगो तक पहुंचाने के उद्देश्य से सोशल मीडिया, समाचार-पत्र, तथा अन्य कई माध्यमों से लोगो से यह अपील की जा रही है कि वे अपने सुलहनीय वादों का निस्तारण राष्ट्रीय लोक अदालत में कराए। इस मौके पर दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक अरविंद कुमार ने बताया कि दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक प्रत्येक राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक सहयोग करने के उद्देश्य से कार्य करता है। राष्ट्रीय लोक अदालत का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित हो, इसके लिए जागरूकता रथ अहम हिस्सा है। वही बैंक से जुड़े वरीय प्रबंधको ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में आने वाले पक्षकारों को बैंक द्वारा बकाया राशि में विशेष छूट प्रदान किया जाएगा, जिससे उन्हे संबधित ऋण वाद के निस्तारण में सहुलियत होगी। विगत कई राष्ट्रीय लोक अदालतों में पक्षकारो को इसका लाभ प्रदान किया गया है। इस वजह से ऋणधारक भी राष्ट्रीय लोक अदालत के महत्व तथा फायदों को भली भांति जानने लगे हैं।

दिल्ली में चिराग पासवान से मिले लोजपा (रा.) के प्रदेश महासचिव प्रमोद सिंह

निज संवाददाता

रफीगंज (औरंगाबाद)। मंगलवार को लोजपा (रा.) बिहार के प्रदेश महासचिव प्रमोद कुमार सिंह ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष, हाजीपुर (बिहार) के सांसद और भारत सरकार के खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान से दिल्ली में महत्वपूर्ण मुलाकात हुई। इस मुलाकात के दौरान, हमने अपने रफीगंज विधानसभा क्षेत्र की समस्याओं, उपलब्धियों और विकास कार्यों पर विस्तृत चर्चा की। मुलाकात के दौरान, मैंने चिराग पासवान को रफीगंज क्षेत्र की वर्तमान स्थिति के बारे में अवगत कराया।

चिराग पासवान जी ने इन समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनके समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया। इस दौरान रफीगंज विधानसभा के पिछली चुनावी समीकरण पर भी चर्चा हुई। मैंने चिराग पासवान जी को पिछली चुनावों के दौरान क्षेत्र में हुए राजनीतिक घटनाक्रम, विभिन्न दलों के प्रदर्शन और मतदाताओं की बदलती प्राथमिकताओं के बारे में बताया। यह भी स्पष्ट किया कि पिछली बार किस प्रकार के मुद्दों ने चुनाव परिणामों को प्रभावित किया और कैसे आगामी चुनावों में इन मुद्दों को ध्यान में रखकर रणनीति बनाई जा सकती है।

और इनके नेतृत्व में पूरे बिहार मे लोजपा (रा.) सबसे मजबूत रफीगंज विधानसभा मे है। मुलाकात के दौरान, हमने क्षेत्र में पार्टी के संगठन को और मजबूत करने, स्थानीय कार्यकर्ताओं को अधिक सक्रिय करने और जनता के बीच पार्टी की पहुंच बढ़ाने के उपायों पर भी चर्चा की। चिराग पासवान ने इन सभी पहलुओं को गंभीरता से सुना और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मैंने चिराग पासवान को रफीगंज क्षेत्र में आने का निमंत्रण भी दिया। उनके क्षेत्र में आगमन से न केवल स्थानीय जनता को प्रेरणा मिलेगी, बल्कि विकास कार्यों को भी नई गति मिलेगी। चिराग पासवान ने निमंत्रण स्वीकार किया और वादा किया कि वे जल्द ही रफीगंज का दौरा करेंगे।

गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय के 35 छात्रों की भागीदारी

एनसीसी द्वारा सीएटीसी VIII प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

निज संवाददाता

सासाराम (रोहतास)। 42 बिहार बटालियन एनसीसी सासाराम द्वारा कर्नल डी.एस. मालिक के निर्देशन में 12 दिवसीय सी एटीसी VIII प्रशिक्षण शिविर का आयोजन डीपीएस, कैमूर में किया गया है। आयोजित शिविर में एनसीसी गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय के कुल 35 छात्रों ने सहभागिता लिया है। आयोजित शिविर में प्रशिक्षण ले रहे कैडेट्स को गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय की कैडेट प्रियांशु द्वारा प्राथमिक उपचार पर जागरूक करने का अवसर प्राप्त हुआ। इस दौरान कैडेट प्रियांशु के लिए समस्त कैडेट्स, प्रशिक्षक और कर्नल मालिक द्वारा खूब प्रशंसा और बधाइयां प्राप्त हुई। इस मौके पर आयोजित शिविर के पर्यवेक्षण में गया ग्रुप कमांडर के ब्रिगेडियर नीतीश बिष्ट भी शामिल हुए। ब्रिगेडियर बिष्ट ने जीएनएसयू की कैडेट प्रियांशु को उत्कृष्ट कार्य हेतु गोल्ड मेडल देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर जीएनसीयू के ए.एन.ओ डॉ मयंक कुमार राय ने प्रशिक्षक रौशन सिंह को उनके बेहतरीन कार्य पर बहुत बहुत शुभकामनाएं प्रेषित किया और कहा की निश्चित रूप से जीएनएसयू के कैडेट्स बिहार ही नहीं अपितु सम्पूर्ण राष्ट्र के विकास की अलख जगाने में अपनी महती भूमिका निभाएंगे।

मंत्री संतोष कुमार सुमन की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित

मंत्री ने नल जल योजना और साफ-सफाई कार्यों पर स्थानीय विकास को दिशा निर्देश

कार्यालय संवाददाता

औरंगाबाद। मंगलवार को समाहरणालय के योजना भवन के सभागार में मंत्री, सूचना एवं प्रावैधिकी, लघु जल संसाधन एवं आपदा प्रबंधन विभाग, बिहार सरकार सह-प्रभारी मंत्री- सह अध्यक्ष, जिला कर्यक्रम कार्यान्वयन समिति एवं जिला परामर्शदातृ समिति,(जल जीवन हरियाली) औरंगाबाद, संतोष कुमार सुमन की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आहूत हुई। सर्वप्रथम जिलाधिकारी, श्रीकांत शास्त्री द्वारा प्रभारी मंत्री का स्वागत किया। इसके अतिरिक्त बैठक में उपस्थित सभी माननीय, सांसद अभय कुमार सिन्हा, सांसद काराकाट, राजाराम सिंह, माननीय विधायक, आनंद शंकर सिंह, विधान पार्षद दिलीप कुमार सिंह, विधायक प्रतिनिधि आदि सदस्यों को भी पदाधिकारीयों के द्वारा स्वागत किया गया।

इस बैठक में प्रभारी मंत्री के द्वारा औरंगाबाद जिले के विभिन्न विभागों द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न विकासात्मक कार्यों पर गहन चर्चा की गई, जिसमें कृषि, राजस्व, स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क, मनरेगा, आवास, पेंशन, खाद्य आपूर्ति आदि जैसे कई महत्वपूर्ण मुद्दे पर विमर्श किया गया। शिक्षा विभाग के कार्यों की समीक्षा के दौरान विधायक के द्वारा पूछा गया कि जिले में अभी तक कुल कितने भूमिहीन विद्यालय है। जिला शिक्षा पदाधिकारी के द्वारा बताया गया कि जिले में कुल 40 विद्यालय भूमिहीन एवं 58 विद्यालय भवनहीन है जिसे दूसरे स्कूलों में मर्ज कर दिया गया है। सांसद औरंगाबाद के द्वारा निर्देश दिया गया कि संबंधित स्कूलों को बगल के विद्यालय में ही मर्ज किया जाए दूर के विद्यालय में मर्जर नहीं किया जाए। सांसद काराकाट के द्वारा बताया गया कि स्कूलों का मर्ज करना ही समस्या का समाधान नहीं है अंतिम विकल्प है स्कूलों का मर्ज करना। अंचलाधिकारी द्वारा जमीनी संबंधित एनओसी लेकर स्कूल बनाने पर जोर दिया जाए। पीएचईडी विभाग के कार्यों की समीक्षा के दौरान माननीय प्रभारी मंत्री के द्वारा कार्यपालक अभियंता से शहरों में हो रहे पानी का किल्लत, भू-जल स्तर, पेयजल आपूर्ति, चापाकल मरम्मती आदि के बारे में विस्तार पूर्वक जाना एवं नल जल योजना के संदर्भ में मरम्मती कार्य को तत्परता से कराने का निदेश कार्यपालक अभियंता पीएचईडी को दिया गया। सांसद औरंगाबाद के द्वारा प्रभारी मंत्री के समक्ष नल जल योजना को जमीनी स्तर पर समीक्षा करने की बात कही। सभी वार्डों में निगरानी समिति बनाकर समीक्षा करने की बात कही एवं बंद पड़े नल जलों को अविलंब चालू करने की बात रखी। साथी साथ जहां पर नल जल से पानी नहीं पहुंच पा रहा है वहां चापाकल उपलब्ध कराने आग्रह किए। प्रभारी मंत्री द्वारा सभी नगर निकाय के कार्यपालकों को निदेशित किया गया है कि नगर निकाय क्षेत्र में साफ-सफाई कार्य एवं जलजमाव से निदान हेतु प्राथमिकता के तौर पर कार्य किया जाये।

महिला के नहर में कूदकर जान देने के मामला

मृतका के भाई ने देवर व गोतनी पर मारपीट और हत्या का लगाया आरोप

निज संवाददाता

फेसर (औरंगाबाद)। औरंगाबाद सदर प्रखंड के फेसर थाना क्षेत्र के आलमपुर की एक महिला द्वारा पारिवारिक कलह से तंग आकर सोमवार को पोखराहा के पास नहर में कूद कर जान दे देने के 24 घंटे बाद मंगलवार की शाम शव बरामद होते ही मामले ने नया मोड़ ले लिया है। शव की बरामदगी के बाद पोस्टमार्टम कराने आए मृतका के भाई देव थाना के मुंशी बीघा निवासी अमित यादव ने कहा कि मृतका संगीता देवी का पति गुड्डू यादव की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। उसके बहनोई पांच भाई है। कुछ माह पहले पारिवारिक बंटवारें में मेरी बहन के हिस्से में खेत आया था। इस बंटवारें को लेकर ससुराल वालों द्वारा विवाद खड़ा किया जा रहा था। संगीता के दोनों देवर और दोनों गोतनी द्वारा आए दिन उसके साथ मारपीट की जा रही थी। बहन को और प्रताड़ना से बचाने को लेकर उन्होंने ससुराल वालों के साथ कई बार बैठक कर सुलह समझौता भी कराया। इसके बावजूद उसके साथ लगातार मारपीट की जाती रही। मारपीट और प्रताड़ना से बचाने के लिए ही उन्होंने बहन के लिए गांव में ही अलग घर बनवा दिया था ताकि वह विवाद से बचकर वहां रह सके।

चाकूबाजों को कोर्ट ने सुनाई आजीवन कैद की सजा

कार्यालय संवाददाता

औरंगाबाद। व्यवहार न्यायालय, औरंगाबाद में एडीजे-7 निशित दयाल ने दाउदनगर थाना कांड संख्या -337/22 में सजा के बिन्दु पर सुनवाई करते हुए तीनों अभियुक्तों को सजा सुनाई है। एपीपी अशोक कुमार सिंह ने बताया कि अभियुक्त आदिल अंसारी अंजान शहीद दाउदनगर, विकास कुमार नालबंद टोला दाउदनगर, रियाज हजाम माली टोला दाउदनगर को भादंवि धारा 302/34 में आजीवन कारावास और पचास हजार रुपए जुर्माना, जुर्माना न भर सकें तो एक साल अतिरिक्त साधारण कारावास होगी। सजा के बिन्दु पर सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष ने कहा कि अभियुक्तों का यह पहला अपराध है और अभियुक्तगण कम उम्र के है। इसलिए कम से कम सजा का आग्रह करते हैं। एपीपी अशोक कुमार सिंह ने कहा कि यह बात सही है कि अभियुक्त सभी कम उम्र के है। उन्होंने योजनाबद्ध तरीके से अपने से कम उम्र के किशोर को चाकू से गोद कर हत्या की है। यह घटना समाज में क्षमा योग्य नहीं है। ऐसी घटना समाज को चिंतित करता है। अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि प्राथमिकी सूचक दिनेश यादव नालबंद टोला दाउदनगर ने 20 जून 2022 को अभियुक्तों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी। कहा था कि रात्रि 08 बजे मेरे किशोर पुत्र अक्षय कुमार को फोन कर अभियुक्त विकास कुमार घर से बाहर बुलाता है और शांति भवन ले जाकर अन्य अभियुक्तों के साथ चाकू से गोद कर बुरी तरह से घायल कर देता है।

विष्णुपद पाठक के द्वितीय पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा एवं वृक्षारोपण

निज संवाददाता

देव (औरंगाबाद)। देव प्रखंड स्थित ग्राम भैरवपुर में समाजसेवी विष्णुपद पाठक की द्वितीय पुण्यतिथि श्रद्धांजलि सभा के रूप में मनाई गई। बतकही परिवार के संयोजक पुरुषोत्तम पाठक के नेतृत्व में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित लोगों ने सर्वप्रथम उनके तैल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित किया। तत्पश्चात,उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए वक्ताओं ने कहा कि विष्णुपद पाठक एक कर्मठी एवं सामाजिक कार्यों में हमेशा संलग्न रहने वाले व्यक्तित्व के रूप में जाने जाते थे। शिक्षा के प्रति उनकी गहरी अभिरुचि थी। असहाय एवं जरूरतमंदों को हमेशा मदद किया करते थे। इस मौके पर उपस्थित लोगों ने प्राकृतिक वातावरण में संतुलन बनाए रखने हेतु वृक्षारोपण का भी कार्यक्रम चलाया। श्रद्धांजलि सभा में नीरज पाठक,धीरज पाठक, नरेंद्र पाठक, अंजनी मिश्र, सुरेंद्र पाठक, वीरेंद्र पाठक सहित अन्य उपस्थित थे।

मातृत्व सुरक्षा योजना के तहत 282 गर्भवती महिलाओं की हुई जांच

निज संवाददाता

रफीगंज(औरंगाबाद)। रफीगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मे मातृत्व सुरक्षा योजना के तहत 282 गर्भवती महिलाओं को जांच की गई। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ अरविंद कुमार सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री मातृत्व सुरक्षा योजना के तहत गर्भवती महिलाओं को वजन, ब्लड टेस्ट, बीपी जैसे कई जांच कर दवा एवं पौष्टिक नाश्ता दी जाती है। कार्यक्रम में डॉ संतोष कुमार, स्वास्थ्य प्रबंधक नेहा सिन्हा, बीसीएम सनी कुमार, बीएमसी सुभाष कुमार, लैब टेक्नीशियन रिंकी कुमारी, रंजीत कुमार शांति सिन्हा, सहित अन्य स्वास्थ्य कर्मि उपस्थित थे।